हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 सितम्बर, 2008

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 1 सितम्बर, 2008

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(2) 1
मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया संक्षिप्य वक्तव्य	(2) 18
ताराकित प्र ान एवम उतर	(2) 20

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये ताराकिंत प्र ानो की लिखित उतर	(2) 38
अतारांकित प्र ान एवम उतर	(2) 46
वाक आउट	(2) 48
मुख्यमत्री द्वारा की गई घोशणा	(2) 49
सरकारी संकल्प	(2) 50
हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओ को सम्मान देने बारे।	
वाक आउट	(2) 66
सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(2) 66
हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओ को सम्मान देने बारे।	
घोशणाांए	
(क) अध्यक्ष द्वारा	(2) 74
(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूची	(2) 74
(ii) अनुपस्थिति सम्बन्धी सूचना	(2) 74
(iii) यमुना समझौते पर समिति की रिपोर्ट के बारे मे	(2) 74

(ख) सचिव द्वारा	(2) 75
बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट	(2) 76
वाक आउट	(2) **80**
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(2) 80
वि ोशधिकार मामलो के सबंध मे वि ोशधिकार समिति का प्रारंम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तु करना तथा अंतिम प्रतिवदेन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना।	(2) 82
वि ोशधिकार कमेटी की वि ोश रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2) 83
वर्श 2008–2009 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त)) प्रस्तुत करना। दौराना सावर्जनिक सम्पतियोके हस्तारण/नीलामी/आंबटन की विस्तृत जाचं करने के लिए समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना	(2) 87
वर्श 2008–2009 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त)) प्रस्तुत करना।	(2) 88
प्राक्कन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2) 88

हरियाणा विधान सभा

सोमवार 1 सितम्बर, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (डा0 रघुबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Chief Minister will make the obituary references.

मुख्यमंत्री (चौ0 भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र मे स्वतंत्रता सेनानी, भाहीद और बहुत सारे हमारे साथी हमारे को छोडकर चले गए। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से यह भाोक प्रस्ताव सदन के समक्ष रख रहा हू।

बाबू परमानन्द, हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल बाबू परमानन्द के 24 अप्रैल, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 10 अगस्त, 1932 को हुआ। वह 1962–1990 के दौरान छ बार जम्मू एवम क मीर विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1967, 1972 तथा 1982 मे मंत्री बने। वह 1980 मे जम्मू एव क मीर विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। वह

1991–95 के दौरान जम्मू एवम क ामीर के राज्यपाल की सलाहकार समिति के सदस्य रहे। वह 2000–2004 के दौरान हरियाणा के राज्यपाल रहे। उन्होने हमे ाा गरीबो एवम समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक कु ाल प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत के 1 अगस्त, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 23 मार्च, 1916 को हुआ। उन्होने दे ा की आजादी के सघर्श मे अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 1931 मे सरदार भगत सिंह की नौजवान भारत सभा मे भाामिल हुए। उन्हे 1932 मे होि ायारपुल जिला अदालत के कार्यालय पर राश्ट्रीय ध्वज फहराने पर जेल हुई। वह 1935 मे कम्यूनिस्ट पार्टी मे भाामिल हुए। वह 1953 व 1967 मे पजांब विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1978 मे राज्य सभा के लिए चुने गए। वह भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के संस्थापको मे से एक थे। वह 1992–2005 के दौरान भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के

महासचिव रहे। उन्होने सदैव गरीबो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक सुप्रसिंद्ध मार्क्सवादी, एक सच्चे दे ा भगत अनुभवी सांसद एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री विनोद कुमार मडिया, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार मडिया के 3 जुलाई, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 मई, 1950 को हुआ। वह 1996 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1997–1999 के दौरान राज्य मंत्री रहे। वह एक निश्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री अमर सिंह ढांडे, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमर सिंह ढांडे के 1 मई, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 22 सितम्बर, 1948 को हुआ। वह 1991 तथा 2000 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री सुरज मल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सूरज मल के 9 अगस्त, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 11 नवम्बर, 1935 को हुआ। वह 1996 तथा 2000 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री कृश्ण कुमार बिडला, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व ससंद सदस्य श्री कृश्ण कुमार बिडला के 30 अगस्त, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 12 अक्तूबर, 1918 को हुआ। वह 1946–47 के दौरान भारतीय चीनी मिल्ज प्रसंघ तथा 1974–75 के दौरान इडिंयन चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री के अध्यक्ष रहे। वह बिडला विज्ञान एवम प्रौधोगिकी संस्थान दि हिन्दुस्तान टाईम्स तथा बिडल समूह की कई कम्पनियां के अध्यक्ष थे।

बिडला औधोगिक समूह का ने केवल भारत मे बल्कि दुनियाभर मे नाम है। उनकी यह सोच थी कि भारत, उधोग के हर क्षेत्र मे आत्मनिर्भर बने। वह एक सफल उधोगपति होने के साथ साथ कु ाल राजनैतिक भी थे। वह 1984 से 2002 तक तीन बार राज्य सभा के सदस्य रहे। वह अनेक भौक्षणिक एवम धार्मिक संस्थाओ से जुडे रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद, एवम सुप्रसिद्ध उधोगपति एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है जिन्होने, दे ा की आजादी के सघंर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है।

1. श्री कंवल सिंह, गांव ढाकला, जिला झज्जर।

2. श्री चन्दन सिंह, गांव बैयापुर, जिला सोनीपत।

3. श्री रतन प्रका ा गांव केसरी, फरीदाबाद

4. श्री राम चन्द्र कस्वा, गांव मतानी, जिला भिवानी।

5. श्री प्रभु दयाल, गांव आसिय की गौरावास, जिला रेवाडी।

6. श्री हरद्वारी लाल, गांव छारा, जिला झज्जर।

7 श्री गुरचरण सिंह, गांव प्योंत, जिला करनाल।

8. श्री मुरलीधर यादव, गांव पालन्डी, जिला भिवानी।

9. श्री आसोदा राम, गांव दिनोद, जिला भिवानी।

10. श्री अमर सिंह, गाव लुखी, जिला रेवाडी।

11. श्री सरूप लाल, गांव रिठाल, जिला रोहतक।

12. श्री हरि सिंह खोखर, गांव कन्साला जिला रोहतक।

13. श्री रामजस, गांव बारठा, जिला महेन्द्रगढ।

14. श्री अर्जुन सिंह, गांव झोझूकंला, जिला भिवानी।

15. श्री कि ान लाल, गांव देवावास, जिला भिवानी।

16. श्री भोर सिंह, गांव भापडौदा, जिला झज्जर।

17. श्री हजार सिंह, पानीपत।

18. श्री चतर सिंह, नारनौल, जिला महेन्द्रगढ।

19. श्री अमीलाल, गांव कुडल, जिला भिवानी।

20. श्री छोटू राम, गांव हडोदा, जिला भिवानी।

21. श्री जयमल सिंह, गांव फीदेडी, जिला रिवाडी।

22. श्री चमन लाल आहूजा, पानीपत।

23. श्री विरसा सिंह, गांव तलहेडी, जिला कुरूक्षेत्र।

24. श्री देवन्द्र सिह, रोहतक।

25. श्री भागीरथ, गांव कैमरी, जिला हिसार।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को भात भात नम्न करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के भाहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होने मातृभूमि की एकता एवम अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार है।

1. ब्रिगेडियर रविदत मेहता, गुडगांव।

2. लैफ्टिनैंट अरूण कुमार, गांव रावलधी, जिला भिवानी।

3. सूबेदार रण्बीर सिंह, गांव गुदियाना, जिला यमुनानगर।

4. सूबेदार राम कुमार सिंह, गांव बिडोला, जिला भिवानी।

5. सूबेदार रामफल, गांव छाजपुर खुर्द, जिला पानीपत।

6. नायब सुबेदार कृश्ण कुमार, गांव मोखरा, जिला रोहतक।

7. नायब सूबेदार जगदी ा चन्द्र, गांव हबाना, जिला कुरूक्षेत्र।

8. नायब सूबेदार सतपाल सिंह, गांव देवराज जिला भिवानी।

9. उप अधीक्षक फतेह सिंह, गांव फरैन खुर्द, जिला जीन्द।

10. निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, गांव डोहकी, जिला भिवानी।

11. उप निरीक्षक राम सिंह, गांव भाी ावाला, जिला भिवानी।

12. हवलदार भूप सिंह, गांव बलाह कलां, जिला महेन्द्रगढ।

13. हवलदार पदम सिंह, गांव नूना माजरा, जिला झज्जर।

14. हवलदार औम प्रका ा, गांव छपार जिला भिवानी।

15. हवलदार पवन कुमार, गांव हिडौल, जिला भिवानी।

16. हवलदार हरपाल सिंह, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ।

17. हवलदार लखी राम, गांव ढोरका, जिला गुडगांव।

18. हवलदार बिजेन्द्र, गांव चिडिया, जिला भिवानी।

19. हवलदार कर्मबीर, गांव ललहेडी, जिला सोनीपत।

20. नायक राजकरण, गांव कनीना, जिला महेन्द्रगढ।

21. लांस नायक क मीर सिंह, गांव बिलौचपुरा, जिला कुरूक्षेत्र।

22. सिपाही राजे ा कुमार , गांव रभडा, जिला सोनीपत।

23. नायक पवन कुमार, गांव देवरड, जिला जीन्द।

24. सिपाही जगदी ा सिंह, गांव ईगराह, जिला जीन्द।

25. सिपाही मुखत्यार सिंह, गांव घनाना, जिला भिवानी।

26. सिपाही धर्मपाल, गांव ढाणी भाोभ, जिला रिवाडी।

27. सिपाही देव कुमार, गांव मोहम्मदपुर अहीर, जिला गुडगांव।

28. सिपाही विजय सिह, गांव सुरहेली, जिला रिवाडी।

29. सिपाही महे ा कुमार, गांव आसलवास, जिला रिवाडी।

30. सिपाही बिनेंद्र, गांव कटेसरा, जिला रोहतक।

31. सिपाही राजे ा, गांव मोतला कलां, जिला रेवाडी।

32. सिपाही महीपाल, गांव बूढवाल, जिला महेन्द्रगढ।

33. सिपाही रण सिंह, गांव मूलोदी, जिला महेन्द्रगढ।

34. सिपाही प्रदीप यादव, गांव बिठवाना, जिला रेवाडी।

35. सिपाही कर्ण सिंह, गांव देवास, जिला महेन्द्रगढ।

36. सिपाही बिजेन्द्र, गांव नैनसुखपुरा, जिला रेवाडी।

37. सिपाही नवीन कुमार, गांव कतोपुरी, जिला रेवाडी।

मै इन महान् वीरों की भाहादत पर उन्हे भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, यह सदन हमारे फील्ड मा र्ल माणेक भााह के निधन पर भी गहरा भाोक प्रकट करता है तथा भाोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

जयपूर, बैगलूर तथा अहमदाबाद मे बम विस्फोट

यह सदन 13 मई, 2008 को राजस्थान के जयपुर, 25 जुलाई, 2008 को कर्नाटक के बेगलूर एवम 26 जुलाई, 2008 को गुजरात के अहमदाबद मे क्रमिक बम धमाको मे मारे गए निर्दोश लोगो को दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है यह एक भार्मनाक एवम घोर अपराध एवम मानवता पर हमला था।

यह सदन आतंकवादियो को इन जघन्य कृत्यों की कडी निंदा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

नैना देवी मदिर दुर्घटना

यह सदन 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदे ा के बिलासुपर जिले मे स्थित नैना देवी मदिर की भगदड मे मरने वाल श्रद्वालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

प्राकृतिक आपदांए

यह सदन अगस्त, 2008 मे पजांब और बिहार मे आई भारी बाढ से मरने वाले लोगो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन

मेरी मामी **श्रीमती दान कौर**

हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री रण्धीर के पिता **श्री धन सिंह**

श्रम मंत्री श्री ए0सी0 चौधरी की भाभी **श्रीमती लता**

विधायक श्री विनोद भार्मा की मता **श्रीमती राज रानी भार्मा**

विधायक श्री नरे ा मलिक के चाचा **श्री राम कुमार**

विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर **श्री राम गोपाल सिंह**

विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड की पत्नी **श्रीमती कैला ावती** तथा विधायक श्री तैजेन्द्र पाल सिह मान की **बहर श्रीमती कौ ाल्या महारज सिंह** के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

पूर्व मंत्री चौधरी लहरी सिंह के सुपुत्र श्री सुखबीर सिंह मलिक, पूर्व मंत्री रामबिलास भार्मा के पिता श्री जय राम भार्मा और भूतपूर्व मंत्री श्री मनीराम गोदारा के पोत्र श्री सुनील गोदारा निधन पर भी यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है तथा भाोक संतप्त परिवारो के प्रति हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला (रोडी): अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र मे स्वतंत्रता सेनानी, भाहीद और बहुत सारे हमारे साथी हमारे को छोडकर चले गए। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से यह भाोक प्रस्ताव सदन के समक्ष रख रहा हू। पिछले सत्र और इस सत्र मे स्वतंत्रता सेनानी, भाहीद और बहुत

सारे हमारे साथी हमारे को छोडकर चले गए। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से यह भाोक प्रस्ताव सदन के समक्ष रख रहा हू। मै हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल बाबू परमानन्द के 24 अप्रैल, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उनका जन्म 10 अगस्त, 1932 को हुआ। वह 1962–1990 के दौरान छ बार जम्मू एवम क मीर विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1967, 1972 तथा 1982 मे मंत्री बने। वह 1980 मे जम्मू एव क मीर विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। वह 1991–95 के दौरान जम्मू एवम क ामीर के राज्यपाल की सलाहकार समिति के सदस्य रहे। वह 2000–2004 के दौरान हरियाणा के राज्यपाल रहे। उन्होने हमे ाा गरीबो एवम समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक कु ाल प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व संसद सदस्य कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत के 1 अगस्त, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 23 मार्च, 1916 को हुआ। उन्होने दे ा की आजादी के सघर्श मे अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह 1931 मे सरदार भगत सिंह की नौजवान भारत सभा मे भाामिल हुए। उन्हे 1932 मे होि ायारपुल जिला अदालत के कार्यालय पर राश्ट्रीय ध्वज

फहराने पर जेल हुई। वह 1935 मे कम्यूनिस्ट पार्टी मे भाामिल हुए। वह 1953 व 1967 मे पजांब विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1978 मे राज्य सभा के लिए चुने गए। वह भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के संस्थापको मे से एक थे। वह 1992–2005 के दौरान भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के महासचिव रहे। उन्होने सदैव गरीबो के उत्थान के लिए कार्य किया। कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत जी की मेरे पिता स्वर्गीय श्री चौधरी देवी लाल जी से घनिश्ठ मित्रता थी। उनकी मित्रता न सिर्फ विधान सभा तक थी बल्कि राजनैतिक तौर पर भी उनके अच्छे सबंध रहे है। कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत जी ने चाहे कोई भी सरकार रही हो उनमे अहम भूमिका निभाया करते थे। उनके निधन से दे ा एक सुप्रसिंद्ध मार्क्सवादी, एक सच्चे दे ा भगत अनुभवी सांसद एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार मडिया के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। श्री विनोद कुमार मडिया जी हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे। और उन्हे मंत्री पद पर भी सु ाोभित होने का अवसर मिला। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमर सिंह ढांडे के 1 मई, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 22 सितम्बर, 1948 को हुआ। वह 1991 तथा 2000 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सूरज मल के 9 अगस्त, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 11 नवम्बर, 1935 को हुआ। वह 1996 तथा 2000 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

मै भूतपूर्व संसद सदस्य श्री कृश्ण कुमार बिडला के 30 अगस्त, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 12 अक्तूबर, 1918 को हुआ। वह 1946–47 के दौरान भारतीय चीनी मिल्ज प्रसंघ तथा 1974–75 के दौरान इडिंयन चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री के अध्यक्ष रहे। वह बिडला विज्ञान एवम प्रौधोगिकी संस्थान दि हिन्दुस्तान टाईम्स तथा बिडल समूह की कई कम्पनियां के अध्यक्ष थे। बिडला औधोगिक समूह का ने केवल भारत मे बल्कि दुनियाभर मे नाम है। उनकी

यह सोच थी कि भारत, उधोग के हर क्षेत्र मे आत्मनिर्भर बने। वह एक सफल उधोगपति होने के साथ साथ कु ाल राजनैतिक भी थे। वह 1984 से 2002 तक तीन बार राज्य सभा के सदस्य रहे। वह अनेक भौक्षणिक एवम धार्मिक संस्थाओ से जुडे रहे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद, एवम सुप्रसिद्ध उधोगपति एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक प्रस्ताव परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

मै महान स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है जिन्होने, दे ा की आजादी के सघंर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है।

1. श्री कंवल सिंह, गांव ढाकला, जिला झज्जर।

2. श्री चन्दन सिंह, गांव बैयापुर, जिला सोनीपत।

3. श्री रतन प्रका ा गांव केसरी, फरीदाबाद

4. श्री राम चन्द्र कस्वा, गांव मतानी, जिला भिवानी।

5. श्री प्रभु दयाल, गांव आसिय की गौरावास, जिला रेवाडी।

6. श्री हरद्वारी लाल, गांव छारा, जिला झज्जर।

7 श्री गुरचरण सिंह, गांव प्योंत, जिला करनाल।

8. श्री मुरलीधर यादव, गांव पालन्डी, जिला भिवानी।

9. श्री आसोदा राम, गांव दिनोद, जिला भिवानी।

10. श्री अमर सिंह, गाव लुखी, जिला रेवाडी।

11. श्री सरूप लाल, गांव रिठाल, जिला रोहतक।

12. श्री हरि सिंह खोखर, गांव कन्साला जिला रोहतक।

13. श्री रामजस, गांव बारठा, जिला महेन्द्रगढ।

14. श्री अर्जुन सिंह, गांव झोझूकंला, जिला भिवानी।

15. श्री कि ान लाल, गांव देवावास, जिला भिवानी।

16. श्री भोर सिंह, गांव भापडौदा, जिला झज्जर।

17. श्री हजार सिंह, पानीपत।

18. श्री चतर सिंह, नारनौल, जिला महेन्द्रगढ।

19. श्री अमीलाल, गांव कुडल, जिला भिवानी।

20. श्री छोटू राम, गांव हडोदा, जिला भिवानी।

21. श्री जयमल सिंह, गांव फीदेडी, जिला रिवाडी।

22. श्री चमन लाल आहूजा, पानीपत।

23. श्री विरसा सिंह, गांव तलहेडी, जिला कुरूक्षेत्र।

24. श्री देवन्द्र सिह, रोहतक।

25. श्री भागीरथ, गांव कैमरी, जिला हिसार।

मै इस महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को भात भात नम्न करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होने मातृभूमि की एकता एवम अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार है।

1. ब्रिगेडियर रविदत मेहता, गुडगांव।

2. लैफ्टिनैंट अरूण कुमार, गांव रावलधी, जिला भिवानी।

3. सूबेदार रण्बीर सिंह, गांव गुदियाना, जिला यमुनानगर।

4. सूबेदार राम कुमार सिंह, गांव बिडोला, जिला भिवानी।

5. सूबेदार रामफल, गांव छाजपुर खुर्द, जिला पानीपत।

6. नायब सुबेदार कृश्ण कुमार, गांव मोखरा, जिला रोहतक।

7. नायब सूबेदार जगदी ा चन्द्र, गांव हबाना, जिला कुरूक्षेत्र।

8. नायब सूबेदार सतपाल सिंह, गांव देवराज जिला भिवानी।

9. उप अधीक्षक फतेह सिंह, गांव फरैन खुर्द, जिला जीन्द।

10. निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, गांव डोहकी, जिला भिवानी।

11. उप निरीक्षक राम सिंह, गांव भी ावाला, जिला भिवानी।

12. हवलदार भूप सिंह, गांव बलाह कलां, जिला महेन्द्रगढ।

13. हवलदार पदम सिंह, गांव नूना माजरा, जिला झज्जर।

14. हवलदार औम प्रका ा, गांव छपार जिला भिवानी।

15. हवलदार पवन कुमार, गांव हिडौल, जिला भिवानी।

16. हवलदार हरपाल सिंह, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ।

17. हवलदार लखी राम, गांव ढोरका, जिला गुडगांव।

18. हवलदार बिजेन्द्र, गांव चिडिया, जिला भिवानी।

19. हवलदार कर्मबीर, गांव ललहेडी, जिला सोनीपत।

20. नायक राजकरण, गांव कनीना, जिला महेन्द्रगढ।

21. लांस नायक क मीर सिंह, गांव बिलौचपुरा, जिला कुरूक्षेत्र।

22. सिपाही राजे ा कुमार , गांव रभडा, जिला सोनीपत।

23. नायक पवन कुमार, गांव देवरड, जिला जीन्द।

24. सिपाही जगदी ा सिंह, गांव ईगराह, जिला जीन्द।

25. सिपाही मुखत्यार सिंह, गांव घनाना, जिला भिवानी।

26. सिपाही धर्मपाल, गांव ढाणी भाोभ, जिला रिवाडी।

27. सिपाही देव कुमार, गांव मोहम्मदपुर अहीर, जिला गुडगांव।

28. सिपाही विजय सिह, गांव सुरहेली, जिला रिवाडी।

29. सिपाही महे ा कुमार, गांव आसलवास, जिला रिवाडी।

30. सिपाही बिनेंद्र, गांव कटेसरा, जिला रोहतक।

31. सिपाही राजे ा, गांव मोतला कलां, जिला रेवाडी।

32. सिपाही महीपाल, गांव बूढवाल, जिला महेन्द्रगढ।

33. सिपाही रण सिंह, गांव मूलोदी, जिला महेन्द्रगढ।

34. सिपाही प्रदीप यादव, गांव बिठवाना, जिला रेवाडी।

35. सिपाही कर्ण सिंह, गांव देवास, जिला महेन्द्रगढ।

36. सिपाही बिजेन्द्र, गांव नैनसुखपुरा, जिला रेवाडी।

37. सिपाही नवीन कुमार, गांव कतोपुरी, जिला रेवाडी।

मै इस महान् वीरों की भाहादत पर उन्हे भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

इनके अलावा मै 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदे ा के बिलासुपर जिले मे स्थित नैना देवी मदिर की भगदड मे मरने

वाल श्रद्वालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। मै दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। इसके अतिरिक्त मै अगस्त 2008 मे पंजाब और बिहार मे आई भारी बाढ भारी बाढ से मरने वाले लोगो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। मै दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। इसके साथ मै मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की मामी **श्रीमती दान कौर,** हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के चारचार श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रका ा विधायक, श्री रण्धीर के पिता **श्री हरके ा सहारण,** श्रम मंत्री श्री ए0सी0 चौधरी की भाभी **श्रीमती लता,** विधायक श्री विनोद भार्मा की मता **श्रीमती राज रानी भार्मा,** विधायक श्री नरे ा मलिक के चाचा **श्री राम कुमार,** विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर **श्री राम गोपाल सिंह,** विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड की पत्नी **श्रीमती कैला ावती** तथा विधायक श्री तेजेन्द्र पाल सिह मान की **बहर श्रीमती कौ ाल्या महाराज सिंह** के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। इसके साथ साथ मै दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। इसके साथ मै 13 मई, 2008 को राजस्थान के जयपुर, 25 जुलाई, 2008 को कर्नाटक के बेगलूर एवम 26 जुलाई, 2008 को गुजरात के अहमदाबद मे क्रमिक बम धमाको मे मारे गए निर्दोश लोगो को दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है यह एक भार्मनाक एवम घोर अपराध एवम मानवता

पर हमला था। मै आतकवादियों के इन जघन्य कृत्यो की कडी निन्दा करता हू और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवंदेना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भी जो नाम वि ोश रूप से लीडर आफ दी हाउस ने लिए है मै भी अपने को उनके साथ जोडते हुए अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हू। इसी प्रकार से आंतकवादियों ने अपने कुकृत्यों की वजह के समूचे राश्ट्र के हरेक नागरिक को सोचने पर मजबूर किया है। मै आंतकवाद से पीडित परिवारो के प्रति भी गहरी संवेदना प्रकट करता हू। इसके अलावा हरियाणा प्रदे ा मे असामाजिक तत्वों के द्वारा फिरौती के नाम पर और फिरौती न वसूल होने पर कितने ही व्यापारियों का कत्ल कर दिया गया है। इसके अलावा गाजियाबद मे किसानो की जो दुखद हत्या की गई है, उन सबको भी मै इनमे भाामिल करता हू। मै अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से समस्त भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, मै सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा जी ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है उसमे भारीफ होता हू और सबसे पहले बाबू परमान्नद जी, जो कि हरियाण प्रदे ा के भूतपर्वू राज्यपाल थे, उनका जन्म 24 अप्रैल, 2008 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता हू। बाबू परमान्नद जी सारा जीवन गरीबो के लिए

जिए। वे मजलूमी के बहुत बडे रहवर थे। उनके निधन पर मुझे बडा भारी दुख है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत, भूतपूर्व ंससद पजांब के रहने वाले थे लेकिन मांर्क्सवादी मक्यूनिस्ट पार्टी पर उनकी बहुत भारी पकड थी। हालाकि पजांब मे उनकी कोई खास पहचान नही थी लेकिन उनमे एक ऐसी खूबी थी कि सारा जीवन मांर्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी के चेहरे बने रहे। जो अनपढ आदमी थे उनको वे टी0वी0 पर देख कर यह कहते थे कि यह कुछ उल्टा सीधा कहेगे लेकिन वे बहुत अच्छी भाख्सियत के आदमी थे और उनकी सारे दे ा मे बहुत बडी पहचान थी। मै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मै ई ावर से प्रार्थना करता हू कि उनको इस सदमे को बर्दा ात करने की भाक्ति दे।

श्री विनोद कुमार मडिया, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री थे। वे बहुत जोड तोड वाले व्यक्ति थे। वे सारा जीवन मेरी तरफ एम0एल0ए0 बनने के लिए कोि ा ा करते रहे। मै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मै ई ावर से प्रार्थना करता हू कि उनको इस सदमे को बर्दा ात करने की भाक्ति दे।

Mr. Speaker: Gautam Ji, kindly make the obituary references seriously.

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, श्री अमर सिह ढाडे, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन से यह सदन एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है मै अपने आप को सदन के नेता के साथ जोडते हुए दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मै ई ावर से प्रार्थना करता हू कि उनको इस सदमे को बर्दा ात करने की भाक्ति दे।

श्री सूरज जी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन से यह सदन एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है मै ई ावर से प्रार्थना करता हू कि दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं

श्री के0के0 बिरला जी, इस दे ा के बहुत बडे उधोगपति थे और वे सारी दुनिया मे जाने जाते थे। मै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और मै ई ावर से प्रार्थना करता हू कि उनको इस सदमे को बर्दा ात करने की भाक्ति दे।

हरियाणा के स्वंत्रता सेनानियों जिन सभी के नाम सदन के नेता अभी पढ चुके है, मै सभी श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू, जिन्होने दे ा की आजादी के सघर्श मे अपना बहूमुल्य योगदान दिया है। अध्यक्ष महोदय, यह

दे ा अगर कर्जदार है तो हमारे दे ा के जो स्वतंत्रता सेनानी है जिन्होने इस दे ा को आजाद कराया और कुर्बानियां दी, उनका कर्जदार है। भाहीदो आजन भगत सिंह, चन्द्र ोखर आजाद जैसे कितने ही स्वतत्रता सेनानी है जिन्होने अपनी जिन्दगी की आहूति दी और आहूति देकर दे ा को आजाद कराया और दे ा की आजादी के संघर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

दे ा के गद्दारे, अग्रजो के पिट्ठुओ और जिन्होने दे ा की आजादी मे अपना सहयोग नही दिया और जो आजादी की लडाई को कमजोर करने मे लगे हुए थे, चाहे ये मान हुए और बडे बडे खब्बी खान लोग थे, आजादी की लडाई मे उनका कोई योगदान नही था, यह दे ा उनका कर्जदार नही है, बल्कि यह दे ा उन स्वंतत्रता सेनानियों का कर्जदार है जिन्होने इस दे ा को आजाद करवाय। उन महान स्वतत्रां सेनानियों की वजह से ही आज हम खुली हवा मे सांस ले रहे है। यह दे ा उन लोगो का भी कर्जदार नही है जिन्होने जाति पाति का नारा लगा कर इस दे ा और हरियाणा प्रदे ा के लोगो को लूटा। अध्यक्ष महोदय, मै उन स्वतत्रता सेनानियों को भात् भात् नमन करता हू जिन्होने दे ा की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछवार कर दिया। उनके भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। माननीय हुड्डा साहब, ने इनकी पैं ान बढा कर उनको बडा भारी सम्मान दिया है जिसके लिए मे इनकी तारीफ करता हू। अध्यक्ष महोदय, सही मायने मे अगर कोई इज्जत

का हकदार है तो यही लोग है। हरियाणा के भाहीद वीर सैनिको को मै अश्रुपूर्ण नमन करता हू। जिन्होने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए और दे ा की एकता और अखण्डता के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनके नाम माननीय मुख्यमंत्री जी ने अभी सदन मे पढे है। और ये नाम रिपीट भी हो चुके है। अध्यक्ष महोदय, मै इन महान वीरो की भाहादत पर उनको भात् भात् नमन करता हू और इनके भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं अध्यक्ष महोदय, जनरल माणेक भाां इस दे ा के बहुत बडे जनरल हुए है और वे फील्ड मा ल थे। मै तो यहा तक भी कहूंगा कि वे सारी दुनिया के बहुत बडे जनरल थे। उनके निधन पर मै गहरा भाोक प्रकट करता हू। उनके भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं तथा परमपिता परमे ावर से प्रार्थना करता हू कि उनके परिवार के सदस्यो को यह बहुत बडा सदमा और चोट बर्दा त करने की क्षमता प्रदान करने की कृपा करे। अध्यक्ष महोदय, जयपूर, बैगलोर और अहमदाबाद के बम विस्फोटो मे जो भी भाई मारे गए है उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मै अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं । 13 मई, 2008 को राजस्थान के जयपुर, 25 जुलाई, 2008 को कर्नाटक के बेगलूर एवम 26 जुलाई, 2008 को गुजरात के अहमदाबद मे क्रमिक बम धमाको मे मारे गए निर्दोश लोगो को दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है यह एक भार्मनाक एवम घोर अपराध एवम मानवता पर हमला था। यह सदन

आतंकवादियो को इन जघन्य कृत्यों की कडी निंदा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है और इस मौके पर सरकार से यह गुजारि ा करूगां कि सरकार ऐसे प्रबन्ध करने की कृपा करे कि भविश्य मे कही हरियाणा मे इस प्रकार की कोई घटना न हो जाए। अध्यक्ष महोदय, 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदे ा के बिलासुपर जिले मे स्थित नैना देवी मंदिर की भगदड मे मरने वाल श्रद्वालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। यह सदन दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। स्पीकर साहब, वर्श 2008 मे पजांब और बिहार मे आई भंयकर बाढ मे मरने वाले लोगो के दुखद एवम असामयिक निधन पर मै पर गहरा भाोक प्रकट करता है। यह सदन दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की मामी श्रीमती दान कौर, हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के चारचार श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रका ा विधायक, श्री रण्धीर के पिता श्री हरके ा सहारण, श्रम मंत्री श्री ए0सी0 चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद भार्मा की मता श्रीमती राज रानी भार्मा, विधायक श्री नरे ा मलिक के चाचा श्री राम कुमार, विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह, विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड की पत्नी श्रीमती

कैला ावती तथा विधायक श्री तैजेन्द्र पाल सिह मान की बहर श्रीमती कौ ाल्या महाराज सिंह के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। इसके साथ साथ मै दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। अध्यक्ष महोदय, श्री राम बिलास भार्मा के पिता श्री जय राम भार्मा जी हमारे जिले के बहुत बडे नेता थे जिनके साथ मेरा बचपन से ही सम्पर्क रहा है। हमारे पिता जी उनके बहुत बडे स्पोर्टर रहे है। उनका पहले बडा बेटा और अब उनका जो यह पोता गुजरा है। मै इन सबके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। और दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। अध्यक्ष महोदय, मै दोबारा से प्रार्थना करता हू कि यह जो बहुत बडे झटके और बहुत बडी बडी घटनाए हुई इस सबको सहने की ताकत भगवान उनके परिवार के सदस्यों को दे।

श्री एस0एस0 सुरजेवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो यह भाोक प्रस्ताव पे ा किया है उसमे द ार्ाए गए सभी दिवंगतो के प्रति मै अपनी तरफ से भाोक प्रकट करता हू। वि ोशकर हमारे सभी जो माननीय सदस्य है जैसे विनोद भार्मा जी की माता श्री मती राज रानी भार्मा, अमीर चन्द मक्कड जी की पत्नी और किसी सदस्य की माता, ससुर, और दूसरे जो आदरणीय सदस्य है। उनके प्रति श्रद्धाजति प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै वि ोश तौर पर कामरेड हरकि ान सिंह

सुरजीत जिनका नाम इस दे ा के बहुत बडे सियातदारो मे आता है उनके साथ बहुत लम्बा समय बिताया है। मै 1955–57 मे जालन्धार मे लां कालेज मे पढता था और हरकि ान सिंह सुरजीत पंजाब के तकसीम होने से पहले जो कम्युनिस्ट पार्टी होती थी उसके जनरल सैक्रेटरी होते थे और दोबारा से जब पजांब मे कम्यूनिस्ट पार्टी के चुनाव हुए थे उस समय भी वे जनरल सैक्रेटरी चुने गए थे। अध्यक्ष महोदय, उस समय मै भी कम्युनिस्ट पार्टी मे डैलीगेट था।

उस दिन से लेकर और उनकी मृत्यु तक बहुत मुझे उनसे मुलाकत करने का, पराम र्ा करने का मौका मिला 1959 मे जब पजांब और हिमाचल एक ही समूचा प्रान्त था, उस वक्त पजांब की सरकार ने किसानो की जमीनो पर, जिन पर भाखडा का पानी लगता था, यह कहकर कि इससे किसानो की हैसियत अच्छी हो गई है, भाखडा टैक्स के नाम से 125 रूपये प्रति एकड के हिसाब से एक टैक्स लगाया था लेकिन उसके बाद हरकि ान सिंह सुरजीत ने जो उस वक्त तमाम हिन्दुस्तान के किसानो के जनरल सैक्रेटरी थे, उनके नेतृत्व मे हरियाणा पजांब के एक लाख के करीब किसानो ने गिरफतारियो दी थी। मै भी उस मूवमैंट मे दो महीने तक जेल मे रहा थ। इसके बाद ही सरदार प्रताप सिंह कैरो ने एक कमेटी बनायी थी और किसानो को उनको छोडना पडा था। अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट की तरफ से जो उनको मकान मिला था मै वहां पर उनसे मिलने उनके पास जाता था उनका इस

दे ा की राजनीति मे बडा भारी योगदान रहा था। वि ोश रूप से उनको किसानो और गरीब लोगो की बहुत बडी आवाज के तौर पर जाना जाता था। राजनीति मे एक पंयायती नेता के तौर पर उनका नाम भुमार होता था। उन्होने कई कोएले ान सरकारो का गठन करवाने मे बहुत अग्रमी रोल अदा किया था। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा श्री के0के0 बिडला जी जो दे ा के बहुत बडे पूंजीपतियों मे भाामिल थे उनसे मेरा व्यक्तिगत तौर से सबंध रहा था। जब मै पार्लियामैंट का मैम्बर था तो उस वक्त मै और के0के0 बिडला जी दोनो एक ही सीट पर बैठते थे। मैने उनको बहुत नजदीक से देखा था। वे मुझे बहुत दफा अपने घर भी ले जाते थे। वे निहायत भारीफ बहुत ही हम्बल तथा सादा जीवन गुजारने वाले बहुत बडे इंड्रस्टियलिस्ट थे। वे एक बेहतरीन इंसान के तौर पर जाने जाते थे। पिछले दिनो उन्होने अपना सारा कारोबार अपने परिवार के लोगो को दे दिया था। उनके कोई लडका नही था। उनकी लडकी जो हिन्दुस्तान टाईम्स को देखती है, वह उनकी सम्पति की मालिक है। बिडला जी से मेरा व्यक्तिगत तौर से भी संबध रहा है। जब इसूज इंजन वाली फ्लोर मेयर की अम्बेसडर गाडी का नया माडल आया था तो उस गाडी को लेने मे उस वक्त 6 महीने से लेकर एक साल तक लग जाता था, लेकिन उन्होने मुझसे पूछा कि क्या आपको यह गाडी चाहिए। मैने कहा कि खरीदना चाहता तो हू लेकिन मुझे मिल नही रही है। उसके बाद उन्होने मुझे चिट्ठी लिखी कि मुझे यह गाडी अलाट हुइ है इसलिए मै पैसे देकर वह गाडी उनसे ले सकता हू। इस तरफ से मेरा

उनसे बहुत नजदीक का संबध रहा था। मै उनको भी और जिनके इस भाोक प्रस्ताव मे नाम मै ान है, उन सभी को अपनी तरफ से श्रद्धाजति पे ा करता हू।

श्री फूलचन्द मुलाना (एस0सी0 मुलाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के पिछले सत्र और इस सत्र के बीच मे बहुत सी हस्तियां हमसे जुदा हो गई है। प्रकृति का नियम है कि सबको इस संसार से जाना ही है। अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा की सबसे बडी पंचायत है। सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है, मै उसका अपनी और से हरियाणा प्रदे ा कांग्रेस पार्टी की और से समर्थन करता हू। श्री परामानन्द, भूतपूर्व राज्यपाल जो 24 अप्रेल 2008 को इस संसार को छोडकर चले गए। उनकी सेवाओ को इस दे ा का दलित हमे ाा याद रखेगा। वे गरीब प्रवर थे। कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत भी गरीाबो के हमदर्द थे। वे हमारी पार्टी के भी कई बार हमदर्द रहे। यू0पी0ए0 के गठन मे भी उनका बहुत योगदान रहा, किन्तु जैसा मैने कहा कि यह प्रकृति का नियम है कि जो आया है सो जाएगा, वे भी हमे छोडकर चले गए। श्री के0के0 बिरला बहुत बडे उधोगपति थे लेकिन बडे उधोगपति होने के साथ साथ उनके दिल मे इंसानियत के प्रति एक दर्द था। वे भी हमसे जुदा हो गए। श्री विनोद कुमार मडिया, भूतपूर्व मत्री और श्री अमर सिंह ढांडे भी विधान सभा के सदस्य रहे। मेरे साथ भी ढांडे साहब विधायक रहे। सूरजमल जी भी इस सदन के विधायक रहे। उनके

निधन पर भी गहरा दुख है। हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी और हरियाणा के भाहीद जिनकी चर्चा सदन के नेता के की व फील्ड मा र्ल मानेक ाा जो इस दे ा के एक महान जनरल हुए है। इन सबको हम श्रद्धापूर्वक नमन करते है। स्वतत्रता सेनानी हमसे धीरे धीरे जुदा हो रहे है। यह उनकी ही कुर्बानी का फल है कि हम आजादी की फसल को काट रहे है। अध्यक्ष महोदय, जयपुर, बैगलोर और अहमदाबाद मे असामाजिक तत्वों द्वारा बम विस्फाट किए गए और मानवता की हत्या हुई। जहां हम इसकी निंदा करते है इसके साथ ही उन दिवंगत साथियो को श्रद्धा सुमन भी अर्पित करते है जो दे ा के लिए कुर्बान हुए। नैना देवी मंदिर दुर्घटना मे बहुत सारे निहत्थे लोग मारे गए। मै यह चर्चा जरूर करना चाहूंगा कि यह बात नोटिस मे आई है कि कुछ कोताही हुई है, समुचित प्रबंध नही हुए। समुचित प्रबंध किए जाने चाहिए थे ताकि निहत्थे लोग ऐसी दुर्घटनाओ से बचे। बिहार से भारी बाढ और पजांब मे भारी बाढ आई और उसमे बहुत सारे लोगो को असामाजिक निधन हो गया। हम उनके प्रति भी भाोक व्यक्ति करते है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे बाढ आई, खासतौर पर भिवानी मे और रोहतक मे बाढ आई, परन्तु उसके लिए मै मुख्यमंत्री जी और अपनी सरकार की सराहना करता हू कि उचित समय पर समुचित प्रबध करके बाढ पर काबू पा लिया गया। जो व्यक्ति बाढ मे भाहीद हुए है उनके प्रति मै श्रद्धा सुमन अर्पित करता हू। इसके साथ ही मै मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की मामी श्रीमती दान कौर, हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के

चारचार श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रका ा विधायक, श्री रण्धीर के पिता श्री हरके ा सहारण, श्रम मंत्री श्री ए0सी0 चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद भार्मा की मता श्रीमती राज रानी भार्मा, विधायक श्री नरे ा मलिक के चाचा श्री राम कुमार, विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह, विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड की पत्नी श्रीमती कैला ावती तथा विधायक श्री तैजेन्द्र पाल सिह मान की बहर श्रीमती कौ ाल्या महाराज सिंह के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। इसके साथ साथ मै दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता है। श्री निर्मल सिंह जी के ससुर श्री राम गोपाल सिंह जी बहुत अच्छे हांकी के खिलाडी थे। हमने उनको खेलते हुए देखा है। श्रीमती को ाल्या देवी श्री महाराज सिंह जी की पत्नी थी। और श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान जी की बहन थी। हमारे उनके साथ घरेलू संबध थे और उनके घर आना जाना था उनका बहुत अच्छा स्वाभाव था। उनके पुत्र चौ0 नवाब सिंह हाई कोर्ट मे जज है। लेकिन मौत का हथौडा कब किस पर आन पडे यह कोई नही जानता। हमे उनकी मौत से बहुत दुख है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे आज आरगेनाईज्ड क्राईम नही है। जहां कही पर क्राईम होता है उस पर काबू पा लिया जाता है। आज व्यापारियों के निधन की चर्चा हुई और उनके फिरौती मांगने की बात कही गई। यह तो जन जाहिर है कि कौन फिरौती मांगता था। आज जहां पर भी क्राईम होते है उनको रोक लिया जाता है। आप सभी जानते है कि ब्राहम्ण और बनिया

के वोट काटने का काम किया गया। यह कहा गया कि पजांबी कहां से आये इनको बाहर निकालो। आज के दिन ऐसी चर्चा नही आनी चाहिए। आदरणीय अध्यक्ष जी, मै भाोक संतप्त परिवारो को अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से संदभावना प्रकट करता हू।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है और दिवंगत आत्माओ के प्रति विभिन्न पार्टियो के नेताओ ने जो विचार प्रकट किए है, मै भी अपने आप को उनकी भावनाओ के साथ जोडता हू। पिछले सै ान और इस सै ान के बीच मे हमे बहुत सी महान विभूतियां छोडकर चली गई है। सबसे पहले मै हरियाणा के भूतपूर्व राज्यपाल बाबू परमानन्द के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उन्होने हमारे प्रदे ा की सेवा राज्यपाल के पद पर रहते हुए की। उनका समाज के गरीबो एवम समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान के लिए कार्य किया। वह जम्मू क मीर विधान सभा के अध्यक्ष पद पर भी रहे। उनके निधन से दे ा एक कु ाल प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। भूतपूर्व संसद सदस्य कामरेड हरकि ान सिंह सुरजीत के हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। वह छोटी ही आयु मे दे ा की सेवा मे लग गये थे और दे ा की आजादी के सघर्श मे अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। दे ा की आजादी के लिए उनहोने जेल भी काटी। कम्यूनिस्ट पार्टी के उत्थान कमे उन्होने अपना काफी

योगदान दिया और वह अपनी पार्टी मे सक्रिय नेता थे। वह पजांब विधान सभा के लिए चुने गए। उनके निधन से दे ा एक सुप्रसिंद्ध मार्क्सवादी, एक सच्चे दे ा भगत अनुभवी सांसद एवम प्रमुख नेता खो दिया है।

हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार मडिया के हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। वह विधान सभा के सदस्य रहै और प्रदे ा के राज्य मंत्री रहे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम प्रमुख नेता खो दिया है।

मुझे इस विधान सभा के के भूतपूर्व सदस्य श्री अमर सिंह ढांडे तथा श्री सूरजमल के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। दोनो ही विधायक अपने क्षेत्र मे सेवा के लिए हमे ाा तत्पर रहते थे। मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक को खो दिया है।

मुख्यमंत्री महोदय ने जिन सभी स्वतन्त्रता सेनानियों तथा भाहीदो के नाम अपने भाोक प्रस्ताल मे लिये है, इस सभी महान विभूतियो के निधन पर मुझे भी गहरा भाोक है। कोई भी दे ा और समाज ऐसे महान विभूतियो के बलिदान को भुला नही सकता और दे ा तथा समाज को कायम रखने मे भी महान विभूतियों का योगदान अमूल्य है। हर व्यक्ति को ऐसे महान व्यक्तियो से प्रेरणा लेनी चाहिए इन सभी दे ा भक्तो के आगे हम

सभी नत मस्तक है। स्वतंत्रता सेनानी तथा भाहीद व्यक्ति किसी भी दे ा तथा समाज के लिए एक अमूल्य पूंजी होते है इनके खोने से हर दे ा भक्त के दुख होता है। राजस्थान के जयपुर, बेगलूर, अहमदाबद मे क्रमिक बम धमाको मे मारे गए निर्दोश लोगो को दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है इन घटनाओ मे सलिप्त आतकवादियों की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है।

नैना देवी मदिर की भगदड मे मरने वाल श्रद्वालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

प्राकृतिक अपदाओ के कारण पजांब और बिहार मे आई भारी बाढ से मरने वाले लोगो की संख्या 26 लाख से ऊपर थी और उनका सामान्य जीवन अस्त व्यस्त हो गया है

मै मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की मामी श्रीमती दान कौर, हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के चारचार श्री धन सिंह, सांसद श्री जय प्रका ा विधायक, श्री रण्धीर के पिता श्री हरके ा सहारण, श्रम मंत्री श्री ए0सी0 चौधरी की भाभी श्रीमती लता, विधायक श्री विनोद भार्मा की मता श्रीमती राज रानी भार्मा, विधायक श्री नरे ा मलिक के चाचा श्री राम कुमार, विधायक श्री निर्मल सिंह के ससुर श्री राम गोपाल सिंह, विधायक श्री अमीर चन्द मक्कड की पत्नी श्रीमती कैला ावती तथा विधायक श्री तैजेन्द्र पाल सिह मान की बहर श्रीमती कौ ाल्या महाराज सिंह, पूर्व मंत्री चौधरी लहरी सिंह के सुपुत्र श्री सुखबीर सिंह

मलिक, पूर्व मंत्री रामबिलास भार्मा के पिता श्री जय राम भार्मा और भूतपूर्व मंत्री श्री मनीराम गोदारा के पोत्र श्री सुनील गोदारा निधन पर भी यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है तथा भाोक संतप्त परिवारो के प्रति हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

मै परमपिता परमात्मा से इन सभी दिवंगत आत्माओ को भाांति प्रदान करने के लिये प्रार्थना करता हू और इन भाोक संतप्त परिवारो तक इस सदन की संवदेना पहुंचा दी जायेगी। अब दिवंगत आत्माओ के सम्मान मे उन्हे श्रद्धाजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यों को खडा हाने के लिए अनुरोध करता हू।

(इस समय सदन द्वारा दिवंगत आत्माओ के सम्मान के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया।)

मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया संक्षिप्य वक्तव्य

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, मुझे आपको और हाउस को जानकारी देते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। हरियाणा का किसान जिसने पूसा 1121 बोई उसको एक्सपोर्ट बन्द कर दिया गया था। इस बारे मे कल ही मेरी प्रधानमंत्री जी से, कृशि मंत्री जी से, कांग्रेस अध्यक्षता श्रीमती सोनिया गांधी जी से और कामर्स मिनिस्टर जी से बात हुई है आप सबको यह जानकार प्रसन्नता होगी कि वह एक्सपोर्ट अब खोल दिया गया है।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो बात कही है मै उसके सदर्भ मे कुछ पूछना चाहता हू।.....
..

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, मुख्यमत्री जी ने एक अमाउसमैट की है, आप अपनी बात जीरो आवर मे रख लेना। इन्दौरा जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः इन्दौरा जी, क्या आपको यह बात सुनकर खु ी नही हुई ? आपको तो इस बात की प्र ंसा करनी चाहिए और इस बात के लिए सरकार का धन्यवाद करना चाहिए। (ोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आप जीरो आवर मे बोल लेना, आपको इस पर बोलने के लिए समय दिया जाएगा।

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सहि सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी से, कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गाधंी जी से और कामर्स मिनिस्टर से बात की और यह सुनि चत करवाया कि पूसा 1121 का एक्सपोर्ट खोल दिया जाएगा, इससे हरियाणा के किसानो की हजारो करोडो रूपये का लाभ होगा।

15.00 बजे

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने सदन मे जो स्टेटमैट दी है उसकी क्लैरीफिके ान होनी चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान) कब से किसानों की धान की फसल बेकार पडी है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री आनदं सिंह दागीः अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री जी की स्टेटमैट पर कौन सी क्लैरीफिके ान चाहते है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, हर चीज की क्लैरिफिके ान होनी चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, प्लीज आप बैठे। आपकी कोई बात रिकार्ड नही की जाएगी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ यह है कि सैंटर की सरकार और हरियाणा की सरकार किसानो और मजदूरो की भलाई के लिए एक के बाद एक कार्य कर रही है जो कि इनके पेट मे पच नही रही। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, प्लीज आप बैठे। आपकी कोई बात रिकार्ड नही की जा रही। (ाोर एवम व्यवधान) क्या आप

एक्सपोर्ट के खुलने से खु ा नही है ? अभी प्र ानकाल चल रहा है उसके बाद आपको अलाऊ किया जायेगा, आप अपनी बात कर लेना। आप जीरो आवर मे अपनी बात कह लेना। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, प्लीज आप बैठे। आपकी कोई बात रिकार्ड नही की जा रही। (ाोर एवम व्यवधान) आप सीनियर पार्लियामैटेरियन है, आप जिस प्रकार की भाशा का प्रयोग सदन मे कर रहे है, वह ठीक नही है। .....(ाोर एवम व्यवधान)

ताराकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब संसार जवाब होगे।

Pitable Condition of Ateli Bus Stand

1000. Sh. Naresh Yadav: Will the Transport Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the Bus Stand of Ateli Mandi is in a pitiable condition and passengers are not getting the proper facilities; if so, the reasons thereof; and

(b) the reasons for which the plying of Haryana Roadways buses have been stopped on the routes from Ateli to Mahendergarh via Dogaru and from Ateli to Bahror togethwith

the time by which the plying of Haryana Roadaways buses are likely to be started on the said rotues ?

परिवहन मत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री नरे ा यादव जी ने अटेली मण्डी के बस स्टैण्ड के बारे मे प्र ान पूछा है कि अटेली मण्डी के बस स्टैण्ड की दयनीय हालत है और यात्रियो के लिए वहां उचित सुविधाए उपलब्ध नही है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अटेली बस स्टैण्ड की स्थिति बेहतर है, ठीक है और यात्रियो को सभी सुविधाएं उपलब्ध है। वहां पर महिलाओ और पुरूशो के लिए भाौचालयो का प्रबंध है और यात्रियो के लिए पीने के पानी तथा बैठने के लिए भी उचित प्रबंध है। इस प्रकार से वहां पर किसी भी प्रकार से व्यवस्था मे कमी नही है। माननीय सदस्य ने प्र ान के ''ख'' भाग से पूछा है कि अटेली के महेन्द्रगढ वाया दौगडा तथा अटेली से बहरोड मार्गो पर हरियाणा रोडवेज की बसों के चलाने को बंद करने के क्या कारण है तथा उक्त मार्गो पर हरियाणा रोडवेज की बसें चलाना कब तब आरम्भ किए जाने की संभावना है। इस बारे मे मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि अटेली से महेन्द्रगढ वाया दौगडा बसे चल रही है। इस रूट पर सरकार की पालिसी के मुताबिक प्राईवेट सैक्टर की बसे चल रही है। जो कि सोसायटीज की बसे है। इसलिए इस रूट पर हरियाणा रोडवेज की बसे नही चलाई जा सकती। फिर भी जरूरत के मुताबिक क्योंकि छात्रो को प्राईवेट बसे नही बिठाती है इस बात को ध्यान मे रखते हुए इस रूट पर रोडवेज की बस चलाने का प्रबध किया

जायेगा ताकि छात्रो को किसी प्रकार की दिक्कत न आये। जहां तक अटेली से बररोड रूट पर हरियाणा रोडवेज की बसे चलाने की बात है इस बारे मै मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि स्टेट पोलिसी के अनुसार इस रूट पर राजस्थान सरकार ने 12 परमिट प्राईवैअ सैक्टर की बसो को दे रखे है और 24 ट्रीप डेली चल रहे है। इस रूट पर यात्रियो को किसी प्रकार की आने जाने की दिक्कत नही है।

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब मे बताया कि अटेली बस स्टैण्ड पर सभी सुविधाएं उपलब्ध है। अध्यक्ष महोदय, अभी तीन दिन मे वहां मंत्री जी ने सुविधाए उपलब्ध करवा दी होतो पता नही क्योकि तीन दिन पहले मै वहा गया था उस समय अटेली बस स्टैण्ड की बहुत बुरी हालत थी। वहां पर कोई बस स्टैण्ड के अंदर नही जाती। मै मंत्री जी प्रार्थना करूंगा कि वहां पर चाहे दिल्ली की तरफ सबसे जाये या राजस्थान की तरफ बसे जाये वे सभी अटेली बस स्टैण्ड के अंदर होकर जाये। अब तो सारी बसे स्टैण्ड की बाहर से चली जाती है। जहां तक मंत्री जी ने बताया कि प्राईवेट बसे चल रही है। मै मंत्री जी की जानकारी मे लाना चाहूंगा कि उन बसो को 10—15 साल पहले दूसरी सरकारों ने परमिट दिए थे। अब उन बसों की हालात टूटी फूटी है। अटेली मंडी मे एक सरकी कालेज के अलावा भी कई प्राइवेट कालेज खुल गये है जिससे स्टूडैट्स की ंसख्या बहुत हो जाने के कारण उनको आने जाने मे काफी

परे ाानी होती है। इसलिए अटेली बहरोड रोड पर अटेली से महेन्द्रगढ रोड पर और नारनौल से जो रेवाडी रोड है उस रूट पर नई बसे लगाई जाये। अभी सरकार द्वारा बस ड्राईवरों और कंडक्टरों की भर्ती भी कर ली गई है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि 4–5 बसे यहां लगाई जाये। पिछले सै ान मे भी मैने इस बारे मे एक क्वै चन डाला था कि नांगल चौधरी अटेली हल्के का एक हिस्सा है जहां पर अभी तक भी बस स्टैण्ड नही बना है इसको कब तक बनवाया जा रहा है। माननीय मंत्री इस बारे मे भी बताने की कृपा करे ?

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, माननीय साथी ने जो तीन दिन पहले की बात कही है ऐसी तो बात नही है। माननीय सदस्य तीन साढे तीन साल से विधायक है। ये हमे ाा वहां जाते होगे। इन्होने बसों से सम्बन्धित जब भी कोइ समस्या मेरे ध्यान मे लाई मैने उसको तुरन्त दूर करने का प्रयास किया है। जहां तक बसों के अन्दर जाने की बात है, तो ऐसा हो सकता है कि जो लम्बे रूट की बसे है वे पीछे से ओवरलोडिड होने के कारण बाहर से ही चली जाती हों लेकिन जो लोकल बसे है। वे सारी की सारी लोकल बस स्टैण्ड मे ही खडी होती है और वही से सवारियां लेकर चलती है। फिर भी अगर माननीय सदस्य की कोई स्पै ाल प्रोब्लम है, वे उसे हमारे ध्यान मे ला दे, हम उसको दूर करने का हर सम्भव प्रयास करेगे। स्पीकर साहब, पहले तो हमारे पास बस ड्राईवरों और कडक्टरो की कमी होने के कारण हम सभी

रूटस पर पूरी बसे नही चला पा रहे थे लेकिन अब हमारी सारी बसे चल रही है। फिर भी हम समझते है कि प्रदे ा की जनता की जरूरत के मुताबिक बसे कम है। इसी बात को ध्यान मे रखते हुए हमारी सरकार ने हरियाणा राज्य परिवहन के बेडे मे 800 और नई बसे भाामिल करने का निर्णय लिया है और जिस रूट के लिए भी माननीय साथी बस चलाने की मांग करेगे हम वहां पर नई बस चलायेगे। मै इस बात का इन्हे वि वास दिलाता हू।

श्रीमती अनीता यादवः माननीय स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने परिवहन विभाग ड्राईवरों और कंडक्टरो की बडे पैमाने पर भर्ती की है जिसका पूरे प्रदे ा की जनता को काफी फायदा हुआ है और लगभग हरेक रूट पर बसे चली है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मत्री महोदय जी के ध्यान मे लाना चाहूंगी कि हमारे यहां नाहड मे एक सरकारी कालेज है, जिसमे को–ऐजुके ान है। नाहड और रेवाडी के बीच मे जो बस चलती है वह विसौवा, बहूआ अैर बहू होकर चलती है। मै आपके माध्यम से माननीय परिवहन मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहती हू कि एक बस ऐसी चलाई जाये तो रेवाडी से वाया नाहड कोहाड भंडगी और घडी होते हुए बहू जाये। इससे स्टूडैटस वि ोशकर लडकियां को काफी फायदा होगा जिन्हे अभी जीपो मे लटककर जाना पडता है। जैसा कि सभी जानते है कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी छात्राओ और महिलाओ का बहुत ध्यान रखते है और सभी बालिकाओ के नाम पर तो कभी रक्षा बंधन के

नाम पर हमारी बहनो को वि ोश तोहफे माननीय मुख्यमंत्री जी की तरफ से समय समय पर मिलते ही रहते है। मेरे द्वारा बताये गये मार्ग पर वाछित बस सर्विस अगर सरकार की तरफ से प्रदान कर भी जाये तो इससे सभी छात्राओ को बहुत फायदा हो जायेगा और उन्हे अपनी जान जोखिम मे डाल कर प्राईवेट वाहनो मे यात्रा नही करनी पडेगी।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हमारी कोि ा ा यही रहती है कि बच्चो वि ोशकर छात्राओ की पढाई के लिए जितना ज्यादा सम्भव हो उतनी ज्यादा से ज्यादा सुविधाये दी जाये। अध्यक्ष महोदय, वि ोशकर लडकियो की ि ाक्षा का जहा तक ताल्लुक है इस सरकार ने उनको सुविधाये देने मे कोई कमी नही रखी ह। जहां जहा लडकियो गांवो मे भाहरो मे स्कूलो और कालेजो मे जाती है यहा कही भी किसी भी कालेज या स्कूल मे पढने के लिए जाती है वहां पर जब भी हमारे समाने कोई मांग आई और जब भी इस प्रकार की कोई समस्या हमारे सामने उठाई गई, हमने वहां पर स्पै ाल बस चलाकर उस समस्या का समाधान किया।

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, जिस प्रकार से माननीय सदस्य जी ने भी और माननीय विधायक श्री यादव जी ने भी एक प्र ान लडकियो की सुविधाओ के सम्बन्ध मे उठाया था, मै भी आपकी अनुमति से उसी सम्बन्ध मे सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जो हमारी बहने है

जो हमारी बेटिया है उनकी ि ाक्षा के लिए किस प्रकार से माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व मे हरियाणा सरकार ने ज्यादा से ज्यादा सुविधाये देने की पहल की है। पहली बार जो बस पास लडकियो के लिए बनाये जाते थे उनके लिए पहले जो रा ि ा छात्राओ से ली जाती थी उसमे कम से कम 50 प्रति ात कटौती की है। सरकार की इस योजना से लगभग तीन लाख लडकिया लाभान्वित हुई है। सरकार की इस महत्व पूर्ण योजना का उद्दे ाय यही था कि लडकिया ज्यादा से ज्यादा और अच्छी ि ाक्षा प्राप्त कर सके। मै यह भी याद कराना चाहूगा कि सरकार ने जितने ड्राईवर्स और कंडक्टर्स लगाये है वे काफी लगाये है। मै परिवहन मंत्री और माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूगां कि भाायदन इतने ही ड्राईवर्स और कंडक्टर्स और लगाने पड सकते है क्योंकि हमने अभी बहुत सी बसे और खरीदी हैं। कई प्रकार की बसिज खरीदी है, इसलिए मै उम्मीद करता हू कि हमे और भर्ती करनी पडेगी।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से पूछना चाहती हू कि बावल मे 15–20 पहले से एक बस स्टैड बना हुआ था वह बिल्कुल है इसलिए लोगो को आने जाने मे बहुत परे ाानी होती है।

श्री अध्यक्ष: आपका सवाल क्या है ?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि यह बस स्टैड कब तक बन जायेगा ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जो बस स्टैड हमारे पहले से बने हुए है और जो आबादी के या भाहर के बीच मे आ गये है या जो खरता हालत है वहां पर नये बस स्टैड बनाने के लिए हमारी एक प्रोपोजल चली हुई है। बहुत सी जगह हमने जमीन एक्वायर कर ली है और जो पंचायते हमे बस स्टैड के लिए जमीन देने के लिए तैयार है वही पर बस स्टैड बनाने का प्रावधन हम कर रहे है।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, वही पर तो सारी जमीन एक्वायर हो चुकी है और वहां पर कोई भी पंचायत ऐसी नही पडती जिसकी नै ानल हाईवे पर जमीन खाली पडी हो। इसलिए जमीन एक्वायर करने का काम भी सरकार को ही करना पडेगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः ठीक है, बहन जी हम बना देगे।

श्री विनोद कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि अम्बाला भाहर मे जो पुराना बस स्टैड था उसको बन्द करके नया बस स्टैड बनाने का प्रावधान था और उसके लिए पिछले अढाई तीन साल से चर्चा चल रही है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि यह बस स्टैण्ड किन कारणो से नही बन पा रहा है ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, श्री विनोद भार्मा जी ने अम्बाला भाहर के बस स्टैड की चर्चा की है। यह ठीक है कि वह बस स्टैड डिमोलि ा कर दिया गया है लेकिन यह भी ठीक है कि वहीं पर नया बस स्टैड अण्डर प्रोसैस है। जगह के लिए कई साईट भी देखी है लेकिन किन्ही कारणो से अभी फाइनल नही हो पा रहा है। मै भार्मा जी से गुजारि ा करूंगा, वे हमारे सीनियर साथी है, बडे तजुर्बेकार है कि अपनी कास्टीच्यून्सी मे कही पर जमीन का फैसला करवा दे। हमारे पास फंड की कोई कमी नही है और हम वह हम बस स्टैउ बनावा देगे।

श्री विनोद कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि अम्बाला भाहर मे जो पुराना बस स्टैड था उसको बन्द करके नया बस स्टैड बनाने का प्रावधान था और उसके लिए पिछले अढाई तीन साल से चर्चा चल रही है मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि यह बस स्टैण्ड किन कारणो से नही बन पा रहा है ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, श्री विनोद भार्मा जी ने अम्बाला भाहर के बस स्टैड की चर्चा की है। यह ठीक है कि वह बस स्टैड डिमोलि ा कर दिया गया है लेकिन यह भी ठीक है कि वहां पर नया बस स्टैंड अण्डर प्रोसैस है। जगह के लिए कई साईट भी देखी है लेकिन किन्ही कारणो से अभी फाइनल नही हो परा रहा है। मै भार्मा जी से गुजारि ा करूंगा, वे हमारे सीनियर साथी है, बडे तजुर्बेकार है कि अपनी कांस्टीच्यून्सी

मे कही पर जमीन का फैसला करना दे। हमारे पास फंड की कोई कमी नही है और हम यह बस स्टैड बनवा देगे।

श्री विनोद कुमार भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह एक्वायर करने का काम उनका ही है और उनको ही करना चाहिए। जो पुराना बस स्टैंड डिमोलि ा किया है वहीं पर बसे खडी होने की जगह नही है मेरा प्र ान यह है कि नया बस स्टैंड कब तक बन जायेगा ?

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, इनकी मांग वाजिब है कि पुराना बस स्टैड डिमोलि ा हो चुका है एक एक दो जमीन सलैक्ट की गई थी कि किन कारण से वह प्रपोजल सिरे नही चढ पाई। माननीय साथी सरहार की जमीन सलैक्ट करके दे दे तो हम बस स्टैड बनवा देगे।

श्री अध्यक्ष: इन्होने कहा है कि जमीन एक्वायर करना सरकार का ही काम है।

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, यह मामला अण्डर प्रोसैस है जैसे ही हमे जमीन मिल जायेगी हम वहां पर बस स्टैड बना देगे।

श्री विनोद कुमार भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हू कि इसको टालने की कोि ा ा न करे। अगर इसके कोई और कारण है तो वे इनको पता होने चाहिए और यदि इनको वे कारण पता

नही है तो इनको पता करया लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरा सिम्पल सा सवाल है कि जमीन सरकार ने लेनी है उसमे एल0एल0ए0 का क्या रोल है। एम0एल0ए0 जमीन कहां से देगा, जमीन का प्रबन्ध तो सरकार को ही करना है। माननीय मंत्री महोदय जमीन का प्रबन्ध करके बताने की कृपा करे कि वे इस बस स्टैड को कब तक बना सकते है ? अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि पहले जो जमीन ली गई थी किन कारणो से हम उन जमीन का इस्तेमाल नही कर पा रहे है क्या माननीय मंत्री महोदय उन कारणो को भी बताने की कृपा करेगे ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि यदि वे इसके कारणो का जवाब चाहते है तो इसके लिए वे सैपरेट नोटिस देने की कृपा करे, कारण इनको बात दिये जाएंगे।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, जहां तक अम्बाला सिटी के बस स्टैंड का सवाल है हमारे मंत्री जी ने उसका जवाब दिया है। जहां पहले बस स्टैड बनाने की प्रपोजल थी मंत्री जी उस जगह को दिखवा ले। स्पीकर साहब, उस जगह को दिखवा कर वहां पर जल्दी ही बस स्टैड बनाने का प्रयास करेगे।

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, नाननौल से वाया निजामपुर नांगल चौधरी प्राईवेट जीपे ऊपर से नीचे तक भरी

हुई चलती है और परिवहन महमके की तरफ से सुबह छ बजे एक बस चलाई जाती है और वही बस भााम को छ बजे वापिस आती है। यह टाईम ठीक नही है। इस टाईम के बीच मै और कोई भी सरकारी बस नही चलाई जाती। इस बारे मे कल ही मुझे चिट्ठी भेज कर जी0एम0 ने बताया है। हमारे गांव मूसलौध तक बस चलती थी जो कि बन्द कर दी गई। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय ये यह जानना चाहूंगा कि नांगल चौधरी मूसलौधा तक सरकारी बस कब तक चलाएंगे ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै पहले भी बाता चुका हू कि जब जब भी किसी माननीय एम0एल0ए0 ने हमे बताया है और वि ोशकर भार्मा जी इस बारे मे जब भी मुझे बताया है उसी समय हमने उनके सामने ही बस चलावाने के आर्डर करवाए है कि इनके बस चलाव दी जाए। अध्यक्ष महोदय, आप जनते है कि सभी की सारी इच्छाएं तो पूरी करवा पाना बहुत मु कल है। एक एक घण्टे के अन्दर हर रूट पर बस चलाई जाए इतनी बस चलाना बहुत मु कल है। (विघ्न)

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां सिवानी मण्डी और बवानी खेडा के बस स्टैड बहुत दिन पहले बने थे और अब ये जार्जर हालत मे है। इनके बारे मे मै कई बार इसने मिल चुका हू। मै माननीय मंत्री महोदय, से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे इन बस स्टैडज को ठीक करवा कर चालू करवाने का कश्ट करेगे ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जितने बस स्टैड खस्ता हालत मे है हमने उनका सारा डाटा कलैक्ट कर लिया है कि कहां कहां पर क्या कमिया ह। इन बस स्टैउ के ऐन्सिटमेट्स तैयार करवाए गए है और हम उनको बजट भी एलांट कर रहे है। जल्दी ही बन बस स्टैडस को चालू कर दिया जाएगा।

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महादेय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हू कि भिवानी कांस्टीच्यूएंसी मे कुछ गांव ऐसे है जहा निजी संचालको को बसो के रूट्स दिन हुए है लेकिन वे लोग ठीक प्रकार से बसो को नही चला पा रहे है। पिछले दिनो जब माननीय मंत्री जी भिवानी आए थे तो ग्रामीणों की तरफ से उनको एक पत्र भी दिया गया था। क्या सरकार वहां पर सरकारी बसे चलवाने के बारे मे विचार करेगी ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह पोसिबल नही है कि एम0एल0ए0 या पब्लिक हमे कहे कि यहां पर इतनी बसे चलाव दी जाऐ तो उतनी बसे चलाव दी जाए। जितने भी हमारे रूटस है उनको हमने एग्जामिन किया हुआ है और उन रूटस पर जरूरत के मुताबिक हम अपनी तरफ से बसे चलावाने का प्रयास करते है। स्पीकर साहब, जहां तक प्राइवेट और सोसाईटीज की बसिज का सवाल है, उसमे वाकई की कुछ प्राबल्म आई हुई है। सोसाईटीज डिफाल्टर भी हुई है क्योंकि वहा पर बसे चलाना वायबल नही हो पा रहा है और वे बसे चल नही पा रही है। वहां

पर बसे चलवाने का हमने प्रयास यिका है उनकी बसो को बाउंड किया है और वायले ान होने पर उनकी बसो को बन्द करने से सरकार के लिए बहुत मु कल पैदा हो जाती है। स्पीकर सर, हम कुछ ऐसी पांलिसी बना रहे है कि वे रूट्स वांयबल हो जाए और वहां पर वे लोग अपनी बसे चला सके। हम जल्दी ही उनका ऐसा कुछ इलाज करने जा रहे है।

श्री सुखबीर सिंह जीनापुरियाः अध्यक्ष महोदय, तावडू हल्के मे पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी के वक्त 1994 का पत्थर लगा हुआ है लेकिन वहां पर बस स्टैड नाम की कोई चीज नही है। मै माननीय मंत्री महोदय, से यह जानना चाहता हू कि वहां पर इतने पुराने समय से पत्थर लगा हुआ है क्या वहां पर बस स्टैड बनवाने की कृपा करेगे ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मुझे यह समझ मे नही आया है कि वह पत्थर वहां पर क्यों लग रह गया है उस को तोड देना चाहिए था उस पत्थर की वहां पर क्या जरूरत है ?

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, यह कोई तरीका नही है। आप अपनी सीट पर बैठे। (विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)

श्री अरजन सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि आदरणीय रण्दीप सिंह

सुरजेवाला जी ने हमारे छछरौली मे बस स्टैंड मंजूर किया था, क्या उस पर मंत्री जल्दी से काम भुरू करवाएगे?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को यह बताना चाहूंगा कि हम बहुत जल्दी ही छदरोली बनाने जा रहे है।

श्री ई ावर सिंह पलाकाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सदौरा विधान सभा क्षेत्र है। वहां पर बहुत पुराने बस भौड्स है। वहां पर यमुनानगर जाने के लिए भी अलग भौड बना बना हुआ है। वहां पर जो भौडस बने हुए है वे बहुत पुराने हो चुके है। उनके नीचे यात्राी खडे होने से डरते है कि कही से भौड्स गिर न जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि क्या रादौर मे बस भौड बनाने की प्रपोजल है? अगर नही तो मंत्री जी नया प्रपोजल बनाएंगे ताकि वहा पर यात्रियो को सुविधा दी जा सके ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई प्रपोजल नही है और न ही कोई हमारे पास मांग आई है माननीय सदस्य ने अभी मांग रखी है और इस बारे मे सर्वे करवाएगे। अगर वहां पर जरूरत होगी तो जरूर बनवाएगे।

श्री ई वर सिंह पलाकाः सर, वहां पर सर्वे की जरूरत नही है वहा बस भौडस की जरूरत है। वहां पर यात्री बस पकडने के लिए दौड कर जाते है और कई बार गिर भी जाते है। मंत्री जी

को तो यह कहना चाहिए कि हम सर्वे नही बल्कि वहा पर बस भौड्स बनावाएंगे।

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य से यह जानना चाहता हू कि यात्रियो को वहा पर डर क्यों लगाता है? कही वहां पर या इधर उधर चौटाला जी की कोई फोटो तो नही लगी हुई है।

डा0 सु ीला इन्दौराः.....

श्री ई ावर सिंह पलाकाः .....

श्री अध्यक्षः इनका कुछ भी रिकार्ड नही किया जाए (ाोर एवम व्यवधान) आप बैठे। मंत्री जी ने कह दिया है कि सर्वे करवाएगे।

श्री साहिदा खानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि 9 जुलाई को गवर्नर हाउस मे मीटिंग हुई है और उस वक्त माननीय मुख्यमंत्री जी और गवर्नर साहब बैठे हुए थे मैने तब भी मुख्यमंत्री जी से कहा था कि तावडू मे 1996 मे पत्थर लगा था। माननीय साथी को यह कहना चाहूंगा कि यह 1994 मे नही लगा था। अध्यक्ष महोदय, यह नै ानल हाई–वे की जगह है, मार्केटिंग बोर्ड की जगह थी और उसके लिए सरकार ने जमीन अलांट कर दी थी लेकिन पैसे जमा नही करवाए गए थे। लोग 3–4 किलोमीटर इधर उधर आते जाते है क्योंकि वहां पर बस के खडे होने की कोई परमानैट जगह नही है। अध्यक्ष महोदय,

हमारा डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर नूंह है और तावडू से नूंह 16 किलोमीटर पडता है और इसके बीच मे कोई बस नही चलती है वहां पर सडक पर डेढ डेढ फिट के गढढे पडे हुए है। अगर कोई बस वहा पर लगी भी हुई है तो वह भी सडक की खस्ता हालत की वजह से वहां पर जाती ही नही है। मेरा मंत्री जी से यह कहना है कि क्या वहां पर कोई बस स्टैड बनवाने की कृपा करैगे ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि 1996 मे कोई फाऊंडे ान स्टोन रखा गया था। मेरे हिसाब से वर्श 1996 कांग्रेस गवर्नमैंट का लास्ट ईयर था। उसके बाद तो हरियाणा मे दो सरकारे आई थी और इनकी सरकार तो 6 साल तक राज करके गई है। इनका जो सवाल है इन्होने उस वक्त क्यों नही उठाया था। उस वक्त ये आते थे और उठकर चले जाते थे। उस समय आपने इस पर काम क्यो नही करवाया था, आज जो आप इस बारे मे सवाल कर रहे है। उस समय तो आपके ही मुख्यमंत्री थे। आपको यह सवाल उस समय क्यों याद नही आया? अध्यक्ष महोदय, आज पहली बार इनकी यह डिमाण्ड हमारे समाने आई है। अगर जरूरत होगी तो हम इस बारे मे एग्जामिन करवा लेगे।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मेवात के अन्दर दो बस स्टैण्डज के लिए जमीन एक्वायर की जा

रही है। एक तावडू मे और दूसरी बडखली चौक पर पुनहाना मे है। इन बस स्टैण्डज को बनाने की बात है। स्पीकर साहब, पहले जो काम नही हुए है उनको यह सरकार कर रही है।

श्रीमती सुमिता सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हू करनाल मे जो एक नया बस स्टैड बनाने का प्रपोजल था उसको क्या हुआ? करनाल मे इसके लिए जगह भी फाईनल हो गयी है और काफी देर से इसको बनाने की चर्चा भी चल रही है। पिछले साल भी बात चली थी कि कंसल टैटस के टैडर होने है। मेरे ख्याल से कसलटैटस के टैडर हो गये होगे तो करनाल मे बस स्टैड बनाने का काम भुरू होने की उम्मीद है ?

श्री मागे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, करनाल के बस स्टैड को एक बहुत ही आधुनिक बस स्टैड बनाने की नीयत सरकार की बात है। ऐसा आधुनिक बस स्टैड न तो हरियाणा का पहला बहुत अच्छा आधुनिक बस स्टैड होगा इसलिए ही इस बस स्टैड को बनाने के लिए बहुत बडे बजट का प्रावधान किया गया और बहुत बडे बडे कसंलटैटस तैयार किये गये, बहुत सारी स्कीम्ज इसके लिए बनायी गयी। स्पीकर साहब, अब इसको बनाने का काम फाईनल हो गया है। बी0ओ0टी0 के माध्यम से यह बस स्टैड हम बनाकर देगे। बहन जी, आपको यह जानकार खु ी होगी कि आपके टाईम मे ही यह बस स्टैड बनकर तैयार हो जाएगा और इसका क्रेडिट भी आपको ही मिलेगा।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्या जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि करनाल मे इनकी यह हमे ाा से मांग रही थी कि वहां पर बस स्टैड के लिए जमीन ही उपलब्ध नही है हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने इनके अनुरोध पर ही इस बारे मे एक बैठक की। स्पीकर साहब, जहां तक मुझे याद है कि सैक्टर 12 मे दस एकड से अधिक जमीन इसके लिए उपलब्ध करवायी गयी है। इसकी बाजारी कीमत 100 करोड रूपये के करीब है। हुडा को इसका एतराज था परन्तु इनके अनुरोध पर ही माननीय मुख्यमत्री जी ने और परिवहन मंत्री जी से आई0ए0एफ0एस0 और फीड वैक वैचर से बाकायदा इसके लिए एक सर्वे करवाया। अध्यक्ष महोदय, एक बस स्टैड गुडगांव मे और एक बस स्टैड करनाल मे बी0ओ0टी0 टैक्नोलांजी के बेसिज पर विद मोर्डन अमेनिटीज बनाने के लिए टैडर इवाइट किए है। स्पीकर साहब, इस बे ाकीमती जमीन पर इनके और करनाल के लोगो के अनुरोध पर कांग्रेस की इस सरकार ने वर्शो पुरानी उनकी मांग पूर की है। इस तरह से ही गुडगांव मे भी और फरीदाबाद मे भी बस स्टैड बनाने के लिए जमीन दी गई है। इसलिए ये तीनो बस स्टैड जल्दी ही बनाए जाएगे।

आई0जी0 भोर सिंहः स्पीकर साहब, इसमे कोई भाक की बात नही है कि हमारी मीटर ट्रांसपोर्ट व्यवस्था काफी ठीक हुई है। मेरे हल्के जुलाना मे जुलाना से जींद जाने के लिए बडे

बडे गावो मे जैसे अनूपगढ, भामौला खूर्द, खेमाखेडी, भामौला कलां और रामकली मे पहले बसिज चला करती थी लेकिन अब वहां पर इररैगुलर बसिज चलती है। वहां से स्कूल और वि ोश रूप से कालज आने जाने के लिए जींद और जुलाना मे बसिज की कोई व्यवस्था नही है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि क्या वहां पर रैगुलर बसिज चलायी जाएगी?

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, आई0जी0 भोर सिंह मेरे पडौसी और छोटे भाई है इन्होने आज दुख जाहिर किया है कि वहां पर बसिज की कमी रह गयी है। मै इनको बताना चाहूंगा कि जींद मे कालेज आने के लिए जितने रूटस आते है उनमे मैने स्पै ाली लडकियों की बसिज चालू करवा रखी है। एक एक गांव की लडकी लाने की बात तो मैने नही कह सकता लेकिन फिर भी ये मुझे बता दे, हम देख लेगे।

श्रीमती गीता भुक्कलः स्पीकर साहब, कलायत सबसे पुराना ब्लाक है। 26 अक्तूबर, 2006 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने वहां पर एक बस स्टैड बनाने के लिए ि ालान्यास भी किया है लेकिन आज तक उस बस स्टैड को बनाने का प्रपोजल पैडिंग है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कब तक कलायत बस स्टैड का निर्माण कार्य भुरू हो जाएगी ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कलायत के बस स्टैड बनाने का मामला बहुत दिन से उलझा हुआ था लेकिन अब

यह सुलझा दिया गया है। हालांकि इसको सुलझााना बहुत मुि कल था। बहन जी स इस बारे मे पराम र्ा आया था इसलिए इस बारे मे बहुत प्रायस किए गए। पहले यह मामला कोर्ट मे था लेकिन कोर्ट से इस बारे मे समझौता करवाया गया है। जिस मालिक से इस बारे मे झगडा था उसको मनाकर प्लाट उससे ले लिया गया है इसलिए अब जल्दी ही यह काम भाुरू करवा देगे।

श्री हरी रामः अध्यक्ष महोदय, झज्जर के बस स्टैड को बनते बनते चार साल हो गये थे लेकिन अभी तक वह पूरा नही हो पाया है। थोडी सी बारि ा अगर हो जाए तो वहां पर दो दो इंजन लगवारकर पानी निकलवाना पडता है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि कब तक यह बस स्टैड बन जाएगा? हमारे यहां पर तो इसके लिए जमीन भी बहुत पडी है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि जो बस स्टैड मे पानी भर जाने की बात बता रहे है तो यह बस स्टैड चार साल पहले बना था उस समय मै मंत्री नही था। उस जमीन की चुवाइस इन्होने ही की होगी। ऐसे निचले एरिया मे बस स्टेड बना लिया गया कि थोडी सी बरसात होते ही वहां 2—2 फुट पानी भर जाता है। अब इस बारे मे सरकार ने आपके कहने पर यह महसूस किया है कि वहां पर वाकई मे ही दिक्कत है। अब वहां पर बाहर जगह ले ली गई है और बहुत जल्द नया बस स्टैड बनाएंगे।

Number of Model Schools in the State

.1015 Sh. Radhey Shyam Sharma: Will the Education Minister be pleased to state-

(a) the number of Model Schools opended in the State during the year 2007-08.

(b) the details of the facilities to be provided in the said Model Schools, and

(c) the name of the schools in which these facilities have been provided so far ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): सर, इस सवाल के बारे मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इसमे यह तो कवै चन मिसप्रिट हो गया है या माननीय सदस्य से पूछने मे कुछ गलती हे गई है इन्होने अपने सवाल मे पूछा है कि मांडल स्कूल वर्श 2007'08 मे कितने खोले गए। मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि मांडल स्कूल वर्श 2007–08 मे कितने खोले गए बल्कि वर्श 2006–07 मे इनके बारे मे स्कीम बना थी, उस स्कीम के मुताबिक हमने स्टेट मे हर जिले मे एक मांडल स्कूल यानी टोटल 20 स्कूल खोलने थे। सारे इग्लि ा मीडियम स्कूल थे लेकिन उनको खोलने मे हमारे सामने दो दिक्कते आ गई। एक दिक्कत तो यह थी कि हम सब्जैक्ट इंग्लि ा मीडियम मे पढाने वाले अध्यापक उपलब्ध नही हुए और दूसरे जिन स्कीमो मे मांडल स्कूल चलाये जाने थे उसके जो दूसरे स्टूडैटस थे उसका एतराजा था कि उनको दूसरे स्कूलो मे मिड सै ान मे ि ाफ्ट न किया

जाए। दूसरे स्कूल की नयी बिल्डिंग बनाकर उनमे उनको बैठाना उस समय पौसिबल नही था इसलिए सारे डिपार्टमैंट ने मिलकर विचार किया कि यह एक बहुत बडी मु कल हो जाएगी और बच्चो की पढाई का बहुत नुकसान हो जाएगा। इसलिए विभाग ने उससे भ बेहतर एक स्कीम तैयार की। एक कंसैप्ट तैयार किया गया और 20 स्कूलो के स्थान पर 213 स्कूल नयी स्कीम मे खोलने का प्रावधान किया गया। नयी स्कीमो मे मुताबिक एक एक जिले मे दस दस स्कूल इस तरह के खोले है जिनमे हर प्रकार की सांइस टैक्नोलजी की लैब सिस्टम की कम्प्यूटराइज्ड ि ाक्षा की सुविधा हो और ऐसे स्कूल खोले जाएगे जिनसे प्रदे ा का ि ाक्षा का स्तर बहुत ऊंचा उठ सकेगा और बच्चे काबिल बनेग और अच्छी अच्छी जगहो पर पहुंच सकेगे और सफल होगे, ऐसा हमने इस स्कीम के माध्यम से प्रावधान किया है।

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बहुत ही अच्छी स्कीम बताई है मै इस स्कीम के लिए माननीय मंत्री जो को बहुत बधाई देता हू। साथ ही यह भी जानना चाहता हू कि नारनौल विधान सभा क्षेत्र मे कौन कौन से स्कूल खोले है। और उनमे क्या क्या सुविधाये दी है ?

श्री अध्यक्षः वह तो सैन्ट्रल यूनिवर्सिटी बन गई है?

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, उसके लिए मै आपको मुख्यमंत्री जी को और मंत्री महोदय को बहुत बधाई देता हू।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने पहले भी बताया है कि हर जिले मे 10 स्कूल खोले है अगम माननीय सदस्य पूछना चाहते है तो मेरे पास है सुविधाओ के बारे मे मैने पहले ही बता दिया है।

श्री अध्यक्षः कई इम्पोर्टेट सवाल अभी पूछने के लिए रह रहे है इसलिए नाम आप अभी रहने दीजिए।

प्रो0 छत्र पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी का ध्यान इस और आकर्शित करना चाहता हू।

Mr. Speaker: Prof. Chhattar Pal Singh, ध्यान नही, ask specific question.

Prof. Chhattar Pal Singh: Sir, I will ask specife question, अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने 10+2 स्कूलो को माडल स्कूलो मे परिवर्तित किया था और 10+2 स्कूलो जो स्ट्रैथा थी और जो माडल स्कूलो की श्रेणी मे नही आ सके, उनके लिए सरकार ने यहा आपके मंत्रालय ने, डिस्टैट विलेलेज के स्कूलो मे जाकर जो बच्चे पढते है, उनके बारे मे कोई विचार किया है। मेरी कांस्टीच्यूएंसी के गांव सिसाय के स्कूल के बारे मे पिछले दो साल मे मेरी गुजारि ा आपके मंत्रालय मे पास लगातार विचाराधीन है।

क्या उस पर विचार किया है ? वहां बिल्लिडग उपलब्ध है और सभी ग्राउडंस भी उपलब्ध है। उसके बारे मे मंत्री जी से जानना चाहता हू।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जैसा मेने पहले बताया कि उस स्कीम को आगे नही बढा सके क्योंकि ये दिक्कत हमारे सामाने थी कि स्टूडैट्स को दूसरे स्कूलो मे भेजेगे तो उनकी पढाई डिस्टर्ब होगी। इसके अलावा जो स्टूडैटस आलरेडी पढ रहे थे उनको दूसरे स्कूलो मे ि ाफ्ट करने पर उन स्टूडैट्स को भी ऐतरान था और माननीय सदस्य श्री छत्र पाल सिंह जो की भी मांग आई थी और इन्होने कहा था कि हम दूसरी बिल्डिंग सिसाय गांव मे दे सकते है हमने उसके लिए आदे ा जारी कर दिए है और वे लडके जो इससे डिस्टर्ब हुए है, जो स्कूल के लिए आप नई बिल्डिंग दे देगे तो उसमे उन बच्चो की पढाई चालू करवायेगे।

To set right the Lining/Level of Panihar Minor

1009. Sh. Ram Kumar Gautam: Will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set right the lining/level of Panihar Minor so that water can reach to Masudpur village in Narnaund Constitituency; if so, the time by which it is likely to be set right ?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Yes Sir, The work is expected to be completed by 31st March, 2009.

श्री राम कुमार गौतमः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी यह बतायेगे कि जब तक 31 मार्च, 2009 तक इस माईनर की लैवलिंग पूरी नही होती क्या तब तक दूसरे जरिये से, जहां से पहले पानी आता था यानि डब्लू0जे0सी0 से पानी देने के बारे मे विचार करेगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मसुदपुर गांव को पहले डब्लू0जे0सी0 से पानी दिया जाता था। मसुदपुर गांव 101470 आर0डी0 पर था। इसलिए इसके दिक्कत रहा करती थी। उस बात को देखते हुए वर्श 1994 मे इनके हल्के के अन्दर एक दूसरा पनिहारी मसूदपुर लिंक बनाया गया। वर्श 1994–95 मे इसे बढाकर 25000 से 400000 आर0डी0 तक बढाया गया। उसके बाद काफी सरकारे आई जिससे लोकदल पार्टी की सरकार आई और भारतीय जनता पार्टी की भी सरकार आई। इस माईनर की इतनी हालत खस्ता हो गई कि इस माईनर की लाईनिंग टूट गई और 16000 से 21020 आर0डी0 तक लाईनिंग ले जाने मे काफी दिक्कत आई। इसके लिए बाकायदा हमने एमरजैट टैण्डर बुलाये जिनको 4.08.2008 को खोलना था लेकिन कुछ कान्ट्रैक्टर्ज ने इसके लिए बांयकाट किया। जिसकी वजह से अब दोबारा से दिनां 5.9.2008 को इन टैण्डर्ज को खोला जायेगा। हमारी पूरी कोि ा ा होगी कि इस काम को 31.03.2009 तक पूरा कर दिया जायेगा। इसमे दिक्कत यह है कि लाईनिंग का मामला काफी खराब हो गया है। चूकि बरवाला ब्रान्च से पानी की अवेलेब्लिटी

ज्यादा है इसलिए पनिहारी डिस्ट्रिब्यूटरी से दोबार से लिंक बढाया था। सरकार की कोि ा ा होगी कि जब तक पनिहारी डिस्ट्रिब्यूटरी की लाईनिंग का कार्य नही हो जाता तब तक हम इनके एरिया को डब्लू0जे0सी0 से पानी पहुचाने की कोि ा ा करेगे। वैसे इसमे काफी दिक्कत होती है क्योंकि इसकी लम्बाई बहुत ज्यादा है। सरकार की कोि ा ा होगी कि इस माईनर का काम 31.3.2009 तक पूरा कर दिया जाये।

श्री रामकुमार गौतमः स्पीकर साहब, जैसा कि मत्री जी ने मसूदपुर के बारे मे बताया। जब से हम असैम्बली मे एम0एल0ए0 बनाकर आये है तब से मेरी मांग थी और बताया था कि डाटा और मसूदपुर गांवो मे पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। दोनो गांव पानी मे बिल्कुल महरूम है। डाटा गांव मे तो पीने का पानी का पानी छ महीने से पूरी तरह से नही दिया गया है। हमारा पानी घटाकर 356 क्यूसिक कर दिया गया है। वह पानी दोबारा डब्लू0जे0सी0 से भाुरू करवाया जाए क्योंकि भाखडा की तरफ से पानी लिया जा रहा है। जिससे पूरे हांसी सब डिविजन मे नुकसान हुआ है और वहां पर पानी की बडी भारी कमी है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, जहां तक डाटा मसूदपुर गांवो के बारे मे जिक्र किया है उसको हम एग्जामिन करवा लैगे। जो माननीय सदस्य डब्लू0जे0सी0 का पानी देने की बात कर रहे है। बरवाला ब्रान्च मे कुछ पानी सिवानी क्षेत्र को पीने के लिए दिया गया है क्योंकि वहां पर भी पीने के पानी

की बडी भारी दिक्कत थी। यह तो सभंव नही है कि दोनो सोर्सिज से पानी दिया जाए। केवल एक सोर्स से ही पानी दे सकते है लेकिन फिर भी हम मसूदपुर गांव को डब्लू0जे0सी0 से पानी देने की कोि ा ा करेगे, जब तक इस की लाईनिंग पूरी नही हो जाती।

श्रीमती अनिता यादवः अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै मंत्री जी का आभार प्रकट करती हू कि इन्होने खु पुरा माईनर को चालू कर दिया है और उसमे 15 दिन पहले पानी आ गया है। दूसरा जखाला माईनर के लिए हमने आपको कई बार अर्ज किया है और लिखकर भी आपके कार्याय मे दिया है। उस पर एक घोडा पुल बनाया जाये ताकि वहां की हमारी महिलाओ और किसानो को जिनको इससे 4–5 किलोमीटर की ओल पडती है, वह इससे ठीक हो जायेगी और छोटे मोटे किसानो की माग है, वह भी पूरी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ हमारी जो खानपुर माईनर है इसके लिए मैने सबसे पहले यहां आवाज उठाई थी कि उसको चालू किया जाए। खानपुर कंला, खानपुर खुर्द और सासौली गांवो का पानी कडवा है और पीने के लायक नही है वहां की महिलाओ को दूर दूर से कुंओ से पानी घडो मे भरकर लाना पडता है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से गुजारि ा करना चाहती हू कि वह माईनर चालू हो जाएगी तो लोगो को पीने का पानी मिल जाएगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते है कि यदि वहां एक मोगा हो जाएगा तो मोगा आने

के बाद पानी फिल्टर करके वाटर सप्लाई की कोई न कोई स्कीम हम मंत्री जी से निकलवा लेगे। इसके बाद वहां पर लोगो को पीने के पानी की सुविधा हो जाएगी।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जखाला माईनर पर घोडा पुल की मांग की है हम इसको एग्जामिन करवाएगे कि यह विदइन नार्म्स है या आउट आफ नार्म्स है हम इसको एग्जामिन करवा लेगे और अगर विदइन नार्म्स हुई तो उसकी फाइल मुख्यमंत्री महोदय तक जाएगी। जहां तक इन्होने खानपुर माईनर का जिकर किया है उसको हम एग्जामिन करवा लेते है। अगर वहां पहले की बनी हुइ है तो उसको रिपेयर करवा देगे और चालू करवा देगे।

प्रो0 छत्रपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, राजकुमार गौतम जी ने मसूदपुर डाटा गांव का जिक्र किया है। डाटा गौ ाला बहुत बडी ऐतिहासिक गौ ाला है उसका भी एरिया इसमे पडता है जिसकी एक्सटै ान पिछले दो तीन सालो से सरकार के विचाराधीन है। मै और सांसद दीपेन्द्र जी जब खोखा गांव मे गए थे तो वहां लोगो ने फिर इसकी पुरजोर आवाज उठाई थी। वहां लोगो ने खोखा और बाटडा के लिए भी दो माईनरो की रिक्वैस्ट की थी। लोगो ने एक न्यू लाडवा माईनर के लिए भी रिक्वैस्ट की थी ताकि सफीि ाएट इरीगे ान वहां से हो सके। मैने और सांसद दीपेन्द्र जी ने लोगो को इन माईनरो के लिए भरोसा दिलाया था। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से

जानना चाहता हू कि मंत्रालय इन माईनरो पर कब तक विचार करेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हू कि ये इस बारे मे सैपरेट नोटिस लिखकर दे दे तभी मै इसकी डिटेल बता सकता हू। पूरे हरियाणा की माईनरो के बारे मे तो मै वहां नही बता सकता।

प्रो0 छतपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम दो तीन सालो से आपके पास लिखकर देते आ रहे है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये बहुत पुराने सदस्य है इनको पता होना चाहिए ये प्रोपर नोटिस दे मै तभी इस बारे मे सदन मे जवाब दे सकता हू।

प्रो0 छतपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहता हू कि हम इनके आफिस मे कई बार मिलकर आए है और लिखकर भी दिया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये मेरे आफिस मे आकर मिल ले इनको इस बारे मे कन्वे कर दैगे।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी साल डेढ साल पहले हमारे यहां दौरे पर आए थे, मै भी उनके साथ था तो वहां की पंचायतो ने देपल माईनर का मोढ निकालने के बारे

मे बात रखी थी। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि इस माईनर का मोड निकालने बारे कब तक विचार किया जाएगा। इस माईनर से मोढ निकालकर रजवाहे को सीधा कर देगे तो लोगो को पानी ठीक तरीके से मिल सकेगा। इसी प्रकार एक बीड माईनर है वहां से मोढ निकाल जाए तो लोगो को पानी मिल सकेगा क्योंकि टेल तक पानी नही पहुचता। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि यह काम कब तक करवाया जाएगा?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हू कि अधिकारियो को निर्दे ा दिए जाएगे कि जो इन्होने बात रखी है उस पर कार्यवाही की जाए।

मेजर नृपेन्द्र सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, दादरी कास्टीच्यूंसी मे अभी बाढ आई थी। जिसकी वहज से मने लोहारू कैनाल मे लाइनिंग काफी अस्त व्यस्त हो गई थी, इसको जल्दी ठीक नही किया गया। जिस कारण सीपेज बहुत ज्यादा हो रही है। अध्यक्ष महोदय, फलड की सिचुए ान के एक इम्प्रूवमैट होती है लेकिन सीपेज से दोबारा प्रोब्लम हो जाती है। पम्प की रिप्लेसमैट के बारे मे मैने पिछली बार भी कहा लेकिन अभी तक इस बारे मे कोई कार्यवाही नही की गई। लाइनिंग की भी बहुत ज्यादा खराब हालत है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री

महोदय से जानना चाहता हू कि इस पर कब तक कार्यवाही की जाएगी ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जहां तक इन्होने पम्पस की बात की है तो हमने पम्पस ले लिए है। अभी पिछले दिनो की सरकार द्वारा पम्पस मिल गए है। जहा जहां भी पम्पस खराब है उनको जल्दी ठीक करवाया जाएगा। जहां जहां फलड की वजह से लाइनिंग खराब हो गई है उनकी स्टेट्स हमने मंगवाई है और जहां जहां पर लाइनिंग खराब होगी हम उसकी ठीक करवा देगे।

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि एक तो हमारा जो दुर्जनुपर माईनर है जो हांसी नहर से निकलता है और दूसरा खानक माईनर जो सुदन नहर से निकलता है इनकी टेल ठीक नही है जिसके कारण टेल तक पानी नही पहुंचता। जिसके कारण वहां कई सालो से किसानो को बहुत दिक्कत हो रही है। मंत्री जी जब कवांरी आये थे उस समय किसानो ने इन दोनो माईनरो की टेल तक पानी पहुचाने की मांग की थी और मंत्री जी आ वास भी दिया था लेकिन अभी तक काम नही हुआ है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आ वासन दिया था तो काम भी करवायेगे। खानक माईनर के लैवल प्रोब्लम

है जिसको ठीक करवायेगे और दुर्जनपुर माईनर को भी ठीक करवाया जायेगा।

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि आऊट आफ नार्म्ज मेरे हल्के मे 3–4 गांवो के पुल बनने थे जिनके बारे मे मैने पिछले सै ान मे भी बात उठाई थी। दो तीन गांवो की पंचायतो ने तो अपने आप ही पुल बनवा लिये। जंहा पर पुल बनाये जाने है। ये गांव अटेली के पास नीरपुर छापडा, सलीमपुर है तथा दो गांव और है जिनकी फाईल मंत्री जी के पास है। पिछले तीन साल मे फाईल कभी मुख्यमंत्री जी के पास और कभी मंत्री जी के पास घूम रही है लेकिन काम नही हुआ। इन पर केवल 4–3 लाख रूपये का खर्चा होना है और मंत्री जी जब मेरी ससुराल गये थे उस समय वायदा भी करके आये थे इसलिए इनको जल्दी से जल्दी बनवाया जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी जहां तक अपनी ससुराल की बात कर रहे है। उसके बारे मे बताना चाहूंगा कि इनकी ससुराल छापडा का पुल हम बनवा रहे है उसको बाकायदा हमने एग्जामिन करवा लिया है। अध्यक्ष महोदय, अब पुल बनाने का नार्म 500 मीटर का है और 500 मीटर ज्यादा नही होता। पहले या नार्म एक किलोमीटर का था। मैने स्वय फाईल पर मुख्यमंत्री जी से 1 किलोमीटर से कम करके इसे 500 मीटर तक करवाया है। 500 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नही

होती। अब आउट आफ नार्म पुल बनाये जाते है जहां बहुत ज्यादा दिक्कत होती है और रास्ता नही होती। मेरे माननीय साथी के क्षेत्र मे जिन गावों मे बहुत ज्यादा दिक्कत होगी वहां भी आउट आफ नार्म पुल बनवाये जायेगा।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मै सबसे पहले मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगी कि कलायत जैसे बैकवर्ड एरिया मे इन्होने चार नये माईनर बनवाये जबकि पहले कलायत की तरफ किसी भी सरकार ने ध्यान नही दिया। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी को बताना चाहूगी कि ि ामला माईनर की मेरे हल्के के लोगो की बहुत पुरानी मांग थी जिसके अब टैण्डर हो चुके है लेकिन अब इसको एक्सटैड करने की मांग मेरे हल्के के लोग कर रहे है ताकि सारी की सारी जमीन इस माईनर के साथ लग जााये। इस प्रकार का प्रपोजल मंत्री जी के पास भिजवाया भी हुआ है और यह प्रपोजल अभी पैडिंग है। मै मंत्री जी से मांग करती हू कि ि ामला माईनर को एक्सटैड कर दिया जाये ताकि मेरे हल्के के किसानो को पूरा फायदा मिल जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि यह टैक्नीकल मैटर है, जिसका निर्णय एस0टी0सी0 की अध्यक्षता मे एक टैक्नीकल कमेटी बनी हुई है। वही लेती है। इसको हम एग्जामिन करवा लेगे यदि यह वायबल होगा तो जरूर एक्सटैड करेगे।

Construction of Road by HSAMB

1032. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the Agriculture Ministre be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a road from village Dhana Narsan to Neemriwali and Ajitpur in Bhiwani to Consitituency by the HSAMB; if so, the time by which it is likely to be constructed?

Agriculture Minister (S.H.S Chattha): No Sir,

डा0 ि◌ाव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, यह प्र ान गलत छपा है।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपने जो लिखकर दिया है वही छपा है।

डा0 ि◌ाव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, इसके स्पेलिंग की मिसटेक है। मेरा सवाल यह था कि गांव ढाणा नरसाण से जो कनैक्टिंग रोड निमडीवाली से अजीतपुर है उसको बनवाया जाये इस बारे मे मेरी मंत्री जी से पर्सनली डिस्क ान भी हुई थी कि यह 6 करम का रास्ता है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी जब अजीतपुर से वाटर वर्क्स का उद्घाटन करने आये थे तब वहां पर ग्रामीणो ने इस रास्ते को पक्का करने की मांग की थी और मुख्यमंत्री जी ने आ वासन भी दिया था। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी ने अनुरोध करूंगा कि यह 6 करम का रास्ता है और बरसात के दिनो मे वहां बहुत पानी भर जाता है जिससे रास्ते मे दलदल हो जाती है जिसके कारण गांव वालो को बहुत परे ाानी होती है। बरसात के दिनो मे वहा से न तो रेहडा जा सकता है और न

ही ट्रैक्टर जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, यह रास्ता पक्का कर दिया जाये तो वहां के लोगो को बहुत सुविधा हो जायेगी। क्या मंत्री जी इसको कंसीडर करके वहां रोड बनवायेगे ?

सरदार एच0एस0 चट्ठाः अध्यक्ष महोदय, जिस भाक्ल मे माननीय सदस्य सवाल पूछेगे जवाब भी उसी भाक्ल मे आयेगा। इन्होने पूछा था ढाणा से नीमडीवाली और अजीतपुरा। इसके हिसाब से सीधी सडक बनती थी। जो बात इन्होने अब कही अगर ये सवाल इस तरह पूछते तो उस तरह का जवाब आ जाता। अब मैने इनकी बात सुनी है। हमारे पास ढाणा वाला और नीमडीवाली पर पंचायत की 6 करम जमीन है। वह बहुत लम्बी सडक भी नही है। हम इसे बनाने की पूरी कोि ा ा करेगे लेकिन जो अगली जगह इन्होने अजीतपुर की बताई है उसके बारे मे मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अजीतपुर पर कंसोलीडे ान का कोई रूट नही है।

डा0 ि ाव भांकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार द्वारा नीमडीवाली तक भी सडक का निर्माण कर दिया जाता है तो इससे भ काफी लोगो को फायदा हो जायेगा। मै इसके लिए सरकार का धन्यवाद करता हू।

Imposing of Entry Tax

1028. Dr. Sushil Indora: Will the Excise & Taxation Minister be pleased to state.

(a) the reasons for which the entry tax has been imposed by the Government.

(b) the estimated yearly income to be realized from the said entry tax by the Government; and

(c) the works on which the amount accrued form the said tax is being utilized by the Government.

Finance Minister (Sh. Birender Singh): Sir, the information is placed on the Table of the House.

Information

(a) Sir, the object of the Haryana Tax on Entry of Goods into Local Areas Act, 2008 is to raise additional resources for the State and to utilize the same for free flow or trade and commerce by providing and maintaining in frastructural facilities for the developmenting for the development of Trade, Commerce and Industry.

(b) Sir, The estimated income to be realized from the said entry tax is around Rs. 350 to Rs. 400 crore per year.

(c) Sir, tax collected under the said Act is to be utilized exclusively for the development, or faciltiatcing the track, commerce and industry in the State which shall include the following-

(i) construction, development and maintenance of roads and bridges for linking the market and insdutrial areas,

(jj) construction, development and maintenance of roads linking the markets, and industrial areas to railway stations, wherever possible,

(iii) construction, development and maintenance of railway over bridges,

(vi) providing finance, aids, grants, and subsidies to financial, industrial and commercial units;

(v) creating infarastruture for supply of electricity and water to industries and other commercial complexes.

(vi) creating, development and maintenance of other infrastructure for the furtherance pollution free environment in the concerned areas;

(viii) any other purpose connected with the development of trade commerce and industry or for facilities relating thereto which the State Governmnet may secify by notification;

(ix) providing finance, aids, grants and subsidies to local bodies and government agencies for the purposes specified above.

डा0 सु गील इन्दौराः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हू कि किसी भी सरकार द्वारा कोई भी टैक्स तभी लगाया जाता है जब उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी न हो। लेकिन हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा बार बार हरियाणा की आर्थिक स्थिति को बहुत अच्छा बताया जाता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा भी हरियाणा को आर्थिक स्थिति के मामले

मे नम्बर एक का प्रदे ा बताकर प्रचार किया जाता है। वैट पर केन्द्र सरकार की पोलिसी के मुताबिक यह निर्णय लिया गया था कि जब सारे दे ा मे वैट लगाया जायेगा तो फिर कोई दूसरा टैक्स नही लगाया जायेगा। मै यह जानना चाहता हू कि इस एल0ए0डी0 टैक्स को अब तक क्यों नही हटाया गया?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह टैक्स सन् 2000 मे जब इनकी सरकार का वितीय संकट था उस समय लगाया गया था। इस टैक्स को एल0ए0डी0टी0 के नाम से एक विधेयक पारा करके लगाया गया था। इसके अलावा और टैक्स भी लगाये थे। वह इन्होने जिस प्रकार से लगाये और जिस प्रकार से उसको खर्च करना भुरू किया तो कुछ बडी बडी कम्पनियां जो इस टैक्स का ज्यादातर हिस्सा देती थी वे हाई कोर्ट मे चली गई और एल0ए0डी0टी0 को हाई कोर्ट ने एक असवैधानिक कर मानकर 2007 मे स्ट्राईक डाऊन कर दिया। उसके बाद हम सुप्रीम कोर्ट मे गये और सुप्रीम कोर्ट मे हमारी इस बारे मे जो अपील थी यह एडमिट हुई। हमे उम्मीद है कि इस महीने या उस पर फैसला हो जायेगा। लेकिन इस एल0ए0डी0टी0 के माध्यम से हम जो लगभग 350 करोड रूपये सालाना टैक्स की भाक्ल के वसूल कर रहे थे, यह सारे का सारा पैसा हम व्यापार, वाणिज्य और उधोगो के विकास के लिए खर्च करते थे। व्यापरा, वाणिज्य और उधोगो की समूथ मूवमैट के लिए ही हमने यह टैक्स लगाया था। जब हमने देखा कि इसमे कुछ कमी पाई गई है तो हमने वर्श 2007 मे यहां

इस सदन मे एक विधेयक के माध्यम से उसमे कुछ सुधार भी किया जिसके तहत जो टोटल टैक्स कलैक्ट होगा हमने उसका 60 प्रति ात वाणिज्य, उधोगो और व्यापार की समूथ फक्ं ानिंग के लिए निर्धारित किया ताकि सुचारू रूप से वे सारी सुविधाएं हम उधोगपतियों को दे सके। जिसके कि वे पात्र है। इसी प्रकार से एक नोटिफिके ान जारी करके हमने इस टोटल टैक्स का 60 प्रति ात उधोगपतियो के कल्याण के लिए खर्च करने का प्रावधान रखा था। लेकिन सर, सुप्रीम कोर्ट ने हमे कलैक् ान करने से बैन कर दिया कि हम यह टैक्स कलैक्ट नही कर सकते क्योंकि जो इण्डट्रीज थी उन्होने कोर्ट से स्टे ले लिया। इतनी बडी रकम को खास तोर से हम अर्बन डिवैल्पमैट के लिए तथा उसका कुछ पैसा जो सडके देहातो से कनैक्ट होती थी या अन्य चीजो पर भी, हमउ न पर खर्च करते थे। जह यह हुआ कि हम कोई टैक्स की वसूली नही कर सकते तो हम नया एक्ट लेकर आये। उस एक्ट के माध्यम से मुझे उम्मीद है कि हम 300—350 करोड रूपये कलैक्ट करेगे। उससे व्यापार के लिए, उधोग के लिए और वाणिज्य के लिए हमारा जो इन्फ्रास्ट्रक्चर है, मूलभूत ढाचा है उसको मजबूत करैगे, उसमे भी बढोतरी होगी और उसको भी हम सुव्यवस्थित कर सकते है जिससे वहां पर उधोगो को और बढावा मिल सके।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हू कि क्या यह सच है कि पिछली सरकार ने जो एल0ए0डी0टी0 लगाया था वह आधा तो

सरकार के खजाने मे जाता था और मुख्यमंत्री उनसे प्राईवेट पैसा लेकर आधा टैक्स माफ कर देते थे ? मान लो कि किसी का 50 करोड रूपये बनता है तो 20–25 करोड रूपया आप ले लेते थे और बाकी का उसका माफी का कोई फैसला कर देते थे। क्या ऐसे कोई केस मंत्री जी के नोटिस मे है ? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः क्या रसीद वगैरह काट देते थे ?(ाोर एवम व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय सदस्य ऐसी कोई लिस्ट देगे जिसमे इस प्रकार की जानकारी हो या ऐसे ही बिना वजह किसी को बदनाम करने की कोि ा ा कर रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की लिखित ि ाकायते मिली है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह कोई तरीका नही है, यह जो मंत्री कहे जा रहे है यह गलत बात है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सढौरा जी, आप अपना जवाब सुन लीजिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सन् 2000 मे यह एल0ए0डी0टी0 का एक्ट आया था। उसके बाद 2000–01 मे सिर्फ 6 करोड 21 लाख रूपये की कलैक ान हुई थी। 2001–2002 मे

10 करोड 51 लाख रूपये की क्लैक ान हुई थी। उसके बाद 2003–04 मे 243 करोड रू0 की क्लैक ान हुई थी। 2004–05 मे 272 करोड रूपये की क्लैक ान हुई थी। इस बात से तो मुझे लगता है कि पहले 2 साल मे जो क्लैक ान कम हुई है हो सकता है कि कोई व्यापारियों से अडरस्टैडिंग हुई थी। अध्यक्ष महोदय, मै जब हम सता मे आये तो वही क्लैक ान 2005–06 मे 331 करोड रू0, 2006–07 मे 313 करोड रू0 इस टैक्स के माध्यम से इकट्ठा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इस टैक्स के माध्यम से कुल 1347 करोड रूपया 6 साल मे इकट्ठा हुआ और उसमे से हमने 646 करोड रूपया पंचायती राज के माध्यम विकास के लिए दे दिया है और भाहरी स्थानीय निकाय के माध्यम से 533 करोड रूपये दिये है।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the question hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये ताराकिंत प्र ानो की लिखित उतर

Custodian Land District Sonipat

1026. Shri Ram Phal Chirana: Will the Rehabilitation Minister be pleased to state.

(a) the total acreage of custodian land in Distt. Sonipat;

(b) the acreage of land out of those referred to in part (a) above allotted to the persons belonging to the Scheduled castes by auction to date; and

(c) the time by which the remaining land will be allotted to the persons belonging to the Scheduled castes by acution ?

राजस्व राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल): श्रीमान जी।

(क) 3801 एकड 1 कनाल 9 मरला (01.11.1996 को)

(ख) 2260 एकड 1 कनाल 4 मरला (01.11.1996 से 31. 07.2008 को)

(ग) सयम सीमा निर्धारित करना सम्भव नही है।

Setting up SEZ, Educity, Medicity and Cy bercity

1021. Sh. Udai Bhan: Will the Industries Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up any S.E.Z Educity, Medicity and Cybercity of the Kundil Manesa- Palwal (K.M.P) Express Highway near Palwal; if so, the details thereof ?

उधोग मंत्री (श्री लच्छमन दास अरोडा): श्रीमान जी उतर सदन के पटल पर रखा गया है।

उतर

अभी तक, पलवल के नजदीक कुण्डली–मानेसर (के0एम0पी0) एक्सप्रैस हाईवे पर सरकार का कोई भी एस0ई0जैड0 एजूसिटी मैडीसिटी तथा साईबर सिटी विकसित करने का

प्रस्तावनही है। लेकिन मै0 डी0एस0 कन्सट्रक ान लिमिटेड का निजी क्षेत्र मे जिला पलवल तथा मेवात मे बहुउत्पादन वि ोश आर्थिक जोन स्थापित करने का एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। प्रोजैक्ट का विवरण निम्न प्रकार है।

अनुमति	भारत सरकार ने 4.4.2006 को सैद्वान्तिम अनुमति प्रदान की तथा अब इसकी अवधि 3.4. 2008 तक बढाई गई है।
क्षेत्र	5000 हैक्टेयर।
स्थान	अनुमानित निवे ा 986124 करोड, रूपये
रोजागर	लगभग 4350000 व्यक्तियो को औधोगिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र मे रोजगार प्रदान करेगा।_____

Construction of Hydel Projects and Thermal Power Projects

1001. Sh. Naresh Yeadv: Will the Power Minister be pleased to state.

(a) the present stage of the Hydel Projects and Thermail Power Projects being constructed in the State of improving the supply of electricity in the State toghethwith the full details there of; and

(b) the number of Power Stations and Sub Stations set up to improve the supply of electricity in District

Mahendergarh during the period form 2005 to 2008 toghetheriwth along with the full details thereof ?

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):

(क) श्रीमान, वर्तमान समय मे राज्य मे कोई पारम्परिक जलीय परियोजना स्थापित नही की जा रही है। राज्य मे स्थापित की जा रही लघु गैर पारम्परिक जलीय विधुत परियोजनाए तथा थर्मल विधुत परियोजनाओ का विवरण माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ब) मार्च, 2005 से जुलाई 2008 की अवधि के दौरान 705 करोड रूपये की लागत से जिला महेन्द्रगढ मे तीन नए 33 के0वी0 उपकेन्द्र औधोगिक क्षेत्र नारनौल, सेहलगां और बुदीन मे बनाए गए तथा पांच वर्तमान 33 के0वी0 उपकेन्द्रो दुबलाना, भोजावास, ढाणी कांटी और जांट की क्षमता मे वूद्धि की गई। इसका विवरण माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

ए. थर्मल विधुत परियोजनाए :

क्र स 0	विधुत परियोजना का नाम	क्षमता मैगावाट	संभावित /चालू होने की वास्तवित तिथि	परियोजना की इन्जीनियरि ंग क्रय तथा निर्माण की	नवीनतम स्थिति

				लागत रूपए	
1.	दीन बधु छोटू राम थर्मल यमुनानगर	2 X 300 = 600 मैगावाट		2097 करोड	दोनो यूनिटे चालू हो गइ है और परिचालन मे है यूनिट–1ने सिक्रोनाईजे न से 26. 8.2008 यूनटो का उत्पादन किया है।
	300 मैगावाट यूनिट–1		14.04. 2008 24.06. 2008 (वास्तविक तिथि)		यूनिट–2 ने सिक्रोनाईजे न से 26. 8.2008 तक 473.79 मिलियन यूनिटो का उत्पादन किया है। इस परियोजना पर अब तक 1866.81 करोड रूपये
	300 मैगावाट यूनिट–2				

2.	राजीव गांधी थर्मल विधुत परियोजना, हिसार	2 X 600 = 1200 मैगावाट		3775.42 करोड	कार्य रिलायसं एनर्जी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है समस्त 37. 05 प्रगति प्राप्त कर ली गई है तथा 602 करोड रूपया खर्च हुआ है परियोजना निर्धारित समय पर चालू की जानी सम्भावित है ।
	600 मैगावाट यूनिट–2		दिस, 2009 मार्च, 2009		
3.	इन्दिरा गांधी सुपर थर्मल परियोजना झज्जर, परियोजना मे एम0टी0पी0सी0 दिल्ली	3 X 500 = 1500 मैगावाट हरियाण का हिस्सा		कल अनुमानित लागत 7892.42 करोड रूपये है	यह परियोजना एन0टी0पी0सी0 दिल्ली सरकार तथा एच0पी0सी0एल0 के एक

	तथा हरियाणा का क्रम I: 50:25:25 के बराबर हिस्सा मे	750 मैगावाट			सयुक्त उधम के रूप मे अरावली पावर प्रा0 लि0 द्वारा क्रियान्वित की जा रही है निर्माण कार्य निर्धारित समय अनुसार चल रहा है तथा परियोजना पर अब तक 1214.54 करोड रूपए खर्च हुआ है ।
	500 मैगावाट यूनिट–1		अप्रैल, 2010 जुलाई, 2010 अक्तूबर, 2010		
	500 मैगावाट यूनिट–2				
	500 मैगावाट यूनिट–3				

4.	विधुत झज्जर मे स्वतंत्र विधुत उत्पादक आई0पी0सी0 द्वारा ताप विधुत परियोजना स्थापित किया जा रहा है ।	2 X 600 = 1320 मैगावाट		परियोजना आई0पी0सी0 द्वारा क्रियान्वित की जा रही है ।	उतर हरियाणा बिजली वितरण निगम लि0 तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण लि0 द्वारा बिजली खरीदने के समझौते पर 7 अगस्त, 2008 को हस्ताक्षर किए गए है ।
	660 मैगावाट यूनिट – 1		दिसम्बर 2011		
	660 मैगावाट यूनिट – 2		मई, 2011		

बी. लघु गैर पारम्परिक जलीय परियोजनाएः

क्र स 0	**विधुत परियोजना का नाम**	**क्षमता मैगावाट**	**संभावित /चालू होने की वास्तवित तिथि**	**परियोजना की इन्जीनियरिंग क्रय तथा निर्माण की लागत रूपए**	**नवीनतम स्थिति**
1.	जिला	6	जून,	34 करोड	यह

	यमुनानगर मे पि चत यमुना नहर पर दादूपूर लघु जलीय परियोजना	मैगावाट	2009	रूपए	परियोजना मैसर्ज भोरूका पावर कार्पोरे ान लि. बैगलोर द्वारा विकसित की जा रही है एवम लगभग 40 प्रति ात सिविल कार्य पूरा हो गया है।
2.	जिला करनाल के गांव खुखनी मे वृद्धि नहर पर लघु जलीय परियोजना	1.4 मैगावाट	जून, 2009	16 करोड रूपए	यह परियोजना मैसर्ज पुरी आयल मिल्ज, नई दिल्ली द्वारा विकसित की जा रही है।
3.	जिला करनाल के गांव मुस्सापुर मे नहर की जलीय परियोजना	1.4 मैगावाट	जून, 2009	16 करोड रूपए	यह परियोजना मैसर्ज पुरी आयल मिल्ज, नई दिल्ली द्वारा विकसित की जा रही है।
4.	जिला करनाल के	2	जून,	22 करोड	यह परियोजना

	गांव गोघडीपुर मे एन0बी0के0 लिंक नहर पर लघु जलीय परियोजना	मैगावाट	2009	रूपए	मैसर्ज पी0 एण्ड आर0, गोघडीपुर जलीय परियोजना प्रा0लि0 चण्डीगढ, द्वारा विकसित की जा रही है।

(बी) माननीय सदन के पटल पर तारांकित विधान सभा प्र ान संख्या 1001 के लिए उतर के साथ विवरण।

जिला महेन्द्रगढ मे मार्च, 2005 से जुलाई 2008 तक निम्नलिखित कार्य पूरे किये गये।

क्र0 संख्या	उपकेन्द्र का नाम	जोडी गई क्षमता मैगावाट मे लाईन कि0मी0	लगत रूपए लाखो मे	चालू होने की तिथि
I.	**नए उपकेन्द्र**			
1.	33 के0वी0 उपकेन्द्र आई0ए0 नारनौल	8 एम0वी0ए0	80	9.5.2006

2.	33 के0वी0 उपकेन्द्र सेहलंगा	8 एम0वी0ए0	80	5.11.2007
3.	33 के0वी0 उपकेन्द्र बुदीन	10 एम0वी0ए0	177	31.7.2008
	योग – 1	26 एम0वी0ए0	337	
II.	**वृद्धि**			
1.	33 के0वी0 उपकेन्द्र दुबलाना	5 एम0वी0ए0	30	13.9.2006
2.	33 के0वी0 उपकेन्द्र भोजवास	75 एम0वी0ए0	29	18.9.2007
3.	33 के0वी0 उपकेन्द्र ढाणी भटोटा	2 एम0वी0ए0	30	2.1.2008
4.	33 के0वी0 उपकेन्द्र कांटी	5 एम0वी0ए0	79	12.6.2008
5.	33 के0वी0 उपकेन्द्र जांट	5 एम0वी0ए0	80	2.7.2008

	योग–II **योग– I-II**			
	Iii सम्प्रेशण लाईने			
1.	आई0ए0 नारनौल मे 220 के0वी0 उपकेन्द्र नारनौल से ढाणी भटोटा तक वर्तमान 33 के0वी0 लाईने से 33 के0वी0 टी आफ।	0.040 कि0मी0	1	9.5.2006
2.	वर्तमान 33के0वी0 महेन्द्रगढ जाट लाईन से सेहलंगा तक टी आफ	10.000 कि0मी0	37	5.11.2007
3.	वर्तमान 33के0वी0 ढाणी भटोटा लाईन से दुल्हेडा तक टी आफ	9.800 कि0मी0	34	1.2.2008

4.	वर्तमान 33के0वी0 नांगल सिरोही लाईन से 33 के0वी0 उपकेन्द्र बुदनी तक टी आफ	8.500 कि0मी0	48	31.7.2008
योग III		28.340 कि0मी0	120	
	कुल लागत		705	

Installation of Electricity in village Karlawas

1016.Sh. Radhey Shyam Sharama: Will the Power Minister be pleased to state the time by which the electricity time of village Koriawas will be installed straight alongside the road ?

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान, गांव कोडियावास के लिए बिजली की लाईन पहले ही 8/2007 से सडक के साथ साथ सीधी लगा दी गई है।

Line Losses in the State

1016.Sh. Radhey Shyam Sharama: Will the Power Minister be pleased to state the steps taken by the Governement to check the time losses in the State during the period 2006-2007 and 2007-2008 ?

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान, सूचना माननीय सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

सूचना

हरियाणा विधुत यूटिलिटीज की दोनेा वितरण कम्पनियां द्वारा राज्य मे लाईन लोसिज कम करने के लिए पिछले 3 वर्शो के दौरान काफी उपाए किए गए है जो निम्न प्रकार है–

1. प्रणाली की क्षमता को बढाने के लिए प्रणाली मे कई नये 33 के0वी0 उप केन्द्र जोडे गए है और कई वर्तमान 33 के0वी0 उपकेन्द्रो की क्षमता मे वृद्धि की गई है।

2. प्रणाली मे अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए है।

3. हानियों की जांच करने के लिए वितरण ट्रांसफार्मर पर डी0टी0 मीटरो की व्यवसथा की गई है।

4. 11 के0वी0 फीडरो का ग्रामीण घरेलू तथा कृशि भाल अलग अलग किया जा रहा है।

5. ओवर लोडिड 11 के0वी0 फीडरो का द्विभाजन/त्रिभाजन किया गया है।

6. नई 33 के0वी0, 11 के0वी0 तथा एल0टी0 लाइने जोडी गई है।

7. चोरी रोकने के लिए गांव तथा कालोनियो मे एच0वी0डी0एस0 / एल0वी0डी0एस0 को प्रचलित किया गया है।

8. वोल्टेज तथा पावर फैक्टर के सुधार करने के लिए अतिरिक्त कैपेसिटर जोडे गए है।

9. इलैक्ट्रानिक मीटरो के साथ मकैनिकल / इलैक्ट्रोमकैनिकल मीटरो को प्रतिस्थापित किया गया है।

10. मीटरो को उपभोक्ता के परिसरो से बाहर स्थापित किया गया है।

11. बिजली की चोरी को पकडने के लिए उपभोक्ता के परिसरो पर विस्तृत जांच की जा रही है और छापे मारे जा रहे है।

12. कुण्डी कनैक ानो को नियमित किया गया है।

13. टी0डी0सी0ओ0 / पी0डी0सी0ओ0 समय पर प्रभावित किए जा रहे है।

उपरोक्त उपायो को उठाने से लाईन लेसिज तथा तकनीकी तथा समस्ता वाणिज्यिक लक्ष्य (एल0टी0एण्ड0सी0) कम होने व राज्य मे कम की गई हानियों को नीचे तालिका मे द ार्शाया गया है।

अवधि	लाईन लोसिज	ए0टी0सी0 लोसिज

	ड0ह0बि0वि0न0	द0ह0बि0वि0नि0	उ0ह0बि0वि0न0	द0ह0बि0वि0नि0
2006—07	28.7 प्रति ात	29.6 प्रति ात	37.38 प्रति ात	32.48 प्रति ात
2007—08	28.5 प्रति ात	26.5 प्रति ात	33.23 प्रति ात	25.52 प्रति ात

Rules and Regulations for Implementing the Reservation

1027. Dr. Sushil Indora: Will the Welfare of Scheduled Castes and Back Ward Classes Minister be pleased to state whether the rules and regulations of Punjab have been followed for implementing the reservation system for the Scheduled Castes or the Haryana State has its own rules and regulations ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान जी, हरियाणा राज्य मे अनुसूचित जातियों के आरक्षण बारे अपनी नीति है।

Water, Air and Sound Pollution

1027. Dr. Sushil Indora: Will the Welfare of Scheduled Castes and Back Ward Classes Minister be pleased to state the osition of water, air and sound plllution in District Faridabad and Plawal toghetherwith the steps being taken by the Government to check the said pollution?

वन राज्य मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी): श्रीमान, विवरण्र सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

जिला फरीदाबाद तथा पलवल के जल, वायु तथा ध्वनि प्रदूशण की वर्तमान स्थिति तथा प्रदूशण को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदम निम्न प्रकार से है:–

(क) वायु प्रदुशणः

फरीदाबाद भाहर मे 140 माइक्रोग्राम प्रति नोरम क्यूबिक मीटर की निर्धारित सीमा की तुलना मे एस0पी0एम0 के सम्बन्ध मे प्रदुशण का औसत स्तर 300–350 माइक्रोग्राम प्रति नोरम क्यूबिक मीटर है। पलवल भाहर मे औसत प्रदूशण स्तर लगभग 150–200 माइक्रोग्राम प्रति नोरम क्यूबिक मीटर है।

वायु प्रदुशण को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमः

1. जिला फरीदाबाद तथा पलवल मे ऐसे उधोगो जिनको प्रदुशण नियन्त्रण उपकरणो को स्थापित करने की आव यकता थी उनको वायु प्रदुशण नियन्त्रण उपाय जैसे कि वैट स्क्रबर, डस्ट क्लैक्टर, चिमनी इत्यादि स्थापित करने के लिए निर्दे ा दिये जा चुके है।

2. राइस हस्क से चालिक बायलरो पर फल्यूडाईज्ड बैड कम्ब ान सिस्टम की व्यवस्था की गई है।

3. हरियाणा, राज्य प्रदुशण नियन्त्रण बोर्ड औधोगिक इकाईयो को अपने ईधन को बदलकर अधिक साफ ईधन जैसे पेट कोक, तेल या गैस को प्रयोग करने के लिए जोर दे रहा है।

4. फरीदबाद टाऊन की एम्बीयन्ट वायु गुणवता को सुधारने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्दे ाो के अनुसार फरीदाबाद टाऊन के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। दो समितियों गठित की गई है जो वायु गुणवता को सुधारने के लिए उपायो के क्रियान्वयन को मोनिटर करती है एक उपायुक्त की अध्यक्षता मे जिला स्तर पर तथा अन्य मुख्य सचिव, हरियाणा की अध्यक्षता मे राज्य स्तर पर। ऊर्जा अनुसधांन संस्थान (टी0ई0आर0आई0) की रिपोर्ट के अनुसार 70 प्रति ात वायु प्रदुशण वाहन ट्रैफिक से है तथा बाकी 30 प्रति ात थर्मल पावर प्लान्ट तथा अन्य उधोगो से होता है। कार्य योजना के अन्तर्गत हरियाणा प्रदुशण नियन्त्रण बोर्ड तथा अन्या विभागो द्वारा वाहन प्रदुशण को नियन्त्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाए किए जा रहे है।

1. बदरपुर बोर्डर से बल्लबगढ तक सर्विसलेन का निर्माण करना

2. गुडगांव कैनाल के समानान्तर 26 किलोमीटर बाई पास सडक का निर्माण करना।

3. बदरपुर बोर्डर पर फलाई ओवर का निर्माण करना।

4. केवल यूरो 3 अनुरूप टैक्सी/तिपहिया वाहनो का पंजीकरण करना।

5. बहादुरगढ की तर्ज पर स्वचलित वाहन परीक्षण केन्द्रो का प्रावधान करना।

6. तिपाहिया/टैक्सी इत्यादि की तरह वाणिज्यिक वाहन के लिए 15 वर्शो से घटाकर 10 वर्शो के लिए समय सीमा निि चित करना।

7. वर्तमान थर्मल पावर प्लान्ट को 2012 तक फेजिंग आउट करना।

8. फरीदाबाद मे 10 सी0एन0जी0 केन्द्रो की स्थापना।

9. खुले टू टी तेल पर पाबन्दी लगाना।

(ख) जल प्रदूशण

जल प्रदूशण के मुख्यतया दो स्त्रोत है औधोगिक गन्दे जल का प्रवाह तथा सीवरेज मल प्रवाह। फरीदाबाद मे गुडगांव नहर का जल निर्धारित सीमा मे नही है। बदरसूर बोर्डर पर बी0ओ0डी0 (बायो कैमिकल आक्सीजन डिमांड) का स्तर 14 से 34 मिलीग्राम प्रति लीटर की रेज मे है जबकि निर्धारित स्तर 3 मिलीग्राम प्रति लीटर है। देहली क्षेत्र से हरियाणा को आने वाली यमुना नदी, देहली क्षेत्र की 21 ड्रेंन तथा उतर प्रदे ा से भााहदरा ड्रेन के औधोगिक गन्दे जल का प्रवाह के कारण प्रदूशित हो रही

है हरियाणा प्रदूशण नियन्त्रण बोर्ड नियमित रूप से गुडगांव कैनाल की गुणवता को मोनिटर कर रहा है।

जल प्रदूशण को न्यूनतम करने के लिए उठाए गए कदम

1. ऐसे उधोगो, जो गन्दा जल उत्पन्न करते है उन्होने जल भाोधक संयन्त्र स्थापित करने के लिए निर्दे ा दिये जा चुके है।

2. वर्तमान जल भाोधक संयन्त्रो का स ाोधन किया जा रहा है।

3. उधोगो को औधोगिक प्रक्रियाओ मे जल के न्यूनतम उपयोग के लिए भाोधित जल को पुन प्रयोग करने के लिए भी दबाव डाला जा रहा है।

4. सीवरेज ट्रीटमैण्ट प्लान्ट्स की संस्थापनाः पी0डब्लू0डी0 (जल आपूर्ति एवम स्वच्छता विभाग) ने यमुना कार्य योजना के अन्तर्गत चार सीवरेज ट्रीटमैण्ट प्लांट निर्मित किये है जैस कि फरीदाबाद मे प्रतापगढ मे 50 एम0एल0डी0, मिर्जापुर मे 45 एम0एल0डी0 तथा बाद ााहपुर मे 20 एम0एल0डी0 और पलवल मे 9 एम0एल0डी0।

5. जल निकायो की गुणवता को सुनिि चत करने के लिए नालों, नहरो तथा यमुना नदी की नियमित रूप से मोनिटरिंग की जा रही है।

(ग) ध्वनि प्रदूशण

बोर्ड ने सभी औधोगिक इकाईयो को बोर्ड की नीति के अनुसार अपने डी0जी0 सैटों पर ध्वनि नियन्त्रक यन्त्रो की व्यवस्था करने के लिए निर्दे ा दिये है तथा लगभग 75 प्रति ात औधोगिक इकाईयो ने अपने जनरेटर सैटो पर ध्वनि नियन्त्रक प्रणाली स्थापित कर ली है। तथा बाकी भी इसकी स्थापना की प्रक्रिया मे है। राज्य सरकार ने उपमंडल मजिस्ट्रेट/पुलिस उप अधीक्षक को आवासीय क्षेत्र तथा वाहनो के ध्वनि प्रदुशण रोकने के लिए प्राधिकारी के रूप मे अधिसूचित कर दिया है।

अतारांकित प्र ान एवम उतर

Pending Sewerage Work of Jitu Wala Johar Area in Bhiwani

127. Dr. Shir Shankar Bhardwaj: Will the Water Supply & Sanitation Minster be pleased to state whether it is fact that sewerage disposal work of Jitu Wala Johar area in Bhiwani is pending for a long time, if so, the action taken in this regard ?

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान, सूचना माननीय सदन के पटल पर एक विवरण है।

विवरण

भिवानी भाहर ने रेलवे लाईन के पि चमी क्षेत्र की तरफ एम0सी0 कालोनी, टी0आई0टी0 कालोनी, रूद्रा कालोनी, ब्रिजवासी कालोनी, (जीतू वाला जोहड मे डिस्पोजल के निर्माण सहित) मे 15500 लाख रूपए का बरसाती पानी की निकासी का अनुमान अनुमोदित किया गया तथा पूर्ण धनराि ा भी आबटिंत की जा चुकी है।

जीतू वाला जोहड का सीवरज डिस्पोजल कार्य कुछ समय के लिए लम्बित रहा क्योंकि गहरा स्थल होने की वजह पानी भरा हुआ था। कलैकटिंग टैक तथा स्क्रीनिंग चैम्बर का कार्य पूरा होने के निकट है। भिवानी भाहर मे पिछले 2–3 महीनों मे भारी वर्शा के कारण कार्य अभी लम्बित है क्योंकि डिस्पोजल के आसपास पानी भरा हुआ है। कार्य स्थल अभी भी पानी मे डूबा हुआ है। पानी को निकालने का कार्य प्रगति पर है। पम्प चैम्बर, पम्पिंग म ीनरी तथा राईजिग मैन का कार्य पानी की निकासी उपरान्त भाुरू कर दिया जाएगा और 31.12.2008 तक इसके पूर्ण होने की संभावना है।

Construction of Water Works at Village Rajgarh

128. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the Water Supply & Sanitaion Minister be pleased to state whether it is fact that the construction work of water works at village

Rajgarh in Bhiwani is lying incomplete; if so, the action taken in this regard ?

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): नही, श्रीमान जी। यह एक नहर पर आधारित योजना है जो कि 14350 लाख रूपये की लागत से बनाई गई है और इसके सभी ढांचो का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा बिजली का कनैक ान भी जारी हो गया है। बनाए गए ढांचो की टेस्टिंग की जा रही है और योजना 30 सितम्बर, 2008 तक चालू हो जाएगी।

Construction of 132 K.V Power Station at village Haluwas

129. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the Power Minister be pleased to state whether it is fact that foundation stone for construction of 132 K.V power station at village Haulwas was laid on 20-5-2006; if so, the time by which construction work is likely to be completed?

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): गांव हालूवास मे 132 के0वी0 उपकेन्द्र के निर्माण के लिए नींव पत्थर दिनांक 20.5.2006 को रखा गया था। इस उपकेन्द्र का कार्य टर्नकी के आधार पर किया जा रहा है तथा अधिकतर कार्य पूरा हो गया है, परन्तु उपकेन्द्र को बिजली देने वाली लाईन (0.7 किलामीटर) के पूरा न होने के कारण चालू नही किया जा सकता। लाइन का कार्य टावर स्थन न0 3 पर भिवानी की स्थानीय अदालत द्वारा स्टे (रोक) आदे ा देने के कारण रूका हुआ है। लोवर कोर्ट मे इसकी सुनवाई की अगली तिथि 01.09.2008 नि चत की हुई

है कोर्ट द्वारा स्टे रोक आदे ा को हटाने के बाद ही लाइन का कार्य पूरा होगा। लाइन के पूरा होते ही उपकेन्द्र तुरन्त चालू कर दिया जाएगा।

Separale Swereage and Water Works for new Houseing Board Colony

129. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide separate sewerage system and separate water works for New Housing Board colony under construction on circular raod Bhiwani?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): नही श्रीमान जी। निर्माणधीन नई आवास बोर्ड कालोनी भिवानी की जेल आपूर्ति एवम् मल निकासी व्यवस्था को भाहर की वर्तमान जल आपूर्ति एवम् मल निकासी व्वयवस्था के साथ जोड दिया जाएगा।

वाक आउट

16.00 बजे

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, सब को मालूम है कि इस समय बिहार मे जबरदस्त फ्लड आया हुआ है जिसके कारण काफी जान और माल का नुकसान हुआ है। (विघ्न)

डा0 सु ाीला इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मैने प्र ान संख्या 1028 पर और सप्लीमैट्री पूछनी थी लेकिन आप द्वारा

सप्लीमैट्री पूछने का मौका नही दिया गया है, इसलिए मै वाक आउट करता हू। (विघ्न)

एक आवाजः इन्दौरा साहब, क्या आप अकेले ही वाक आउट कर रहे है।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आप देखे कि इस समय सदन मे बाढ पीडितों की बात चल रही है। वहां पर जान और माल का इतना नुकसान हुआ है कि लेकिन आपको किसी के साथ कोई सहानुभूति नही है, कोई हमदर्दी नही है। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब, ...

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आप इस प्रकार का जो व्यवहार कर रहे है यह आपका सही तरीका नही है। (ाोर एवम व्यवधान) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब, हम वाक आउट करके वापिस आ गए है। (विघ्न)

(इस समय इण्डियन नै ानल लोकदल के उपस्थित सभी सदस्य हाउस से बहिर्गमन कर गए और उसी समय हाउस मे वापिस आ गए।)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आपने तो वाक आउट किया हुआ है।

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब, हम वाक आउट करके वापिस आ गए है।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै सप्लीमैट्री पूछना चाहता था लेकिन आप मुझे सवाल पूछने का समय नही दिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब आप सवाल पूछने के लिए खडे ही नही हुए। सुरजेवाला साहब, आपने पहले खडे हो गए। आप सप्लीमैट्री पूछने के लिए समय पर खडे नही हुए। हमने आपका सवाल लगाया है।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। (विघ्न)

मुख्यमत्री द्वारा की गई घोशणा

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, जैसे कि बिहार मे आई जबरदसत बाढ के बारे मे मै कह रहा था (विघ्न) मै समझता हू कि इन्दौरा साहब एक बहुत ही सीजन्ड पार्लियामैटेरियन हो रहे है। यह सदन ि ाश्टाचार और नियामें से चलता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब सदन के नेता बोलने के लिए खडे है, आप प्लीज अपनी सीट पर बैठे।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, मै यह कहा रहा था कि बिहार मे बाढ के कारण जान और माल का भारी नुकसान हुआ है। इस बात को लेकर पूरे दे ा मे चिन्ता है। माननीय प्रधान मंत्री तथा माननीय श्रीमती सोनिया गांधी जी बिहार के दौरे पर गए थे और वहां पर उन्होने एक हजार करोड रूपये का पैकेज बाढ पीडितो के लिए दिया है। अध्यक्ष महोदय, हम सब का यह फर्ज है और हम सबकी यह कोि ा ा भी होनी चाहिए कि जो भी सहायता वहां पर की जा सकती है वह की जाए। इस बारे मे हरियाणा सरकार ने यह फैसला किया है कि पांच करोड रूपये बिहार सरकार को बाढ पीडितो की सहायता के लिए दिया जाए। आज भााम गेंहू, टैट और दूसरी चीजो से भरी रेलगाडी करनाल से बिहार के लिए रवाना होगी। अध्यक्ष महोदय, मैने बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री निति ा कुमार जी से भी इस बारे बात की है कि जो भी सहायता हरियाणा सरकार कर सकती है वह हम करने की कोि ा ा करेगे।

डा0 सु ीला इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार द्वारा जो सहायता दी गई है उसके बारे मे मै इतना ही कहना चाहूंगा कि पांच करोड रूपये की रा ि ा जो दी गई है वह बहुत ही अच्छी बात है लेकिन मै यहां पर यह भी कहना चाहूंगा कि वहां पर कोई भी महामारी फैलने की आं ांका हो सकती है इसलिए वहा पर दवाईयां और डाक्टरज भिजवाने के बारे मे भी विचार करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः क्या आप लोग अपनी तरफ से या अपनी पार्टी की तरफ से कुछ डाक्टर्ज वगैरा भिजवाने को तैयार है ?

डा0 सु ाीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, यह सब की ज्वायंट जिम्मेवारी होती है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहा है कि वहां के माननीय मुख्यमंत्री श्री निति ा कुमार जी मेरी बात हुई है। उनको दवाईयों और डाक्टर्ज की या जिस भी चीज की जरूरत होगी वह हम देने का प्रयास करेगे।

सरकारी संकल्प

हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओ को सम्मान देने बारे।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliametary Affairsa Minister will move an official resolution.

बिजली मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, यह सदन ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता हमारी राजधानी चण्डीगढ निवासी अभिन्व बिन्द्रा, हरियाणा की माटी के लालो, कांस्य पदक विजेता बाक्सर विजेन्द्र सिंह कांस्य पदक विजैता रैसलर सु ाील कुमार, औलम्पिक बाक्सर श्री अखिल कुमार, श्री जितेन्द्र कुमार भाटलर कुमारी साइना नेहावाल, डिस्कस थ्रोवर श्री कि ान सिंह पूनिंया, भाूटर संजीव राजपूत, बाक्सर श्री दिने ा कुमार, रैसलर श्री योगे वर दत और हमारे बाक्सिंग कोच श्री

जगदी ा सिंह जी की ओलम्पिक गेम्ज मे ऐतिहासिक विजय के लिए उनको मुबारिकबाद देता है। अध्यक्ष महोदय, इन खिलाडियो ने भारत का सिर फरख से पूरी दुनिया मे ऊंचा किया है। ये खिलाडी भारत के तिरगे को खेल जगत मे ि ार्शतम स्थान पर लेकर गए है। हरियाणा सरकार ने उद्धार हदयता का परिचय देते हुए इन खिलाडियो की और इनके ट्रैनरज कोचिज को नकद रा ि ा व क्लास ए की नौकरियों से नवाजित किया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने और हरियाणा सरकार ने खेल मे खिलाडियो की भावना को देखते हुए यह निर्णय लिया है कि हवा सिंह जो बाक्सिंग के कोच है और भिवानी से बाक्सर भी रहे है उनके नाम पर भिवानी मे बाक्सिंग अकैडमी बनाएंगे। मै और यह सदन चाहता है कि हरियाणा के बेटे और बेटिया हरियाणा का नाम दे ा मे और दुनिया मे रो ान करते रहे, यही कामना करते है।

Speaker Sir, **I** beg to move—

"That this House lauds and records its deep appreciation for the commendable performance and iauries eained for the country by Gold Medalist Shooter Abhinav Bindra from Chandigarh, sons of soil of Haryana namely; Bronze Medalist Boxer Vijender Kumar; Bronze Medalist, Wrestler Sushil Kumar; Olympians Boxer Aklul Kumar; Boxer Jitender Kumar; Shuttler Saina Nehwal; Discus Thrower Krishna Puma; Shooter Sanjiv Rajpoot; Boxer Dinesh Kumar; Wrestler Yogeshwar Dutt and Shri Jagdish Singh; Boxing Coach and other respective Coaches. By winning the Medals

and bringing laurels, all these player have made history in their respective games and kept the Indian National Flag flying high in the world of sports. Haryana Government has shown exceptional encouragement in awarding suitable rewards and employment to many of these players and will continue to encourage the sports in the State."

Mr. Speaker: Motion moved-

'That this House lauds and records its deep appreciation for the commendable performance and laurels earned for the country by Gold Medalist Shooter Abhinav Bindra from Chandigarh sons of soil of Haryana namely; Bronze Medalist Boxer Vijender Kumar, Bronze Medalist Wrestler Sushil Kumar: Olympians Boxer Akhil Kumar; Boxer Jitender Kumar; Shuttler Saina Nehwal; Discus Thrower Krishna Punia; Shooter Sanjiv Rajpoot; Boxer Dinesh Kumar; Wrestler Yogeshwar Dutt and Shri Jagdish Singh, Boxing Coach and other respective Coaches. By winning the Medals and bringing laurels, all these players have made history in their respective games and kept the Indian National Flag flying high in the world of sports. Haryana Government has shown exceptional encouragement in awarding suitable rewards and employment to many of these players and will continue to encourage the sports in the State."

Minister of State for Forests (Smt. Kiran Chaudhry) : Speaker Sir, this is indeed a matter of great pride and honour for the entire nation that today our youngachievers, our sportspersons have come back with medals for the country. After aspan of long decade this has been made possible and **I** would commend thesesportspersons

for their wonderful work. They have put in for the great achievementthat they have made on international fora which the earlier was not done. Mr. Speaker,Sir, I am reminding today Ch. Surender Singh. He is not in this House, he is no longerwith us but his words revive in my mind time and again. I remember his saying thatone day Haryana will make its name. As far as sports is concerned, that dream hascome to be completed. In 1986 SAI Hostel was brought in Bhiwani by Ch. SurenderSingh Ji because he recognized the fact that there is immense talent in the State andthese boys have to be given all kind of impetus, so that they can come forward.Today, I think personally also, I find a great deal of satisfaction that the dream ofCh. Surender Singh has been realized and our Government, Ch. Bhupinder Singh ji'sGovernment today has gone forward and has given so many incentives for thesportspersons so that, in future Haryana could become No.1 State in the country, as far*as* the sports is concerned. Mr. Speaker Sir, what the boys did at Beijing was absolutely commendable. I would say that the eyes of people of the entire nation were on them and they were looking which they have performed. However, what we laud them would be less because in one single stroke they have brought the focus of the entirezation, because without sports and without sportsmanship sprit. there is nothing.That is really worthwhile in ones life. These boys have set a, trend and they have oecome role model for the entire nation. It is a fact that one day India will take a ghtful place in the pantheon of nation on the Olympics feats. Mr. Speaker Sir, our vernment under the leadership of Mr. Bhupinder Singh Hooda, had announced, le we were in Beijing, that Rs. 25 Lacs would be given to each boy who had tered in the quarter final. I must tell you that I

was in the Beijing and I saw these toys while fighting. They went into the boxing arena with so much pride and piration because their Government was behind them and they were being supported the Government. This is one of the major factors which pushed them and preparedem for victory. Apart from that our Government had also announced that Rs.501acs .suld be given to Bronze Medalist, Rs. 1 crore would he given to Silver Medalistacd Rs 2 crores would be given to the Gold Medalist.Forthe first time,it has sappened that our Government has recorded theeffort sofeventh osepeople/coacheswho had put so much of work and who had given so much their time towards the training of these boys. Their efforts have *been* applauded by the Government and Rs. 25 lacs have already been given to Mr. Jagciish Singh who had given coaching to these boys. In future, other coaches will also be given money in the same manner. This is only an act of giving incentive to those people so that more and more people realize the fact that sports is an arena where an international achievement can be worked for in such a manner that the entire nation is applauding. Mr. Speaker Sir, apart from that, for the first time, it has happened in Haryana that these boys who came back with laurels for our country, have been awarded the post of DSPs in the Police Department. I don't think that it has happened ever before and this is a great thing. I must thank our Hon'ble Chief Minister for giving them this pride and for giving them incentives so that in future these boys who come from very ordinary background and where they do not have wherewithal to come forward, will have incentives to come forward and say, yes' we have to do better, we have to achieve better and we have to go forward to achieve the laurels not only for ourselves and for State but also for the

nation as a whole. Mr. Speaker Sir, day before yesterday, we had a commemoration ceremony for them and all the boys were in Bhiwani. Our Hon'ble Chief Minister has announced a coaching academy there in the name of Mr. Hawa Singh Ji who was the first boxer of Haryana. I am thankful to the Hon'ble Chief Minister who is doing so because this will go a long way in bringing forward these boys because every single boy today in the village is looking forward to become a Vijender Kumar, to become a Jitender Kumar, to become a -Akhil Kumar and to become an other disciple of the sports. This is the way that these boys have actually got together the entire imagination of the nation. Speaker Sir, apart from that, I would like to thank and record my appreciation to the Hon'ble Union Minister of State for Sports, Mr. M.S. Gill who has sanctioned five more hostels which will cost something amounting to Rs. 100 crores with a proper academy of international level facilities. Apart from that, Mr. Speaker Sir, I think it has happened for the first time that our Government has taken keen interests to such an extent. Especially, we have constructed 161 sports stadiums at every block level. This has never been done before. This is a very great achievement. I mean this must be recorded in the coming annals of history that the Congress Government which came to power under the leadership of Mr. Bhupinder Singh Hooda had done such a commendable work and brought up rural children because there is immense talent in the rural areas. Speaker Sir, we are in the process of formulating a sports policy, which is a very holistic and transparent policy, which is going to be emphasized to sports and this will be a guiding force for our sports-persons of the State for the next 20-30 years. Apart from that, the Youth Affairs Department also. Mr. Speaker Sir, is in the process of

formulating another polices for youth affairs which can be done for the first time. This is being done keeping into this aspect and that is important for the future generation, and we have taken it into account. We must prepare them right from the very beginning and this is a human resource which we can develop to such an extent who can in the future become strong & intelligent .citizens of our State and also of the country. Mr. Speaker Sir, in the end, I Would also like to add that sports is a medium. It is national and an international language and it bridges all gaps. The amount of pride One has when the tri-colour goes up and at the international fora, is something which is beyond imagination and beyond expression of all work. Mr. Spekaer Sir. Sports is a medium which shold be kept above politics because it is a way of life which teachers that what is good and how far a person can achieve. And these very aspects are something that we must carry forward and this tradition should be followed by all of us, irrespective of caste and creed, irrespective of whichgever party we belong because only then we can hold our head high and bring it forward. Thank you.

वित मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, बीजिग ओलम्पिक मे जो दे ा की उपलब्धि है उसमे आज से 80 वर्श पहले यानि वर्श 1928 मे हमने पार्टिसिपेट करना भ्रुरू किया था। पहली बार ऐसा हुआ है कि ओलम्पिक मे तीन व्यक्तिगत पदक भारत ने जीत है, एक गोल्ड मैडल और दो कांस्य पदक जीते है। स्पीकर साहब, अगर सही मायनो मे देखा जाए तो हरियाणा को जो पार्टिसिपे ान मैडल जीतने मे है जो एक सीमा तक कभी

क्रास नही होता था, उस उपलब्धि के बारे मे कहना चाहूंगा। एक डिसिप्लन मे 64 आदमी जाते है। 64 जो दुनिया के टांप प्लेयर है, वे उसके जाते है। उनमे से जीतने वालो को सब इनाम देते है। 64 मे जगह बनाना और जहां दुनिया के 204 दे ा जहां पर अपनी ताकत झोक रहे हो उनमे हरियाणा प्रदे ा के जिन प्लेयर्स के नाम अभी लिये गए, प्रस्ताव रखते हुए जिनका जिकर श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला जी ने किया और स्पोर्टस मिनिस्टर ने भी जिकर किया, उनमे से एक दर्जन के लगभग हरियाणा कै बच्चे आर्मी के थ्रू पार्टिसिपेट करते है। एक दर्जन से ज्यादा व्यक्तिगत स्पर्धाओ मे हिस्सा लेने मे यह काम पहली बार हमारी सरकार ने किया है। कई बात तो मै यह सोचता हू कि इसमे मुख्यमंत्री ने जो बात की है यह एक रिवर्स ट्रैड है। जीतने वाले को तो सब देते है लेकिन इन्होने यह किया है कि जो औलम्पिक मे जाने लायक होगा उसे भी 11 लाख रूपये तो कम से कम देगे। **इस समय मेजे थपथपाई गई।** एक पार्टिसिपैट दिने ा जो बाक्सिंग के फर्स्ट राउड मे हार गया था उसके किसी रि तेदार ने मुझे कहा कि दिने ा मेरा रि तेदार है और यह कहा का इंसाफ है कि दिने ा को कोई इनाम नही मिलेगा। हो सकता है कि बाकी जो पहुच गए उनमे से किसी को 21 लाख, किसी को 50 लाख मिलेगे। मैने जब इस बात का जिकर मुख्यमंत्री जी से किया और कहा कि उस बच्चे को पैसे मिलेगे। तो किसी को जय जयकार मिलेगी लेकिन प्रयास तो उसका भी था। इस बारे मे हमने एक नयी सोच के सथ काम किया। मै खेल जगत से बहुत जुडा हुआ हू। पहले तो यह प्रथा

रही है कि जो मुख्यमंत्री होते थे उनके बेटे या तो औलम्पिक ऐसोसिए ान के जनरल सैक्रेटरी बने या अध्यक्ष बने । ये गलत है, ये प्रथाये गलत है, इनको तोडने चाहिए। जो स्पोर्टसमैन है हम उनका सम्मान भी करते है। यह जरूरी नही कि जो मुख्यमंत्री जी का बेटा है वही स्पोर्ट एकेडमी या स्पोर्टस आरगेनाईजे ान चला सकता है। दूसरा कोई नही चला सकता। दूसरो को भी तो मौका मिलना चाहिए। इस सारे के सारे ढांचे को बदलने की जरूरत है। मुझे अच्छी तरह से यादा है जब श्री सुरेन्द्र सिंह जी वालीवाल ऐसोसिए ान के अध्यक्ष थे या जनरल सैक्रेटरी थे तब हमारी वालीबाल की टीम इण्डिया के फर्स्ट आई थी और हमने चैम्पियनि ाप जीती थी, जब अभय सिंह चौटाला आये तब भी हमने चैम्पियनि ाप जीती थी। लेकिन उसका जो बेल आउट है वह बडा भयानक है। जब सरकार बदलती है तो उस आदमी का प्रयास होता है चाहे वह सुरेन्द्र सिंह है या मेरे पडौसी श्री चन्द्र मोहन जी हो क्योंकि इनका भी खेल से संबध रहा है चाहे अभय सिंह चौटाला हो तो उस आदमी को जो पहले अध्यक्ष या जनरल सैक्रेटरी है उसको नैलीफाई करने की कोि ा ा होती है। सरकार बदलने के बाद यह स्थिति होती है, मै इससे सहमत नही हू। मुझे अच्छी तरह से याद है जब हमारी सरकार बनी तो हरियाणा की वालीबाल की टीम जो इण्डिया मे नम्बर एक पर थी और उसने चैम्पियनि ाप जीती थी उस टीम का पाकिस्तान मे कोई टूर्नामैट होना था। वह टीम भाायद एच0एस0आई0आई0डी0सी0 की थी या किसी दूसरे विभाग की थी। जब उस टीम मे पाकिस्तान जाने के

परमि ान जाने की परमि ान मांगी तो मुख्यमंत्री जी को खु ा करने के लिए यह कहा गया कि इस टीम को पाकिस्तान जाने की परमि ान न दी जाए क्यों कि यह अभय चौटाला जी की टीम है लेकिन हमारी सरकार ने ऐसी नही यिका बल्कि उस टीम को पाकिस्तान जाने की इजाजत देकर उत्साहित किया। आज इस सोच की जरूरत है। I have been a keen sportsman जिनके नाम से आपने एकेडिमी खोली है, हवा सिंह जी, वे बाक्सिग के ऐसे प्लेयर रहे है जिन्होने आज से 40–45 साल पहले गोल्ड मैडल जीता था उस समय बाक्सिंग मे जपान और कोरिया या ईरान एि ाया मे बडी ताकत थे। जब हमारी सरकार बनी तो तब स्पोर्टस डिपार्टमैट का बजट 11 करोड रूपये होता था जिसको पिछले तीन सालो मे इस सरकार ने पांच गुण बढाया है। जो गांवो मे रूरल स्टेडियम बनाये है, वे अलग है, उनमे स्पोर्टस डिपार्टमैट का पैसा नही लगाया है। उनके लिए सरकार ने अलग से इन्सैन्टिव दिया है। मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि आज यह सोच सिर्फ हरियाणा तक बदलने की ही नही है जब तक सारे दे ा की सोच नही बदलेगी तक तक हम अच्छे रिजल्ट नही दे सकते है। आज अगर तीन मैडल मिले है तो आगे इससे भी अच्छे रिजल्ट आपको नजर आयेगे। आप भुरू से देख रहे है कि जो दे ा आर्थिक तौर पर मजबूत है तो डिवैल्पड कन्ट्रीज है मैडल भी उन्ही दे ाो ने ज्यादा जीते है। आज जापान आर्थिक तोर पर मजबतू है जिस तरीके से बढ रहा है उस कारण उसकी आर्थिक स्थिति मे ठहराव आ गया है इसलिए जापान पदक तालिका मे

नीचे के स्थान पर आ गया है। आज अमेरिका जो कभी महा ाक्ति या और आर्थिक तौर पर भी महा ाक्ति था उसकी आर्थिक व्यवस्था मे हमारे रूपये की कीमत जो पहले 48–49 रूपये एक अमेरिका डालर के बराबर होती थी आज 40 रूपये के बराबर हो गई है, उनके मैडलो मे भी कमी आई है। यह 40 साल मे पहली बार हुआ है, नही तो अमेरिका मैडल तालिका मे नम्बर एक पर रहता था, जब से यू0एस0एस0आर0 नही रहा है। मेर कहने का अभिप्राय यह है कि आर्थिक तौर पर जो दे ा तरक्की करेगा उस दे ा को मैडल स्वाभाविक आयेगे। मै यह मानता हू कि भारत का मैडल टैली मे हालाकिं 50वां नम्बर है लेकिन मै एक बात से सहमत हू कि जो हमारे बच्चे है उनमे यह प्रतिभा है और वह दम है जिसके द्वारा हम उनको वि व स्तर के किसी भी गेम्ज म`ले जा सकते है। आज हरियाणा मे वालीबाल गेम को प्रोत्साहन मिलना चाहिए व बास्केट बाल आदि गेम को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री जी का किलाई क्षेत्र जो किलोई कास्टूच्यूंसी का हैडक्वार्टर है उस गांव की परम्परा रही है कि वहां से दे ा की बास्केट बाल की टीम मे एक, दो या ती प्लेयर हमे ाा रहे है और आज मुझे नही पता कि वहां क्या पोजी ान है। इस तरह सोनीपत से सुसाना गांव ने वालीबाल के इंटरनै ानल खिलाडी पैदा किए है व कुरूक्षेत्र के अमीन गांव से वालीबाल के खिलाडी हुए है। मै तो यह कहता है कि आज तक हिन्दुस्तान मे वालीबाल के जितने भी खिलाडी हुए है वे हरियाणा से ही रहे है। बल्लू उर्फ बलंवत सिंह जो भाायद अब बी0एस0एफ0 से रिटायर हो गए है उससे

बढिया आज तक इस दे ा मे कोई वालीबाल का प्लेयर पैदा नही हुआ। खु ीराम जो गौतम से भी एक फलांद लम्बा है उनसे बढिया बास्कैट बात का कोई प्लेयर आज तक नही हुआ। हंवा सिंह जिसके नाम से स्पोर्ट एकेडमी बनने जा रही है। उसका ि ाश्य महताब सिंह वह भी गोल्ड मैडल लेकर आया है। ऐसी ऐसी प्रतिभा हरियाणा के बच्चो मे है, लेकिन कोई बच्चा प्रयास करता है और उसके प्रयासों को राजनीतिक कारणो थि ाल बना दिया जाए, राजनीतिक कारणो से हमारी प्रतिभाओ को साइड ट्रैक कर दिया जाए। राजनीतिक कारणो से हमारी प्रतिभाओ को साइट ट्रैक कर दिया जाए तो वह सोचनीय बात है। हमे इस चीज के लिए हरियाणा ने पुख्ता इंतजाम करना पडेगा। तो वह सोचनीय बात है। हमे चीज के लिए हरियाणा मे पुख्ता इंतजाम करना पडेगा। अध्यक्ष महोदय, मै तो इतनी बात कह सकता हू कि जहां तक वित विभाग का सम्बन्ध है, स्पोर्टस डिपार्टमैट कितनी ही बडी स्कीम लेकर आए हम उनको एकोमोडेट करने के लिए तैयार है आज के दिन अगर हम यह समझते है कि हम ि ाक्षा के क्षेत्र मे ऊपर उठे तो ि ाक्षा मे वही आदमी बडा उठ सकता है। जो स्पोर्ट्स मे भी ऊपर हो। मैने देखा है कि साधारण व्यक्तित्व का आदमी बडा स्पोर्टसमैन नही हो सकता। मेरा क्रिकेट से सम्बन्ध रहा है। बहुत से क्रिकेटर्ज को मैने देखा है, या तो वे आई0आई0टी0 है या इंजीनियर है या उनमे से कोई ऐसे है जो एकैडमिकली बहुत प्रतिभा ाली है। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहूंगा कि हमे ि ाक्षा के साथ साथ खेलों को भी प्रोत्साहन देना

चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप हिसार की एच0ए0यू0 यूनिवर्सिटी मे स्टूडैट रहे है, आपे समय मे स्पोर्टस कालेज था, वह स्पोर्ट्स कालेज बन्द होने से हमारे बच्चो का नुकसान हुआ है मेरे कहने का मतलब यह है कि हमारा मानसिक दृश्टिकोण ऐसा बन गया है कि हमारे कोच बच्चो को इतनी ट्रेनिंग देते है कि लडका स्पोर्टस के नाम पर पुलिस मे भर्ती हो जाए या फिर फौज मे भर्ती हो जाए। यह दृश्टिकोण होने से सबसे दुखद अध्याय तब भुरू होता है जब उसको नौकरी मिल जाती है उसके बाद वह स्पोर्ट्स को तिलाजली दे देता है और कहता है कि मेरा काम हो गया अब मुझे खेलो से क्या लेना देना। इस एटीच्यूड को बदलने के लिए स्पोर्टस के लिए जो नीति बनेगी उसमे हमे ऐसा प्रावधा करना पडेगा कि खेलो की तरफ से उनका रूझान कम ने हो अगर ऐसा हम कर सके तो एक समय ऐसा आएगा कि मै यह कह सकता हू कि कुछ ऐसे गेम्ज है जिनमे हम को कोई छू भी नही सकता। एि ाया के छूने की तो बात ही नही, हम इथोपिया और केन्या जैसे कंट्रीज को भी पीछे छोड जाएगे। जैमाइका जहां की आबादी 4 लाख की है उन्होने 6 गोल्ड मैडल जीते है जबकि हमारी आबादी 110 करोड से भी ज्यादा है फिर भी हमने एक गोल्ड मैडल जीता है। हमारे को खु ाी तो बहुत है लेकिन मै इसको इतनी बडी खु ाी नही मानता। इस विशय मे चिन्तन की आव यकता है कि हमने 3 ही मैडल क्यों जीते, 30 क्यों नही जीत सकते। कहीं न कही हमारे सगठंन मे कमी है या हमारी स्पोर्ट्स की जो फैडरे ान है, या स्पोर्ट्स की जो एसोसिएं ांज

है, उनमे कमी है। उन पर कही बिरला का कब्जा है और कही सैटर के मंत्री का कब्जा है और कही सैटर के एम0पी0 का कब्जा है। कही कही तो कोई लम्बे सयम से ऐसे कब्जा किए हुए बैठे है जैसे कि वे हमे ाा यही रहेगे और उसका खामियाजा ऐसे प्लेयर्ज को भुगतना पडता है जिनमे कुछ करने की प्रतिभा है और कुछ करने की दम है। सर, हम यह चाहते है कि हर क्षेत्र मे हरियाणा एक मिसाल बने और नम्बर एक प्रदे ा बने। चाहे स्पोर्ट्स की बात हो, चाहे आर्थिक दृश्टिकोण की बात हो, चाहे खेतीबाडी मे पैदावार बढाने की बात हो या पढाई मे अपने आपको एक्सल करने की बात हो। इनसे हमे ज्यादा समृद्धि मिलेगी और य ा भी मिलेगा तथा नौजवानो का साथ भी मिलेगा। हमारे नोज्वान अपने आपको गौरवान्वित महसूस करेगे कि वे हरियाणा के है और उन्हे सब सुविधाएं उपलब्ध है ऐसा करके ही हम खेलो मे एक नई व्यवस्था स्थापित कर पायेगे। अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री जी से एक बात जरूर कहूंगा कि ये मेरे से बगैर पूछे ही अनाऊंसमैट कर देते है कि दो करोड रूपये देगे या तीन करोड रूपये देगे। अनाऊसंमैट करने से पहले मुख्यमंत्री जी कम से कम मेरे से पूछ तो लिया करे। इस बारे मे जब इनसे बात करते है तो कहते है कि क्या पूछना, आप तो कहते हो कि खजाना भरा पडा है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी का स्पोर्ट्स के प्रति जो एटीच्यूट है, जो डिसींजंस स्पोर्ट्स के लिए इन्होने लिये है वे अच्छे डिसीजन लिये है तथा स्पोर्ट्स को प्रदे ा मे आगे बढाने के लिए बहुत सी जगहों पर ठीक नही है। हर जिले मे जिला ओलम्पिक्स

एसोि ाये ान का अध्यक्ष डिप्टी कमी ानर को बनाया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जिन डिप्टी कमी ानर ने कभी गुल्ली डंडा नही खेला हो उसको भी आप जिला ओलम्पिक ऐसोि ाए ान का अध्यक्ष बना देते हो। जब इस बारे मे पूछते है तो कहते है कि यह चंदा इकट्ठा करवा देता है। This should not be the criteria. अध्यक्ष महोदय, स्पोट्र्स पर्सन्ज है। मैने उन एसोि ायें ांज मे भाामिल करना चाहिए। हमारे यहां बहुत से डैडीकेटिड स्पोट्र्स पर्सन्ज है मैने ऐसे ऐसे आदमी देखे है जिन्होने अपनी सारी जिन्दगी स्पोट्र्स मे लगा दी है। जब तक हम एसोि ाये ांज मे और फडरे ांज मे आमुलचूल परिवर्तन नही करेगे और स्पोट्र्स से जुडे हुए लोगो को इनमे नही लेकर आयेगे तक तक हम स्पोट्र्स को आगे नही ले जा सकते। इसके अतिरिक्त जब तक हम जी0डी0पी0 का एक प्रति ात का हिस्सा स्पोट्र्स के लिए नही रखेगे तब तक हम स्पोट्र्स को बढावा नही दे सकते। अध्यक्ष महोदय, जैसा हम कहते है कि यदि एजूके ान को बढावा देना है तो स्टेट जी0डी0पी0 का इतना प्रति ात हिस्सा एजूके न के लिए खर्च किया जाये और यदि हैल्थ सर्विसिज को बढावा देना है तो स्टेट जी0डी0पी0 का इतना प्रति ात हैल्थ सर्विसिज के लिए अपनाने चाहिए और जी0डी0पी0 का कुछ हिस्सा स्पोट्र्स मे देना चाहिए ताकि दे ा मे और दुनिया मे हम एक भाक्ति के रूप मे जाने जाये।

श्री एस0एस0 सुरजेवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, मै सबसे पहले मुख्यमंत्री जी को और हरियाणा को बधाई देता हू कि उन्होने बहुत ही आगे बढकर पूरे दे ा मे सबसे पहले ओलम्पिक्स मे अच्छा प्रद र्न करने वाले खिलाडियो को सम्मानित किया हे इवन पजांब सरकार ने भी पहल नही दिखाई जबकि वंहा के एक लडके ने पहली बार ओलम्पिक मे गोल्ड मैडल जीता है। हरियाणा सरकार ने मैडल जीतने वाले खिलाडियो को पैसे दिए और सरकारी नौकरियो भी देकर उनको सम्मानित किया है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा के दो तीन लडको को डी0एस0पी0 बनाने का ऐलान भी किया है। अध्यक्ष महोदय, मै तो यह समझता हू कि अच्छा होता यदि इन खिलाडियो को इनके स्टेट्स के मुताबिक इन्हे स्पोट्र्स विभाग मे डिप्टी डायरैक्ट या ज्वांयट डायरैक्टर बनाया जाता ताकि वे और खिलाडियो को भी एनकरेज करते। अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि हमारे नौजवान पुलिस की या फौज की नौकरियां पाने के लिए स्पोट्र्स मे हिस्सा लेते है। यह सही है कि हमारे नौजवान जिला लैवल पर या स्टेट लैवल पर स्पोट्र्स मे हिस्सा लेते है कि उन्हे कोई सर्टीफिकेट मिल जाये और वे पुलिस मे भर्ती हो जाये। मुख्यमंत्री जी ने ओलम्पिक मे अच्छा प्रद र्न करने वाले जिन तीन लडको को डी0एस0पी0 की पोस्ट दी है भाायद वे अब खेलना बंद कर दे क्योंकि उन्हे पुलिस कार्यवाही की नौकरी मिल गई और वे सोचगे कि वे डी0जी0पी0 रिटायर होगे। खैर जो किया है, बहुत अच्छा किया है। अभी लम्बा सफर बाकी है यह भाुरूआत मात्र है।

हरियाणा सरकार प्रदे ा मे जो स्पोर्टस नीति बनाने जा रही है उसके लिए मै सरकार को बधाई देता हू। स्पोट्र्स नीति मे बहुत सी बाते है जिनके बारे मे वित मंत्री जी ने और दूसरे साथियो ने भी बहुत से सुझाव दिए है। हमारे प्रदे ा मे बहुत ज्यादा पोटैि ायल है। अध्यक्ष महोदय, सरकार के पास पैसा सीमित होता है और जब यह सरकार बनी उस समय 8 या 10 करोड रूपये का हमारे प्रदे ा के स्पोट्र्स विभाग का बजट था। अध्यक्ष महोदय, मैने कभी कोई गेम नही खेली और न ही हाई स्कूल के बाद अथेलिटिक्स मे पार्टिसिफेट किया। लेकिन इसके बावजूद भी मेरी स्पोट्र्स मे बहुत दिलचस्पी है। मै आपको याद दिलाना चाहूंगा कि विधान सभा के प्रत्येक सै ान मे मै स्पोट्र्स पर जरूर बोलता हू। अंर्तआत्मा से भी स्पोट्र्स के प्रति मेरी बहुत जबरदस्त फिलिगंस है कि स्पोट्र्स से हम पीछे क्यो है। हमारा इतना अच्छा पोटैि ायल है कुदरती तौर से हमारी सेहत भी अच्छी है, हमारे कद भी अच्छे है, हमारे नौजवानो मे जब कुछ मौजूद है और इतना सब होने के बाद भी हम खेलो मे बहुत पीछे है। मुझे याद है जब हम गांव मे स्कूल मे पढते थे तो उस समय गावों मे भााम के वक्त बहुत ज्यादा खेल खेले जाते थे। भााम के वक्त पूरे का पूरा गांव ही खेल के मैदान मे एकत्रित हो जाया करता था। कुछ द र्क होते थे और बाकी सब खेलने वाले होते थे। कोई कु ती खेलता था, कोई कबड्डी खेलता था, कोई लकडी के मुदगर उठाता था, कोई वेट लिफिटंग करता था ओर इसके अलावा भी प्रत्येक आयु वर्ग के लोगो के मुताबिक बे ाुमार किस्म के खेल होते थे। गुल्ली डंडे

जैसे भी बहुत से खेल होते थे लेकिन अब वे सारे के सारे टोटली खत्म हो गये है। आज गावों मे खेल नाम की कोई चीज नही रह गई है न तो कोई खेलने वाले रह गये है और न ही खेल के मैदान ही रह गये है। अनफारचूनेटली मुझे दुख है ओर हो सकता है कि मेरी इस बात से कुछ लोगो को नाराजगी भी हो। मै यह कहना चाहता हू कि क्रिकेट ने हमारी बाकी सब स्पोट्र्स का जितना नुकसान किया है उतना भाायद ही किसी दूसरी गेम ने किया होगा। आज जब भी कोई एम0एल0ए0 या एम0पी0 किसी गांव मे जाता है तो वहां के बच्चे उनसे एक ही डिमाण्ड करते है कि उन्हें क्रिकेट कि किट दिलवा दे। क्रिकेट के नाम पर यह एक तमा ाा बना हुआ है। जहां पर बच्चो को क्रिकेट की किटे नही मिलती वहां वे ईटे रखकर खेलते हुए मिल जायेगे। गली गली मे और सडको पर भी बच्चे क्रिकेट खेलते मिल जायेगे। कारण सिर्फ यही है कि क्रिकेट मे पैसा है और यह टेलीविजन द्वारा जो बडे बउे लोग है वे विज्ञापनों के द्वारा और दूसरी चीजो के द्वारा क्रिकेट से रूपया इकठ्ठा करते है इसी कारण क्रिकेट ने फुटबाल, वांलीबाल, रस्साकस्सी, कु ती, जैसे दूसरे सभी खेलो के ऊपर पानी फेर दिया है। इसलिए मै यह चाहूंगा कि जो नीति बने उसमे जो हमारे यहां बहुत से इण्डस्ट्रीलिस्ट है, इण्डस्ट्रीज हाऊसिज है, जिनकी हरियाणा मे कोई कमी नही है और हमारे यहां कोई ऐसे अदारे है बोर्ड्स है, कारपोरे ानज है जो कि बहुत मुनाफा कमा रहे है, हरियाणा मे 5–6 यूनिवर्सिटीज भी है और बहुत से कालेजिज भी है, उनके जिम्मे यह लगाया जाये कि उनको फला

फला गेम के लिए फाईनैस कराना है और इन्फास्ट्रक्चर बनाना है। मै समझता हू कि अगर ऐसा हो जाये तो यह लक्ष्य हम 5 साल के अन्दर अचीव कर सकते है। पांच साल मे स्टेट मे कोलैक्टिवली इन सारे अदारों और लोगो की मदद से हम प्रदे ा के सभी नौजवानो को और सभी खिलाडियो को एक बैस्ट इन्फास्ट्रक्चर तैयार करके दे सकते है। इन सबके बिना हम स्पोट्र्स मे आगे नही बढ सकेगे चाहे आपके नौजवान कितने ही बहादुर हो और कितने अच्छे खिलाडी क्यों न हो। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह भी कहना चाहूंगा कि अभी हमारे जो स्पोट्र्स पर्सन बिजेन्द्र और दूसरे सभी जो बीजिंग ओलम्पिक मे गये थे उनके साथ सिर्फ एक कोच ही गया था वही मुकाबले के दौरान उनके सभी कम जैसे मालि ा करना और पानी पिलाना इत्यादि करता था जबकि इसके विपरीत दूसरे दे ाो के जो खिलाडी बाक्सिंग के लिए गये और दूसरे खेलो मे गये उनके साथ एक कोच था, एक फीजियो वाला, एक साईकोलोजी वाला, एक साईकेट्रिस्ट और एक मालि ा करने वाला था। इस प्रकार कुल मिलाकर एक एक खिलाडी के साथ पांच पांच लोगो का ग्रुप गया था और हमारे खिलाडियो के साथ सिर्फ एक कोच था। यह बात बीजिंग ओलम्पिक मे वाईडली रिपोर्ट हुई है। अफसोस की बात यह है कि हिन्दुस्तान के जो हमारे खिलाडी वहां गये थे वहां अपनी हिम्मत से पहुचें है। उनको कोई वि ोश फैसेलिटी नही दी गई। उनके साथ केवल एक कोच था वह कोच ही उनकी मालि ा करता था और भी उसके लिए जो कुछ करता था वह कोच भी करता था।

हमारे यहां जो स्पोर्टस की नै ानल लैवल की पालिसी है चाहे वे प्राईवेट लोग है चाहे वह हमारे आदरे है और चाहे सरकारे है। चाहे कुछ भी है, मै आपका सच कहहू वे सिवाए प्रसाद बाटने के, लडडू बाटंने के और कुछ नही करते। उनकी हालत तो ऐसी ही है कि ंअंध बांटे फिरनी अपने अपने को दे। राजनीतिक तोर पर और दूसरी दृश्टि से भी ऐसे ऐसे लोगो को स्पोट्र्स के मामले मे आगे बढा दिया गया। जिनका खेलो से दूर दूर तक कोई ताल्लुक नह था, क्योंकि वे सिफारि ाी थे इसलिए उन लोगो ने विभिन्न लैवल के खेलो मे भाग लेने के लिए जिन खिलाडियो को सैलेक्ट किया था, वे भी सिफारि ाी ही थे। जो कोच रखे गये, वे भी सिफारि ाी थे। इसलिए स्पोट्र्स की टीम मे बाहर जाने के लिए जो नाम रखे गये, वे सभी सिफारि ाी थे क्योंकि उनको तो सबको खु ा करना था। इसलिए यह सब कुछ किया गया। सिफारि ाो लोगो के बेटो, भाईयो और दूसरे निकट सम्बधियों को बाहर भेजने की सिफारि ा उन्होने भी की। हम लोग भी अपने खिलाडियों को टीम मे भाामिल करने के लिए सिफारि ा करते है। यहां सब चलता ही रहता है। यह बात टोटली प्रोफै ानल होनी चाहिए और जो अच्छे लोग है और बैस्ट स्पोट्र्स पर्सन है उन्ही के आगे लाया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, मै आपका ज्यादा समय न लेते हुए एक दो बात और कहना चाहूंगा। हरियाणामे मुर्राह नस्ल की भैस जो है उसका ओर इस खुल कुद का, मुक्केबाजी का, कु ती का

आपस मे बडा भारी सम्बनध है। जहां तक मुर्राह नस्ल की भैस है वहां बैस्ट स्पोट्र्स पर्सन हो सकते है क्योंकि मुर्राह नस्ल की भैस के दूध मे बहुत ज्यादा ताकत है। दूसरी नस्ल की भैसों के दूध मे वह ताकत नही है। मै हमे ाा हरियाणा सरकार को प्रोपोज करता रहा हू। पिछली बार बोलते हुए मैने कहा था कि हर जिले मे स्पोट्र्स कालेज खोलना चाहिए। मै इंथूजियाज्म मे कुछ ज्यादा ही बोल गया। मै प्रोपोज करता हू कि हरियाणा सरकार को हर जिले मे नही तो कम से कम आधे जिलो मे तो स्पोट्र्स कालेज खोलने ही चाहिए। सरकार को कम से कम एक यूनिवर्सिटी भी खोलनी चाहिए। उतर भारत मे सिवाय इंदौर के कही पर भी स्पोट्र्स यूनिवर्सिटी नही है इसलिए क्यों न हम हरियाणा मे ही स्पोट्र्स यूनिवर्सिटी बनाये। इससे एक और बडा भारी लाभ हम उठा सकते है। आज पूरी दुनिया मे डिफ्रैट गेम्स के कोचिज की बहुत कमी है, उनकी बहुत डिमांड है। अगर आज हम हर साल हरियाणा के 10 हजार बच्चो को डिफ्रैट गेम्स की कोचिंग दिलवायें तो उनकी जिन्दगी बदल सकती है, उनको नौकरी मिल सकती है और वे हमारे और बच्चो को ट्रैंड कर सकते है। इसलिए कम्पौजिट तौर पर सरकार को इस बारे मे पूरी कोि ा ा करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहता हू कि मै खुद कभी नही खेला परन्तु भाौक की बात है कि मैने कैथल मे 20 एकड जमीन जो कि बैस्ट प्राइम लैड है और जिसकी कीमत करीब एक करोड रूपये प्रति एकड है, स्पोट्र्स विभाग को मुफ्त मे लेकर दी है। यह कैथल से दो किलोमीटर दूर पटियाला रोड पर है। सरकार ने भी

उसमे मदद की है। चार दीवारी बनाने के लिए पैसा दिया है। चारदीवारी बन चुकी है। एक करोड रूपया और दिया है। लोगो के बैठने की व्यवस्था भी करनी है। यह काम बहुत कम है। मै यह कहूंगा कि 20 एकड जमीन जो डिस्ट्रिक्ट लेवल पर है उस पर वही एक अच्छा इस्टीच्यू ान बनाओ। उसमे कम से कम दो बडे हांल और बनाये जाने चाहिए ताकि उसमे सब प्रकार के गेम्स हो सके। होस्टल की व्यवस्था भी होनी चाहिए ताकि कोचिज और स्पोट्र्स पर्सन के ठहरने की व्यवस्था हो सके। हमारे वित मंत्री जी भी कहते है कि स्पोट्र्स के लिए पैसा देगे। कालेज खोल देना चाहिए। मै इस बात का समर्थन करता हू कि हरियाणा पूरे दे ा का नम्बर एक राज्य हो सकता है। मै एक बात और कह कर अपनी बात खत्म करना चाहूंगा कि स्पोट्र्स का मतलब डिसिप्लीन, स्पोट्र्स का मतलब पैट्रियोटिज्म और स्पोट्र्स का मतलब ने ान बिल्डिंग है। मै तो नही मानता कि हमारा कोई कैरेक्टर नही है, हमारा कोई ने ान नही है, हमारा कोई कमिटमैट नही है और न ही हम दे ाभक्त है।

श्री अध्यक्षः धन्यवाद चौधरी साहब।

डा0 ि ाव भाकंर भारद्वाज (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, मै समझता हू कि भिवानी वालो के लिए यह सबसे ज्यादा खु ाी की बात है जो नगरी छोटी का ाी के रूपम मे जाने जाती थी आज मिनी क्यूबा के नाम से जानी जाती है। जो जो बच्चो मैडल जीत कर लाए है उनको बहुत ही मान सम्मान और इन्टनै ानल पहचान

मिली है। विदे ाो मे मेरे पास फोन आए है। मै समझता हू कि भिवानी के लिए यह बहुत खु ाी की बात है कि इन बच्चो ने पूरे प्रदे ा का नाम रो ान किया है और भारत दे ा का नाम वि वभर मे रो ान किया है। स्पीकर साहब, मै विजेन्द्र, जितेन्द्र, दिने ा और योगे वर दत को बहुत भाुरू से जानता हू। ये बच्चे बहुत ही साधारण और गरीब परिवारो के बच्चे है। आज मैडल आ गए है। तो भिवानी का नाम हो गया है।लेकिन इन मैडलो की नींव बहुत पहले श्री हवा सिंह जी ने रख दी थी। मै सदन के ध्यान मे यह बात लाना चाहता हू कि बार्सिलोना ओलम्पिक गेम्ज मे हमारा एक बच्चा संदीप दोलत खेल के आया था। राज कुमार सागंवान हमारे भिवानी से है उसने भी प्रदे ा का नाम खेलो मे बहुत रो ान किया था। बाक्सिंग मे भिवानी पिछले कम से कम 15 साल से इस ट्राई मे है और अब जब मैडल आए है तो आज उनकी 15 साल की प्रखर मेहनत रंग लाई है क्योंकि हमारे बच्चो और कोचो ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। हवा सिंह जी से मेरे बहुत निकट के सम्बन्ध रहे है। उनका तथा उनकी पत्नी का ईलाज करने का मुझे मौका मिला। स्पीकर साहब, मै माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हू कि उन्होने उनके नाम पर एकादमी खोलने का ऐलाना किया है। मै समझता हू कि उनका यह महान कदम कोचो को भी प्रेरणा देगा ताकि वे भी हवा सिह जी जैसा काम करे और उनके नाम पर भी कैथल या और कंही न कंही एकादमी खुल सकती है। अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान इस तरफ भी खीचना चाहूंगा कि हमारे कोचिज हवा

सिंह जी तथा जगदी ा सिंह जी ने बहुत मेहनत की है लेकिन और भी बहुत से कोचिज है जो लगातार बहुत ज्यादा मेहनत कर रहे है। उनमे से एक कोच श्री विश्णु भगवान भी है, जिन्होने बहुत मेहनत की है। मै यह प्रार्था करूंगा कि उनको भी कुछ न कुछ प्रोत्साहन दिया जाए ताकि और ज्यादा से ज्यादा लोग प्लेयर बन ज्यादा सै ज्यादा लोग कोचिज बने। अध्यक्ष महोदय, मै दो बातो के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। एक बात तो यह है कि यह जो साई होस्टल है वह एक बात वर्श 2005 मे वहां से ि ाफ्ट होने वाला था। जब माननीय मुख्यमंत्री जी होस्पीटल का उद्घाटन करने भिवानी मे आए थे तो हमने उनसे यह प्रार्थना की थी कि इस होस्टल को यहां ि ाफ्ट न किया जाए तो उन्होने हमारी यह प्रार्थना स्वीकार की थी और उस साई होस्टल को वहां पर रहने दिया था जिसके कारण हमारे इन बच्चो को वहां पर मेहनत करने का मौका मिला और आज इसका परिणाम है कि साई होस्टल भिवानी मे न केवल हरियाणा प्रदे ा मे बल्कि दे ा का नाम भी पूरे वि व मे ऊंचा किया है। दूसरी बात जिसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हू वह फेलिसिटे ान फक्ं ान का भिवानी मे आयोजन करना है फेलिसिटे ान फंक ान इनाम देने की प्रक्रिया आमतौर से राजधानी मे करते है। इस प्रकार के फंक ान या तो चण्डीगढ मे या फिर दिल्ली मे आयोजीत किये जाते है लेकिन इस बार यह फंक ान भिवानी मे आयोजित किया गया, इसके लिए मै माननीय मुख्यंमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हू। वहां की माटी का

सबसे ज्यादा इसमे योगदान था, वहां के बच्चे कितने उत्साहित थे और वहां के लोग इस बात को देख कर कितने खु ा थे कि हमारे अडौस पडोस मे जो बच्चे थे और वहां के लोग इस बात को देख कर कितने खु ा थे हमारे अडौस पडोस के जो बच्चे पैदा हुए है, वे मैडल ले कर आ सकते है। इसके कारण वहां पर खेलो के प्रति जनरल अवेयरनैस भी बढी है और मै समझता हू कि इससे बहुत बडी प्ररेणा भी लोगो को मिलेगी। हमारे भिवानी मे एक कहावत भी प्रचलित है कि दे ा की पुरी टीम एक तरफ और गांव बामला की टीम एक तरफ है। बामला गांव हमारा एक ऐसा गांव है जहां पर कु ती के अच्छे अच्छे पहलवान हुए है। स्पीकर सर, जिस प्रकार से भिवानी मे बाक्सिग की एकादमी बनाई जा रही है अगर कु ती की एकादमी भी वहां पर बना दी जाए तो मै पूरे वि वास के साथ कह सकता हू कि आगे वाले समय मे उसके बहुत ही अच्छे परिणाम मिलेगे। इसमे कोई भाक नही है कि माननीय सुरजेवाला जी ने भी कहा है कि खेलो से न केवल सेहत अच्छी होती है बल्कि इनसे हम अनु ाासन सीखते है, दे ाभक्ति सीखते है और खेलो मे भाईचारा भी बढता है। खेलो को जिनता भी प्रोत्साहन मिलेगा वह अच्छा रहेगा। स्पीकर साहब, अन्त मे मै केवल इतना ही कहना चाहता हू कि माननीय सुरजेवाला जी ने स्पोटर्स यूनिवर्सिटी की बात कही है। मै समझता हू कि स्पोटर्स यूनिवर्सिटी खोलने के लिए भिवानी बहुत ज्यादा उपयुक्त स्थान रहेगा। अगर माननीय मुख्यमंत्री जी हम इस बारे मे कंसीडर करेगे

तो मै समझता हू कि हम उनके बहुत की धन्यवादी होगी। धन्यवाद।

डा0 सु ील इन्दौरा (एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत धन्यवाद। हमारे प्रदे ा और दे ा के खिलाडियो ने बीजिंग औलम्पिक मे जो नाम रो ान किया है वह पूरे हरियाणा प्रदे ा के लिए गर्व की बात है। खिलाडी चाहे किन्ही भी हालात मे रहे हो हमारे मैडल चाहे कम आए हो लेकिन उससे हमे एक पहचान मिली है और हमे बहुत गौरव प्राप्त हुआ है। मै देख रहा था कि जैसे हमारे सु ील कुमार, विजेन्द्र और दूसरे खिलाडी है वे बहुत ही साधारण और गरीब परिवार से रहे है। उन्होने गरीबी के हालात हो, कुछ भी हो अगर हमारा हौसला बुलंद हो तो कामयाबी की राहे हम पार कर सकते है। जैसा कि डाक्टर साहब ने कहा और मै भी कहता हू कि जब हम कोई भी जंग जीतते है तो जय भवानी के नाम से नारा लगाते है जय भवानी और भिवानी मे कोई फर्कनही है और मेरे लिए भी फरख की बात है कि मै भी भिवानी जिले का हू। अध्यक्ष महोदय, मै भी हमारे उन साथियो को तह दिल से मुबारिकबाद देता हू। अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि खेलो मे कोई राजनीति नही होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चाहे खेल का मैदान हो या कोई और मैदान हो, सामूहिक प्रयासो से ऐसी जंग जीती जाती है। इससे व्यक्तिगत प्रयास भी बहुत कामयाब होते है। मै इस बात के लिए भाई अभय सिंह चौटाला जी को बहुत बहुत धन्यवाद दूंगा

क्योंकि उनके व्यक्तिगत प्रयासो से..... (ाोर एवम व्यवधान) यह मै नही कह रहा हू इस बारे मे पूरे हरियाणा मे चर्चा है कि अभय सिंह चौटाला हरियाणा प्रदे ा के ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष है और बीरेन्द्र सिह जी ने भी कहा है कि वे अध्यक्ष है। प्रयास उनका भी रहा होगा। मै सुरेन्द्र सिंह का भी यहां पर जिकर करूंगा कि प्रयास उनका भी रहा होगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः प्रयास रहा होगा। आपने मेरी बात सुनी नही है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, उनके अच्छे प्रयास रहे होगे। इस तरह से चन्द्रमोहन जी के भी प्रयास रहे होगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः आपने सुना नही कि मैने अंत मे कहा था कि स्पोट्र्स को राजनीति से ऊपर उठाया जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौराः मै भी तो यही बात कह रहा हू कि स्पोट्र्स को राजनीति से ऊपर उठाना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान) मै यही कह रहा हू कि उस वक्त जो उन्होने जो थोडे प्रयास किए होगे वे ईमानदारी से किए होगे। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै अभय सिह चौटाला जी का बहुत धन्यवाद करता हू और भिवानी के लोग खुद यह कहते है कि उन्होने खुद जा जा जाकर लोगो को प्रोत्साहित किया था। (ाोर

एवम व्यवधान) मै तो यह बात भी कहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी तो खुद पहलवान थे। (ाोर एवम व्यवधान) हमारी पार्टी की जो नीतियां है वे चौधरी देवी लाल जी की नीतिया है। अध्यक्ष महोदय, जब खेल हो रहे थे उस वक्त हमारी सरकार थी तो हमारी सरकार ने बिना किसी मैडल के रिजल्ट के आए ही घोशणा कर दी थी कि जो भी गोल्ड मैडल लेकर आएगा उसको एक करोड रूपये लेकर आएगा उसको एक करोड रूपए का ईनाम दिया जाएगा। हमन कर्णम कल्ले वरी को 25 लाख रूपए दिए थे और भरी सभा मे उसको सम्मानित किया था। आज जो हमारे भाूरवीर आ रहे है उनको भी हम 25 सितम्बर को चौधरी देवी लाल जी की जयन्ती पर भिवानी मे धूम धाम से सम्मानित करेगे। हमने उनका भिवानी मे अभिनन्दन तो कर दिया है। (ाोर एवम व्यवधान) हमने यह सब बिना राजनीति के किया है। (ाोर एवम व्यवधान) आप हमे सरकार दे दीजिए हम एक करोड रूपए भी दे देंगे। (ाोर एवम व्यवधान) हम जो भी उनको दे रहे है। वह कोई सरकारी तौर पर नही दे रहे है। हम अपनी पार्टी फंड से दे रहे है। और हम यह सबउ न लोगो के उत्साहवर्द्धन के लिए कर रहे है। (ाोर एवम व्यवधान) हम यह बस नई पीढी को एक सदें ा देने के लिए कह रहे है ताकि वे खेलो मे और आगे आए। (ाोर एवम व्यवधान) मै यह कोई राजनीति की बात नही कर रहा हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहिब कृपा चुप हो जाए। (ाोर एवम व्यवधान) उन बच्चो ने इतना बडा काम किया है, दे ा का नाम रो ान किया है मगर आप तो उसी लाईन पर रहे। (ाोर एवम व्यवधान) राधे भयाम भार्मा जी आप क्या बोलना चाहते है।(ाोर एवम व्यवधान) इन्दौरा जी, आप यह बतांए कि यह जो सरकार ने किया है आप उसमे खु ा है या नाराज हो। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ाीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने तो दे। (ाोर एवम व्यवधान) मै यह राजनीति की बात नही कर रहा हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नही नही डाक्अर साहब आप ऐसी बात न करे। (ाोर एवम व्यवधान)

सिचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): अध्यक्ष महोदय, आप इनसे यह पूछे कि जब इनकी सरकार थी तो इन्होने स्पोर्ट्स के लिए क्या किया था। कितना स्पोर्ट्स को बढावा दिया था ? इनके समय मे जो स्पोर्ट्स का बजट था हमने उससे पांच गुणा बजट बढा दिया है।

डा0 सु ाीला इन्दौराः आप यह बताए कि उस समय विकास की दर क्या थी और आज क्या है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः धर्मबीर जी आप क्या कहना चाहते है।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री धर्मबीर): अध्यक्ष महोदय, भिवानी मे 27 तारीख को विजेन्द्र सिंह को दिल्ली से लाया गया था और उसका वंहा पर जो मालांए मिली थी वे मालाए भी ये साथ ले गए थे।

श्री अध्यक्ष: कहां ले गए थे।

श्री धर्मबीर: पता नही सर, कहां ले गए।

डा0 सु ीला इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की नीति है कि दुश्प्रचार करो क्योंकि ये किसी कह बात को ऊपर नही आने देना चाहते है। जो हमने अच्छे काम किए है मै उनके बारे मे बता रहा हू लेकिन ये किसी की बात को उपर नही आने देते। सरकार जो अच्छा काम कर रही है, मुख्यमंत्री जी जो अच्छा काम करते है तो उसकी भी मैने हमे ाा प्र ांसा की है।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, सौभाग्य से हर चीज के बारे मे बहुत अच्छी डिबेट इस सदन के अंदर चल रही है। बहुत सारे सुझाव बहुत सारे साथियो ने यहां पर दिए है। बहुत अच्छा हेाता यदि डाक्टर साहब और उनके साथी भी एक रचनात्म्क सुझावदेते कि किसी प्रकार से हम स्पोर्ट्स को हरियाणा मे आगे ला सकते है। किस प्रकार से हरियाणा के बच्चो की प्रतिभा को आगे लाया जा सकता है। उस प्रस्ताव पर सब बोल रहे थे इस प्रस्ताव का राजनीती से कोई लेना देना नही है। इस प्रस्ताव का तो केवल प्रतिभा और प्रतिभा

के प्रोत्साहन से लेना देना है। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी ने और हरियाणा की सरकार ने जिस प्रकार से प्रतिभाओ को प्रोत्साहित किया है, वह काबिलेतारिक है। जैसा वित मंत्री जी ने और मुख्यमंत्री जी ने चर्चा की कि जिन्होने ओलम्पिक गेम्स मे पार्टिसिपेट किया उनको 11:11 लाख रूपये दिए। जो आवार्ड नही ले पाए लेकिन जिन्होने वर्ल्ड विजेता को हराया उनका 25:25 लाख रूपये दिए, को कांस्य पदक लेकर आए उनको 50 लाख रूपये और नौकरियो दी। इसके अलावा उनके कोचिज को भी सम्मान दिया गया जिसके कारण आज हरियाणा के 6 हजार से अधिक गांवो मे हर बच्चा चाहे वह जोहड पर बैठा है और गरीब से गरीब की बेटी या बेटा सभी यही सोचते है कि जब अखिल कुमार, विजेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, योगे वर दत, और साईना नेहवाल ओलम्पिक मे इतना नाम कमा सकते है तो वह भी ऐसा कर सकते है। सैकडो हजारो बच्चे ऐसे है जिनसे यदि आप बात करो तो उनके चहरे पर एक नयी चमक, एक नया आभा, एक नयी उमंग नजर आएगी। अध्यक्ष महोदय, पहले खेलो का बजट सिर्फ 6,7 करोड रूपये हुआ करता था लेकिन अब हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने इस बजट को 70 करोड रू0 का किया है। कांग्रेस की सरकार ने यह निर्णय भी लिया है कि 40–40 लाख रू0 के स्पोर्ट्स स्टेडियम गांवो मे बनाए जाएगे। सरकार द्वारा कई डिस्ट्रिक्ट लेवल पर नये स्टेडियम बनाए जा रहे है, इस तरह से स्पोर्ट्स के खिलाडियो को प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्पोर्ट्स के मद मे और ज्यादा पैसा दिया जा रहा है। स्पोर्ट्स के

खिलाडियो की डाईट के लिए सरकार और ज्यादा पैसा दे रही है। स्पीकर साहब, एक नयी स्पोर्ट्स नीति सरकार लेकर आ रही है। दे ा का नाम कैसे हम रो ान कर सके इस बात पर इस सदन के अंदर चर्चा हो रही है। इनका ये कहना कि अमुक डी0जी0पी0 को अमुक पद पर बैठाकर फैडरे ान का इंजार्ज बना दे और अमुक पार्टी के अमुक सांसद को अमुक फैडरे ान का इंजार्ज बना दे क्योंकि अमुक व्यक्ति ही हरियाणा मे स्पोर्ट्स चला सकता है उसके बगैर ये स्पोर्ट्स चलाना सभंव नही है, सही नही है। स्पीकर साहब, पूरे हरियाणा के सभी दलो की तरफ से मुख्यमंत्री जी ने एक फंक ान रखा लेकिन उसमे भी राजनीति का प्रयास किया गया। जैसे धर्मबीर का पैसा भाई जी ने कहा, मै भी कहना चाहता हू कि जिस तरह से ये एक बार महेन्द्र चौधरी का पैसा लेकर आए थे, तो उसी तरह से इन नौजवानो के साथ भी ऐसा ही करना चाहते थे। कृपया करके खिलाडियो को प्रोत्साहन देने की इस डिबेट को ये इतने नीचे स्तर पर न लेकर आए। हरियाणा के मुख्यमंत्री जी ने और हरियाणा की सरकार ने खेलो और खिलाज्ञियो को एक उच्च दर्जा दिया है। ये उस दर्ज को उस ऊंचे स्तर पर ही रहने दे। मेरा इनसे कहना है कि वे उस वक्त को नीचे से करे औ न ही खिलाडियो को राजनीति के अंदर बांटे। स्पीकर साहब, मेरी केवल हाथ जोडकर इनसे इतनी ही विनती है।

डा0 सु ीला इंदौराः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री राधे भयाम भार्मा अमर (नारनौल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। माननीय पार्लियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने हमारे होनहारा खिलाडियो के लिए जो प्रस्ताव सदन मे रखा है, मै उसका समर्थन करता हू। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत बडी बात है क्योकि हमारे इन होनहार खिलाडियो ने केवल हरियाणा का ही नही बल्कि सारे दे ा का नाम रो ान किया है।

डा0 सु ीला इंदौरा: अध्यक्ष महोदय,.....

वन राज्य मंत्री (श्रीमती किरण चौधरी): स्पीकर साहब, आप इनसे पूछिए कि ये किससे पूछकर बोल रहे है।

डा0 सु ीला इंदौरा: अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्ष: जो भी इदौरा साहब, बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

17.00 बजे

श्री राधे भयाम भार्मा अमर (नारनौल): अध्यक्ष महोदय, जो नाम हमारे खिलाडियो ने रो ान किया है वह इन साथियो को रास नही आ रहे है। हमारे प्रदे ा के जो खिलाडी बीजिंग ओलम्पिक मे पहुचे और जिन्होने हमारे दे ा के लिए मैडल हासिल किए, यह हमारे लिए बडे गौरव की बात है, गर्व की बात

है। सबसे बडी बात तो यह है कि जो खिलाडी ओलम्पिक के अंदर ववालिफाई करता है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इदौराः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः जब आप चर्चा करते करते रूट ही बदल देते है तो आपको कैसे सुनेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह इस प्रदे ा का दुर्भाग्य है कि जब प्रान्त के अंदर कोई अच्छी बात हो रही है और पूरा सदन पूरी गंभीरता से इस बात पर विचार कर रहा है कि कैसे सकारात्मक तरीके से हम प्रदे ा को आगे बढाने और उन्नति के पथ पर ले जाए, लेकिन इस समय इन साथियो को इस बात मे राजनीति नजर आती है। इनका तो केवल एक ही लक्ष्य बन गया है कि कैसे सदन के अंदर विवाद खडा करना है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इदौराः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री राधे याम भार्मा अमरः स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था कि हमारे मुख्यमंत्री जी यह बहुत काबिले तारीफ काम किया है कि जो खिलाडी जीतता है उसको तो इनाम मिलता है। लेकिन जो हार जाता है उसको भी इनाम देकर एक नया और भाानदार इतिहास इन्होने रचा है। अध्यक्ष महोदय, आर्थिक क्षेत्र मे, बिजली के क्षेत्र मे, बिजनेस के क्षेत्र मे, मे यह जो हमारा साढे तीन वर्श का भाासनकाल रहा है। वह हरियाणा के इतिहास मे

स्वर्गयुग के नाम से जाना जायेगा और साथ ही खेलो के इतिहास मे सुनहरी युग केनाम से जाना है। इससे हमारा यूथ भाक्ति ाली होगा। नौजवानो का मजबूत करने के लिए मै सरकार को बधाई देता हू। हम जो पिछले दिनो गांव मे मीटिंग करते थे तो उसमे 800 के करीब लोग आते थे लेकिन अब की बार करीब 1500 लोग आए है। जिनमे से 700 नौजवान लडके थे जो ये कह रहे थे कि सरकार ने खेलो मे खिलाडियो को प्रोत्साहन देकर जो उनका मनोबल और मान बढाया है इससे वे काफी उत्साहित है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंदौराः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः आपको बोलने के लिए समय दिया गया था किन्तू आप रूट बदल जाते है इंदौरा जी, जो कुछ कर रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, इन्होने कोई भलाई की बात करनी ही नही है।

डा0 सु ीला इंदौराः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, सारी की बात कुरीतियों को मुख्यमंत्री महोदय ने तोडा है और निश्पक्ष भाव से खिलाडियो के साथ न्याय किया गया है। 108 साल के ओलम्पिक के इतिहास मे हमारे नौजवान एक स्वर्ण व दो कांस्य पदक लेकर आए है। भिवानी के अंदर कैप्टन हवा सिह के नाम

पर अन्तराश्ट्रीय स्तर की अकादमी बनाकर मुख्यमंत्री जी ने इस होनहार खिलाडी को काफी सम्मान दिया है इसके लिए मै उन्हे बधाई देता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

डा0 सु ीला इंदौराः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, झज्जर के एक क्रिकेट को बढाया दिया गया। खेलो का बजट पांच गुणा बढाकर सरकार ने भाानदार काम किया हैं। जिस प्रकार आजादी के सग्रांम मे दे ा का हर बच्चा भगत सिह की नकल करके भगत सिह बनना चाहता था उसी प्रकार आज युवक रैसलिंग और बाक्सिंग चैम्पियन बनकर उस बात को दोहनाना चाहता है।

वाक आउट

डा0 सु ीला इंन्दौराः अध्यक्ष महोदय, हमारी बात सुने रहे है इसलिए हम सदन से वाक आउट करते है।

इस समय सदन मे उपस्थित इण्डिनयन ने ानल लोकदल के सभी सदस्य सदन ने वाक आउट कर गये।

सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

हरियाणा सरकार द्वारा ओलम्पिक विजेताओ को सम्मान देने बारे।

श्री राधे भयाम भार्मा अमरः अध्यक्ष महोदय, आज हमारे नौजवान खेलो मे उस भावना से आना चाह रहे है। आज खेल जगत मे निरा ाा की भावना समाप्त हो गई। मै एक बात और कहना चाहूंगा कि आज दे ा मे क्रिकेट का डर भी खत्म हो गया है क्योंकि आज कु ती, मुक्केबाजी लान्ग जम्प आदि खेलो मे व्यक्तिगत ईनाम मिल रहे है, जिससे चुवाओ मे एक नया जो ा, वि वास और उत्साह उनके अन्दर आयेगा। हमारी सरकार ने जो खिलाडियो को सुविधाए दी है उनके लिए सरकार बधाई की पात्र है और इसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हू। जिस प्रकार से दे ा मे हर क्षेत्र मे हरियाणा प्रदे ा नम्बर एक पर है, उसके लिए पिछले साढे तीन साल का हुड्डा सरकार का युग हरियाणा के इतिहास मे सुनहरी युग जाना जायेगा। इसी प्रकार खेलो के लिए जो इतिहास रचा है। यह भी हमारे विधार्थियो के लिए हमारे नौजवानो के लिए हमारे खिलाडियो के लिए सुनहरी मौका होगा। अध्यक्ष महोदय, राश्ट्र की बनाने के लिए जवानो की आव यकता होती है और राश्ट्र को बनाने के लिए हिम्मत और साहस की आवा यकता होती है और वह हिम्मत और साहब कहा से आयेगा वह खेल से आयेगा, खेल के मैदान मे आयेगा। उसी प्रकार से खेल के मैदान के लिए भी हिम्मत और साहब की आव यकता होती है। अध्यक्ष महोदय, वाटरलू को जो युद्व है ऐडिन और हीरो के वि विधालयो के प्ले ग्रांउड पर जीता गया था। उसी तरह से हमारे दे ा के अन्दर जो आज हम यह महसूस करते है कि नौजवानो के अन्दर भाराब की

और न ो की लत पड रही है। ये सब इसी बात से समाप्त होगे आप इस बात से सहमत भी होगे कि हरियाणा ऐसा ही प्रदे ा होगा। मुख्यमंत्रीजी ने भिवानी मे मेला लगाकर खेलो के लिए जो मार्ग दिखाया है और जो पोलिसी बनाई है उसके लिए सारा दे ा और दूसरे प्रदे ा हमारे अनुसरण करेगे। इसका श्रेय हमारी सरकार को मिलेगा, जिसने यह रास्ता दिखाया हैं इसके लिए माननीय मुख्यंत्री जी और माननीय वित मंत्री जी बधाई के पात्र है। हमारे वित मत्री जी ने तो खजाना खेल रखा है वह कहते है कि चाहे जितने पैसे ले जाओ। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौद): स्पीकर साहब, मै हुड्डा साहब को अन्त करण से बधाई देना चाहता हू जिन्होने खेलो के लिए जो फैसला किया है उसके लिए हरियाणा की नौजवान पीढि को बहुत जबरदस्त प्रेरणा मिलेगा। सारे दे ा के जो नौजवान है उनको भी इससे प्रेरणा मिलेगी। यह कोई छोटा फैसला नही है। मैने देखा है कि पहले भी हमारे लडको और लडकियो की टीम जीत कर आती है और हांकी आलम्पिक प्लेयर महाराज कि ान कौि ाक जो हाकी के कोच थे उनको कोई सम्मान नही दिया गया। हुड्डा साहब ने यह गजब का बहुत बडा फैसला किया है क्योंकि अब कोच को भी 25 लाख रू0 देने का काम किया गया है। सारे वैनल क्वालिफाई करके जो बच्चा ओलम्पिक मे पंहुचेगा उसको 11–11 लाख रू0 देने की घोशणा की गई है। इससे हर

बच्चे के मन मे भावना पैदा होगी कि वह ओलम्पिक मे कोई न कोई मैडल जीतकर आए। हरेक बच्चा यह सोचेगा कि वह ओलम्पिक मे भी जीता तो ओलम्पिक मे पहुच गया तो उसका नाम रो ान होगा। यह सरकार का बहुत ही अच्छा फैसला है। इसके लिए मै सरकार का बार बार धन्यवाद करता हू। हुड्डा साहब ने अच्छे काम तो और बहुत किए है। हमारी बहनो के लिए राखी का त्यौहार बहुत बडा त्यौहार होता है? उनको राखी के दिन बसो मे फ्री आने जाने की जो सुविधा दी ह वह बहुत अच्छी बात है लेकिन मै इस बारे मे एक सुझाव देना चाहता हू मेरी बात न्यारी जरूरी है लेकिन मै अपने मन की बात जरूर कहना चाहूंगा कि राखी के दिन स्कूल और कालेजो मे छुट्टी ने होने से बसो की अफरा तफरी मच जाती है। स्टूडैट्स बसो मे ऐसी गडबड कर देते है कि जितना लाभ इस सुविधा का महिलाओ को मिलना चाहिए उतना उनको मिल नही पाता। अध्यक्ष महोदय, एक बात मै यह कहना चाहता हू कि अगर हमारे यहा कानून ठीक होता तो अभय चौटाला जेल मे होते। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंदौराः अध्यक्ष महोदय, ये अपनी लाइन पर रहकर ही बोले तो ज्यादा अच्छा होगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रामकुमार गौतम (नारनौद): स्पीकर साहब, जो खिलाडी जीतकर आए है मै उन सबको बधाई देता हू। (ाोर एवम व्यवधान) ओलम्पिक मे जीतने वाले खिलाडियो को डी0एस0पी0 बनाकर उनका मान बढाया गया है। जो कि छोटी

बात नही है। कोई भाई कहता है कि भाई गौतम, तू बी0जे0पी0 विधायक दल का नेता है और सरकार की तारीफ करता है तो मै तो यह कहना चाहूंगा कि सरकार की कोई बात बढिया होगी तो उसकी हमे जरूर तारीफ करनी पडेगी लेकिन अध्यक्ष महोदय, मुझे सरकार से कोई ि ाकायते भी है। सरकार का भ्रश्टाचार पर कोई कंट्रोल नही है। अधिकारियो पर भी कोई कंट्रोल नही है। मुख्यमंत्री का एक आदे ा अधिकारियो पर कंट्रोल करो और भ्रश्टाचार पर कंट्रोल करो। भ्रश्टाचार को कंट्रोल करने का कोई न कोई इंतजाम किया जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार थोडी बहुत तरक्की भी कर रही है। मै रोज अखबार पढता हू और सुनता हू कि आज हुड्डा साहब साहब ये घोशणा करके आए, आज कोई कालेज खोल आए, आज किसी सब तहसील को तहसील बनाकर आए। मेवात को जिला बना दिया, कोई सब डिवीजन बना दिया। क्या हमने मोरनी को कोई पत्थर मार दिया है कि हमारे नारनौद की तरफ कोई ध्यान नही दिया गया ? हमारे गांव के लोगो ने एक कालेज की डिमांड की है लेकिन हमारी उस डिमांड को पूरा नही किया गया ? हुड्डा साहब पहले मुख्यमंत्री जी है जिनको 36 बिरादरी के लोगो ने मान दिया है। घर घर से चंदा इक्टा करके उनको खाना खिलाया है और उनसे एक आई0टी0आई0 खोलने की मांग रखी, एक कालेज की मांग रखी। कोई साहूकार जिसने काम निकलवाना हो वह तो ऐसा काम करे लेकिन हमारे यहां के लोगो ने चाव से उनको खाना खिलाया कि हुड्डा साहब आएगे और हमारी कोई कालेज खोलेगे या कोई आई0टी0आई0 खोलेगे।

कोई सब डिवीजन बनाएगे लेकिन हमारी मांग की तरफ कोई ध्यान नही दिया गया। अध्यक्ष महोदय, सरकार से स्पोर्ट्स के क्षेत्र मे बहुत अच्छे काम किए और बहुत से स्टेडियम बनाए जिसके लिए मुझे बहुत खु ाी है। नारनौंद मे, बांस मे व डाटा मसूदपुर मे कोई स्टेडियम नही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः गौतम जी, आपके यहां सीवरेज तो बन रही है।

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुख्यमंत्री जी सीवरेज की बात कर रहे है उस पर तो भ्रश्टाचार का घूर रहा है जिसकी वजह से यह काम पूरा नही हो रहा है इसलिए मै मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि ये अपने अधिकारियो को खीचें। मेरे पास गांव से फोन आया कि हमारे यहां एक सडक का काम बीच मे छोड दिया गया है तो मैने जब गांव वालो से पूछा कि ठेकेदार क्या कहता है तो वे कहते है कि ठेकेदार कहता है कि अपनी सरकार है, कोई बात नही। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहूगा कि तब तक भ्रश्टाचार को कंट्रोल नही करेगा तक तक पार नही पडेगा।

श्री रण्बीर सिंह महेन्द्रा (मुण्डाल खुर्द): धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को मुबारकबाद देता हू कि इन्होने हरियाणा प्रांत की बागडोर संभालने के बाद प्रत्येक फील्ड मे कई काम किए है वे बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मै एक बात कहना चाहूंगा कि मार्च, 2005 मे मौजूदा सरकार बनने के बाद पहले अधिवे ान मे मैने सवाल पूछा था कि जब से हरियाणा बना है उस दिन से लेकिन उस अधिवे ान के दिन तक हरियाणा के कितने खिलाडियो ने एि ायांड मे, कामन, वैल्थ गेम्ज मे और ओलम्पिक मे कितने पदक जीते है ओर मुझे मंत्री जी का जवाब मिला था कि हमारे स्पोट्र्स के क्षेत्र मे हुआ है उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा उस समय मैने जो दूसरी बात उठाई थी वह यह थी कि हमारे जो खिलाडी है उनको दैनिक भंता कितना दिया जाता है। हमारे खिलाडियो का उस समय दैनिक भता बहुत कम था और मैने इस बारे मुख्यंमंत्री जी से आग्रह किया था कि हमारे प्रदे ा के खिलाडियो का दैनिक भता बढाया जाये उस समय हमारे मुख्यमंत्री जी ने on the floor of the House, खिलाडियो की डायट बढा दी थी। उसके बाद स्पोर्ट्स विभाग ने कुछ किया या नही किया यह मुझे नही पता, if is for their consideration. अध्यक्ष महोदय, तीसरी बात मै यह कहना चाहता हू कि चौधरी धर्मबीर जी ने बताया है कि प्रदे ा मे 162 स्टेडियम बने हुए है या बनने जा रहे है। यह ऐसा कदम है जिससे देहात के बच्चो को आगे आने का मौका मिलेगा। कई ओलम्पिक ा मे मैडल जीते है, पूरा दे ा उन खिलाडियो के साथ है और हमने जो कुछ उनके लिए किया है, वह हमने उन पर एहसान नही किया है। in recognition to their services to the nation, हमने उनको आंनर किया है। हमारे दे ा के जिन खिलाडियो ने ओलम्पिक मे मैडल जीते है चाहे

किसी ने गोल्ड मैडल जीता है या कांस्य पदक जीता है उनको हमारे मुख्यमंत्री जी ने उनको आंनर करने की घोशणा की थी। अध्यक्ष महोदय, साधारण तौर पर सरकार सालाना एक ही फक ांन करती है लेकिन यह हमारे खिलाडियो की एक अनोखी जीत थी इसलिए हमारे मुख्यमंत्री जी ने उनको आंनर किया जो कि अपने आप मे एक मिसाल है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हू। डा0 इंदौरा जी माफ करना क्योकि कभी भी स्पोर्ट्स मे ऐसा नही होता, जो हमारे यहां हुआ। अगर कोई खिलाडी या टीम जीतकर आती है तो एक विधिवत तरीके से उनका स्वागत किया जाता है। जैसा सरकार ने अनांऊस किया था कि खिलाडियो को स्टेट की तरफ से आंनर किया जायेगा और उसकी तारीख भी निि चत की गई थी, लेकिन ऐसा कभी नही हुआ कि खिलाडियो को आप के द्वारा एयरपोर्ट पर आते ही बीच मे हाई जैक कर लिया जाये और भिवानी का ट्रिप बना लिया जाये और यह कहा जाये कि 27 तारीख को हरियाणा ओलम्पिक एसोसिये ान का इन्डीज्वली प्रोग्राम होगा, ऐसा कभी नही होता है। अध्यक्ष महोदय, जब स्टेट गवर्नमैंट को अपना फंक ान अनाऊंस कर दिया था तो हरियाणा ओलम्पिक एसोसिये ान को बीच मे नही आना चाहिए था। इससे खिलाडियो की भाान मे फर्क पडता है और जिन्होने आंनर किया है उनकी भाान मे फर्क पडा है, क्योंकि जब स्टेट की बात आती है तो सारी चीजे दूसरे नम्बर पर आ जाती है। मै चाहूंगा कि ये आगे से इसका ध्यान रखेगे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कई बाते कही कि पालिटीक्स को स्पोर्ट्स के साथ नही जोडा

जाये। अध्यक्ष महोदय, यह स्वाभाविक बात है कि स्पोर्ट्स को पालिटीक्स को स्पोट्र्स के साथ नही जोडना चाहिए। आज के युग मे स्पोट्र्स और पालिटीक्स आपसे मे जुड चुके है। मै मुख्यमत्री जी के ध्यान मे लाना चाहूंगा कि आज कल स्कूल और कालेजो मे जो पहले गेम्ज खेली जाती थी। जैसे हाकी, फुटबाल, क्रिकेट और बास्केटबाल आदि वे गेम्ज आजकल बिल्कुल डिसकन्टीन्यू हो गई है। ये वे गेम्ज है जो बच्चो के लिए नर्सरी का काम करेगी इसलिए इन गेम्ज की तरफ मुख्यमंत्री जी वि ोश ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै मुख्यमंत्री जी का ध्यान इस और दिलाना चाहूंगा कि जहां तक अप्वायटमैट आफ कोचिज है इस तरफ भी आपके वि ोश ध्यान देना चाहिए और कालिज की भर्ती सावधानी से करनी चाहिए। गोल्ड मैडल जीतना किसी का fluke, Bye chance कामयाबी नही कहा जा सकता। यह कन्टीन्यू प्रोसैस है। कहा से स्टार्ट हुआ किसी को नही पता। आज क्योंकि विजेन्द्र ने ब्रान्ज मैडल जीत लिया तो हर कोई कहेगा मै उसको जानता हू और वह मेरा इस तरह से मिलने वाला था, मै भी यही कोि ा ा करूंगा। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई यह है कि बचपन से वह कैसे आगे आया उसके बारे मे किसी को कुछ पता नही है। इस बात का डाक्टर इन्दौरा भी मानेगे और मै भी इस बात को मानता हू। अब हम अपने अपने हिसाब से उन लोगो का आनर कर रहे है। यहां पर स्पोट्र्स के बारे मे प्रस्ताव पर बहस चल रही है। और जितने द र्क यहां बैठे हुए है वे यह सब देख रहे है कि हरियाणा की असैम्बली मे क्या चर्चा हो रही है ? सबको पता है

कि हम पार्लिटि ियन क्या क्या करते है। लेकिन जब हम एक ऐसे मैटर के ऊपर डिस्कस कर रहे है। जो कि गोल्ड मैडल और ब्रान्ज मे भी हम एकमत नही है। हमारा इसमे क्या कट्रक ांन है? हमारा इस वार्तालाप को जो भी देखने आये है वे भी यह महसूस करते है कि कम से कम हमे इस बात पर तो एक होना ही चाहिए। दूसरी बात जो मै माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हू वह है अपायंटमैट आफ फीजियो। आज हमारे यहां फीजियो की अपायटमैट पर पूरा ध्यान नही दिया जा रहा है। यह वक्त की पुकार है कि हमे फीजियो की नियुक्ति किसी प्रकार का कोई समझौता नही करना चाहिए। मै इस बारे मे कंसर्ड डिपार्टमैंट से भी कहना चाहूंगा कि हरियाणा मे फीजियो की अपायटमैट उतनी सीरियरसली नही ली जाती जितनी की ली जानी चाहिए। इसके अलावा स्पोट्र्स मैडी ान्ज के ऊपर भी हमे पूरा ध्यान देना चाहिए। स्पोट्र्स डिपार्टमैट के लिए मै एक बात और कहना चाहूंगा कि यह बजाये इसके यह कहे कि हमने यह कर दिया है हमने वह कर दिया है इनको हरियाणा मे एक म्यूजियम बनाना चाहिए जिसमे जब से हरियाणा बना और आज तक जिन जिन लोगो ने हरियाणा का विभिन्न लैवल के खेलो मे प्रतिनिधित्व किया और उनके क्या क्या रिकार्ड है वह सभी उस म्युजियम मे होना चाहिए। जो ब्रान्ज और गोल्ड मैडल लेकर आये उनका भी रेप्लीका बनाकर उस म्यूजियम मे रखना चाहिए कि उस साल मे उस आदमी ने इस इवैट मे यह जीता है ताकि आम आदमी भी उसको देख सकें। आम आदमी को भी यह हक होना चाहिए कि वह ब्रान्ज और

गोल्ड मैडल के द र्ान कर सके। अध्यक्ष महोदय, स्पोर्ट्स डिपार्टमैट को चाहिए कि वह इस प्रकार का एक म्यूजियम बनाये जिसमे वह खिलाडियो द्वारा जीते गये मैडल्स के रैप्लीका रखे ताकि आने वाले जैनरे ान यह देख सके कि जो हमारे स्पोर्टस पर्सन थे उनकी क्या क्या अचीवमैटस रही है। इसके अतिरिक्त मे एक बात और कहना चाहूंगा कि हमारे प्रदे ा मे जो 162 स्टेडियम बने हुए है उनके बारे मे भी एक पालिसी बनानी चाहिए। मै माननीय मुख्यमंत्री जी से भी वह बात कहना चाहूंगा कि डिस्पिलिनवाईज हमे इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि जिस क्षेत्र मे जिस गेम के खिलाडी हो उन्हे उस गेम से रिलेटिड तमाम फैसलिटीज पास के स्टेडियम मे मिलनी चाहिए जैसे चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने भी कहा कि फलां फलां गांव मे वालीबाल के बहुत अच्छे प्लेयर है और उस गांव मे बास्केट बालं के बहुत अच्छे प्लेयर है और हम खुद कहते है कि भिवानी मे बाक्सिंग के खिलाडी है। हमे किसी क्षेत्र वि ोश मे स्टेडियम पर मिल जाये तो बहुत अच्छा रहेगा। इसके अलावा मै एक बात और कहना चाहता हू। चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी ने भी क्रिकेट के बारे मे कुछ कहा है। मै पूरे हाऊस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि यह बात ठीक है कि ब्रान्ज और गोल्ड मैडल हमारे दे ा के खिलाडियो द्वारा जीते गये है और दूसरे खिलाडियो द्वारा अच्छा प्रद र्ान किया गया है लेकिन मै दावे के साथ कह सकता हू कि विजय आखिर मे क्रिकेट की हुई है। श्री सुरे ा कलमाडी जो कि भारतीय ओलम्पिक एसोसिए ान के अध्यक्ष है उन्होने भी क्रिकेट

के बारे मे ब्यान दिया है कि क्रिकेट से हम आगे निकल गये है क्रिकेट को हमने पछाड दिया है। मै यह बात कहना चाहूंगा क क्रिकेट को पछाडा नही गया बल्कि क्रिकेट फिर भी आगे है क्योंकि सब लोगो का यह विचार है कि क्रिकेट मै पैसा बहुत ज्यादा है। मै यह कहता हू कि क्रिकेट के बारे मे जो बाते करते है कि पैसा ज्यादा है जैसे बिजेन्द्र और इन लोगो की जीत ने यह भाो कर दिया है कि अगर हमारे खिलाडी दूसरे खेलो मे भी अचीवमैट लेकर आते है तो कारपोरेट हाऊसिज और आम पब्लिक उनको भी उतना ही सिर माथे पर रखेगी जितना कि क्रिकेट खिलाडियो को रखती है। उनके पास भी पैसा उसी हिसाब से आयेगा। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद करते हुए और आपके धन्यवाद से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से भी यह प्रार्थना करते हएु कि जिन प्वायंट्स पर हम सोचते है उस पर पूरा ध्यान देने की कृपा करे, मै अपना स्थान लेता हू।

मुख्यमंत्री (चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, सदन मे जो प्रस्ताव आया है, जो हमारे खिलाडियो ने पूरे दे ा का और दे ा के साथ साथ अपने प्रदे ा का नाम पूरे वि व मे रो ान किया है उस बात के लिएकोई दो राय नही है तथा सबको उस बात के लिए खु ाी है और पूरा दे ा मे खु ाी का माहौल है। केवल हरियाणा मे ही नही बल्कि पूरे दे ा मे इस बात के लिए खु ाी है। हालांकि मै इस बात से सहमत हू कि हमारे से

छोटे छोटे दे ा भी बहुत ज्यादा मैडल लेकर जाते है जबकि हमारे को पहली दफा यह मौका मिला है कि बांक्सिंग मे ब्रान्ज मेडल मिला है या ओलम्पिक मे गोल्ड मैडल आया है। जो ओलम्पिक मे टीम गई थी इसमे हरियाणा की पीर्टसिपे ान दूसरे सभी राज्यो से ज्यादा थी। सब लोग सारे खिलाडियो को इस बात की बधाई देते है। यह जो प्रयास है यह एक फैसले से नही होता। हमारे खिलाडियो ने जो एचिवमैट की है उससे वह सिद्ध भी हो गया है कि हमारे खिलाडियो मे जबरदस्त टेलैट है और बहुत जबरदस्त पोटै ियल है। उनको अगर पूरे सुविधाए दी जाये और उनको पहले से पूरी कोचिंग दी जाये तो एक कांस्य पदक की बात नही बल्कि हमारे खिलाडी अनेक मैडल ला सकते है। जैसी अभी पहले चर्चा हुई थी पहले ओलम्पिक मे अमेरिका और र ि ाया का ही दबदबा रहता था। ये दोनो दे ा ही आगे रहते थे। अध्यक्ष महोदय, मै र ि ाया कई बार गया हू और मैने र ि ाया मे कई बार देखा भी है कि जब किसी खिलाडी को ट्रेनिंग के लिए सलैक्ट किया जाता था तो जब तक गोल्ड मैडल नही ले लेता था उसको पूरी सुविधाए दी जाती थी। यह भी ठीक है कि खेल और खिलाडी चाहे वह कु ती का है, चाहे बाक्सिंग का है, ताकत की आव यकता होती है। जैसा चौधरी भाम ेर सिंह के साथ साथ दिमाग और संतुलन की भी जरूरत है इसलिए एक एक खिलाडी के साथ 5–5 कोचिज व साइक्लोजिस्ट जाते है। बहुत सारी सुविधाए देनी पडती है लेकिन हमारे दे ा मे काफी सुविधाए नही है अन्याथा कहा तो 100 करोड से भी ज्यादा आबादी वाला दे ा

और कही छोटे छोटे दे ा कई कई मेडल लेकर जाते है और हम पिछड जाते है। मै स्वय एक खिलाडी रहा हू और मुझे मालूम है कि किस प्रकार सारा दे ा टकटकी लगाये इन खिलाडियो की बांक्सिंग देख रहा था, चाहे वह बिजेन्द्र की चाहे वह अखिल की और चाहे व जितेन्द्र की बांक्सिंग हो। हारना और जीतना अलग बात है। हार और जीत किसी भी खिलाडी की हो सकती है क्योंकि हर समय कोई खिलाडी जीत नही सकता लेकिन जिस प्रकार की प्रैजैस आफ मइड अखिल ने रि ाया के वर्ल्ड चैम्पियन के खिलाफ दिखाई उसकी उम्मीद रि ायन खिलाडी को भी नही थी कि हिन्दुस्तान का खिलाडी उसको इनती जरूरत टक्कर देगा। उसकी आंख से पानी निकल आया था। मैने भी और हम सबने बांक्सिग देखी थी। अखिल की बांक्सिंग भी देखी और जितेन्द्र की बाक्सिंग भी देखी जो 4 रांऊड मे से 3 राऊंड तक बराबरी पर था चौथे रांऊड मे थोडा सा झटका खा गया और चुक हो गइ। इसका मतलब यह नही है कि हमारे खिलाडियो मे कोई कमी थी अगर हमारे खिलाडियो को तकनीक और सुविधाए दी जाती है हम अव य ही गोल्ड मेडल लेकर आते। अध्यक्ष महोदय, यह पहली दफा नही है कि हमने खिलाडियो का इस प्रकार सम्मान किया हो। इस ओलम्पिक से पहले भी हमारे खिलाडियो का इसी प्रकार सम्मान किया है। जैसे महिला हांकी टीम की कैप्टन ममता खरब को हमने डी0एस0पी0 भर्ती किया गया था। भारतीय पुरूश हांकी टीम के कप्तान सरदार सिंह को भ डी0एस0पी0 लगाया था। काम्न्वैल्थ गेम्स मे कु ती मे गोल्ड मेडल लेकर आई गीतिका

जाखड को भी डी0एस0पी0 लगाया था। जोगिन्द्र भार्मा जिसने टी–20 आई0सी0सी0 क्रिकेट चैम्पियनि ाप मे निर्णायक भूमिका निभाई थी उसको भी हमने डी0एस0पी0 लगाया था। खिलाडियो को ही नही बल्कि हमने कोचिज को भी सम्मानित किया है। यह पहले से ही हमारा फैसला था कि जो गोल्ड मेडल लेकर आयेगा उसको 2 करोड रूपये का पुरस्कार, जो सिल्वर मेडल लेकर आयेगा उसको 1 करोड का इनाम और जो ब्रान्ज मैडल लेकर आयोगा उसको 50 लाख रूपये का इनाम दिया जायेगा। उसी के तहत हमने अपने खिलाडियो के लिये फैसले किये है। बिजेन्द्र सिंह को 50 लाख रूपये और डी0एस0पी0 की आफर की गई है। साथ ही साथ ब्रान्ज मैडल हरियाणा मे पहली बार आया है इसलिए उसकी इच्छानुसार जिस भी भाहर मे वह चाहेगा उसको हुडा प्लाट दिया जायेगा। अखिल कुमार जो बाक्सर है जो क्वार्टर फाईनल तक पहुचां है उसको सरकार ने 25 लाख रूपये देने का फैसला किया है और उसको डी0एस0पी लगाया है। जितेन्द्र कुमार जो बाक्सर है। उसको सरकार ने 25 लाख रूपये देने का फैसला किया है और उसको डी0एस0पी लगाया है। योगे वर दत जो रैसलिंग मे क्वार्टर फाईनल तक पहुचा है उसको भी हमने 25 लाख रूपये देने का फैसला किया है और उसको डी0एस0पी लगाया है। अध्यक्ष महोदय, अभिन्व बिन्द्रा जो गोल्ड मैडल लेकर आया है उसको भी हमने 25 लाख रूपये दिये है और सु ील कुमार जो रैसालिंग मे ब्रांन्ज मैडल ले कर आया है उसको भी हमने 25 लाख रूपये दिये है इसी प्रकार से साईना नेहवाल जो

बैडमिटन की खिलाडी है उसका भी हरियाणा के साथ खास सम्बन्ध रहा है उसके पिता जी आपकी एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी मे काम करते थे और साईना नेहावाल का बचपन यही पर गुजरा है, उसको भी हमने 25 लाख रू0 दिये है और उनके कोच को भी पैसे दिये है। अध्यक्ष महोदय, जिन खिलाडियो ने ओलम्पिक गेम्ज के लिए क्वालीफाई किया है चाहे वे संजीव राजपूत हो गये या दिने ा कुमार हो उन सभी को ग्यारह ग्यारह लाख रूपये देने का फैसला किया है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि हमारे हरियाण मे कुछ ऐसे खिलाडी पैदा हुए है जिनका नाम आज तक बडे सम्मान के साथ लिया जाता है जैसे हवा सिंह बाक्सिंग के खिलाडी रहे है, बल्लू वालीबाल के खिलाडी थे और आपके खु ी राम बास्केट बांल के नामी खिलाडी रहे है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से हमने यह फैसला किया है कि भिवानी मे जो एकादमी बनेगी वह हम कैप्टन हवा सिंह जी के नाम से बनाएगे। मैने स्वंय उनको देखा है। जब मै बहुत छोटा था और उस वक्त मेरी उम्र ज्यादा नही थी मैने पहले उनको आगरा मे खुद बांक्सिंग करते हुए देखा था। मेरे मौसा जी वहां पर फोज मे पोस्टिड थे। जब मै वहां पर खेल देखने के लिए गया था तब मैने वहां पर पहली बार हवां सिंह जी को खेलते हुए देख था। स्पीकर साहब, जब तक अच्छी सुविधाए नही होगी, जब तक अच्छे कोचिज नही होगे तब तक अच्छे खिलाडी नही बन पाएगे और अच्छे कोचिज हमे बाहर से न लाने पडे इसलिए हम कोचिज को भी सुविधाए दे रहे है। खिलाडियो को खिलाने वाले अच्छे कोच जब तक नही होते तब

तक अच्छे खिलाडी नही बन सकते है। इसके साथ ही उसकी डाईट क्या होगी, उनका वैट क्या होगा, उनकी साईकालीज क्या होगी इसी प्रकार की बहुत सी चीजे है जो अच्छे खिलाडी बनाने के लिए और उनकी ओलम्पिक गेम्ज जैसे स्तर पर पहुचाने के लिए जरूरी होती है। इसलिए हमने बाक्सिंग एकादमी बनाने का फैसला किया है। यह एकादमी हवा सिंह जी के नाम पर अन्तराश्ट्रीय स्तर की एकादमी बनेगी। स्पीकर साहब, डा0 ि ावं भांकर भारद्वाज जी कह रहे थे कि भिवानी मिनी क्यूबा बन गया है। क्यूबा एक छोटा सा दे ा है जहां से बाक्सिंग के खिलाडी आये थे। वहां की सरकार ने उनको बहुत अच्छी सुधिाए दी और वे कई कई गोल्ड मैडल लेकर जाते थे। स्पीकर साहब, कोई ताज्जुब नही कि हमारे यहा से भी खिलाडी कई कई गोल्ड मैडल लेकर आए। इसी बात को ध्यान मे रख कर हम वहां पर एकादमी खोल रहे है। इसी प्रकार से इडियन आंयल कारपोरे ान फुटबाल एकादमी बना रही है। जिसकी चर्चा चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी ने की है। इडियन आंयल कारपोरे ान भौडसी गांव मे अन्तराश्ट्रीय स्तर की फुटबाल एकादमी स्वर्गीय राजीव गांधी जी के नाम पर बना रही है। इसी प्रकार से हमने फैसला किया है कबड्डी और रैसालिंग की भी अलग अलग एकादमीज बनांएगे। हमारे हरियाणा के खिलाडियो का जंहा तक सवाल है, उन्होने बहुत अच्छा नाम कमाया है। हमारे खिलाडियो मे अर्जुन अवार्डी और द्रोणाचार्य अवांर्डी भी है। उनके मान सम्मान के लिए पांच हजार रूपये प्रतिमाह उनको आजीवन पै ं नदी जाएगी। (**इस**

समय मेज थपथपाई गई) अध्यक्ष महोदय, भीम आवार्डीज के लिए हम भी जल्दी ही कोई फैसला करेगे। जैसे कि हमारे वित मंत्री जी ने बताया है कि हमने स्पोर्टस काब बजट कई गुणा बढाया है ताकि हमारे खिलाडियो को यथोचित स्थान और मान सम्मान मिल सके। इसमे कोई दो राय नही है कि खिलाडी और उनके जो नतीजे है वे किसी भी दे ा या प्रदे ा मे विकास के प्रतीक होते है। आप देखिये कि दुनियां मे जितने भी विकसित दे ा है खेलो मे उनके उतने ही ज्यादा मैडल्ज है। इसी वास्ते हमारे हरियाणा ने जो एक लक्ष्य तय किया हुआ है कि हरियाणा प्रदे ा को दे ा का नम्बर वन प्रदे ा बनाना है उसके लिए हम प्रयास कर रहे है। आज ओलम्पिकस गेम्ज से हमारी अचीवमैट को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की आव यकता नही है। ओलम्पिक खेलों से जो नतीजे आये है हरियाणा प्रदे ा उनमे भी दे ा भर मे नम्बर एक पर है। स्पीकर साहब, जहां तक पैसे का सवाल है, सता का सवाल है, फाईनांस का सवाल है, भारत सरकार का इस बारे मे खुला हाथ है। मै क्यों पूछू। मेरा भाई है ओर मै इसको अच्छी तरह से जानता हू बहुत कंजूस है। मुझे याद है जब वह गाडी मे आता था सिर्फ 5 लीटर पैट्रोल डलवाता था। अगर मैने इससे पूछना ही था तो मुख्यमंत्री क्यों बनता, मंत्री ने बनता। जैसा कि इन्होने कहा है कि खिलाडियो का सवाल है तो मै यह कहना चाहता हू कि हम हरियाणा सरकार की तरफ से उनको पूरा प्रोत्साहन देगे। मुझे वि वास है कि जो भी स्टेडियम है वंहा पर पूरी सुविधांए देगे चाहे वह किसी भी प्रकार की सुविधा

हो। अब स्टेडियम मे पीने के पानी की सुविधा हम पब्लिक हैल्थ से दे रहे है। जो अखाडे है उनमे पूरे पोटैि ायल है, गद्दे आदि है वे सभी देगे। वह सिर्फ कांस्य पदक की बात नही है। मेरा यह कहना है कि 2012 मे जो ओलम्पिक्स होगे उसमे कम से कम 10 गोल्ड मेडल हम लेगे और उनको जो भी सुविधा देनी पडेगी वह हम देगे।

Mr. Speaker: Question is-

That this House lauds and records its deep appreciation for the commendable performance and laurels earned for the country by Gold Medalist Shooter Abhinav Bindra from Chandigarh, sons of soil of Haryana namely; Bronze Medalist Boxer Vijcnder Kumar, Bronze Medalist Wrestler Sushi! Kumar; Olympians Boxer Akhil Kumar; Boxer Jitender Kumar; Shuttler Saina Nehwal; Discus Thrower Krishna Punia; Shooter Sanjiv Rajpoot; Boxer Dinesll Kumar; Wrestler Yogeshwar Dutt and Shri Jagdish Singh, Boxing Coach and other respective Coaches. By winning the Medals and bringing laurels, all these players have made history in their respective games and kept the Indian National Flag flying high in the world of sports. Haryana Government has shown exceptional encouragement in awarding suitable rewards and employment to many of these players and will continue to encourage the sports in the State.

The motion was carried

घोशणांए

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) चेयरपर्सन्ज के नामो की सूची

Mr Speaker : Hon'ble Members, under Rule **13(1)** of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairpersons:-.

1. Shri Balbir Pal Shah, M.L.A.

2. Shri Arland Singh Dangi, M L.A.

3. Shri Sher Singh, M.L.A.

4. **Dr.** Sushil Indora, M.L.A.

(ii) अनुपस्थिति संबंधी सूचना

Mr Speaker: Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a communication from Secretary to Industries Minister, Haryana dated **1st** September. 2008, in which he has stated that Shri Lachhman Dass Arora, Industries Minister will not attend the I Iaryana Vidhan Sabha Session on 1.9.2008.

(iii) यमुना समझौते पर समिति की रिपोर्ट के बारे मे

Mr Speaker : Hon'ble Members, the Committee of Haryana Vidhan Sabha on Yamuna Accords to review the document signed by the then Chief Minister in 1994 for Renuka and Kishau Dams and to analyse the circumstances which led to the signing by Shri Bhajan Lal, the then Haryana Chief Minister of 1994 MoLl regarding sharing of Yarnuna

Waters and discrepancy between Cabinet decisions and the singned document was constituted by me on 24th September, 2007, having been authorized by the House in its sitting held on 19th September, 2007

I may bring to the notice of the House that despite ten requests made by my Secretariat to Shri Bhajan Lal to enlighten the Committee, he did not find time to attend any meeting of the Committee ignoring the interests of the State deliberately, which is unfortunate. Four requests were made when he was member of the Committee and six requests were made to him to enlighten/tender his evidence as witness. His non•cooperative attitude in this regard is not appreciable at. all. Similarly, Smt. Rekha Rana, a Member of the Indian National Lok Dal also did not attend any meeting of the Committee despite eleven requests made by my Secretariat. Her attitude is also not appreciable.

The Committee was to present its Report during the current Session. The issue being very important requires detailed examination and as such the Committee is not in a position to make a report to the House, therefore, the time for presentation of report is required to be extended.

Is it the pleasure of the House to extend the time for presentation of Report by the next Session?

Voice: Yes, yes.

Mr. Speaker: The time is extended for presentation of Report by the next Sesssion.

(ख) सचिव द्वारा

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make an announcement.

सचिवः महोदय, मै उन विधेयको को द र्ाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2007 सितम्बर, 2007 तथा मार्च, 2008 मे हुए सत्रो मे पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हू।

MARCH SESSION, 2007

The Haryana Police Bill, 2007.

SEPTEMBER SESSION, 2007

1.Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2007.

2. The Maharashi Dayanand University (Amendment) Bill, 2007.

3. The Kurukshetra University (Amendment) Bill, 2007.

4. Chaudhary Devi La! Univsersity Sirsa (Amendment) Bill, 2007. MARCH SESSION, 2008

MARCH SESSION, 2008

1. The Haryana Legislati ve Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2008.

2. The Haryana Special Economic Zone (Amendment) Bill, 2008

3. The Haryana State Legislature (Prevention of Disqualification)
Amendment Bill, 2008.

4. The Haryana Compulsory Registration of Marriages Bill, 2008.

5. The Haryana Lifts and Escalators Bill, 2008.

6. The Haryana Evacuee Properties (Management and Disposal) Bill, 2008.

7. The Haryana Appropriation (No. **1)** Bill, 2008.

8. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2008.

9. The Haryana Cattle Fairs (Amendment) Bill, 2008.

10. The Haryana Tax on Entry of Goods into Local Areas Bill, 2008.

11. The Haryana State Board of Technical Education Bill, 2008

12.The Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment I Bill, 2008.

13. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Second Amendment Bill, 2008.

14.Pandit Bhagwat Dayal Sharma University of Health Services Rohtak Bill, 2008.

15. Chaudhary Devi Lal University Sirsa (Amendment) Bill, 2008.

16. The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 2008.

17. Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan (Amendment) Bill, 2008

18. The Kurukshetra University (Amendment) Bill, 2008.

19. The Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 2008.

20. The Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 2008.

21. The Haryana legislative Assemly (Allowances and Pension of Members) Third Amendment Bill, 2008.

बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now 1 report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committee met at 11.00 A.M. on Monday, the 1st Septembner, 2008 in the Chamber of the Ilon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly whilst in Session, shall meet on Monday, the 1st September, 2008 at 2.00 P.M. and adjourn after conclusion of Business entered in the List of Business for the day.

On Tuesday. the 2nd September, 2008, the Assembly shall meet at 11.00 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and the Assembly shall meet again at 2.30 P.M. and adjourn at 5.00 P.M. without question being put.

On Wednesday, the 3rd September, 2008 the Assembly shall meet at 11.00 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and the Assembly shall meet again at 2.30 P.M. and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The Corrunittee, after some discussion, further recommends that the Business on the 1st, 2nd and 3rd September, 2008 be transacted by the Sabha as follows:-

Monday, the 1st September, 2008 (2.00 P.M)	1. Obtivary References.
	2. Questins Hour.
	3. Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House
	5. Presentation of preliminary reports of the Committees of Assembly and extension of time for presentation of the final

	reports thereon.
	6. Special Report of the Committee of Privileges under Rule 218 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly.
	7. Presentation of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2008-09 and the report of the Estimates Committee thereon.
Tuesday, the 2st September, 2008 (11..00 P.M)	1. Questins Hour.
	2. Discussion and Voting on Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2008-2009.
	3. Legislative Business.
Wednesday, the 3rd September, 2008 (11..00 P.M)	1. Questins Hour
	2. Motion under Rule – 15

	regarding Non stop sitting
	3 Motion under Rule – 16 regarding adjornment of the Sabha sine die.
	4. Papers to be laid, if any
	5. The Haryana Appropriation Bill, 2008 in respect of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 2008-09
	6. Legislative Business
	7- Any other Business.

Mr. Speaker: now the Parlimentay Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations constained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations

constained in the First Report of the Business Advisory Committee.

डा0 सु ील इंदौराः स्पीकर साहब

श्री अध्यक्षः इंदौरा जी, आप पार्लियामैटेरियन रहे है। मो ान मूव होने के बाद आप बोल लेना।

डा0 सु ील इंदौराः स्पीकर साहब, मै पार्लियामैटैरियन रहा हू। यह बार बार कहने की जरूरत नही है। सर, पार्लियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने मो ान मूव कर दिया उसके बाद मैने पहले आपकी इंडीके ान देखी थी। That was an indication that I want to say something to you. अध्यक्ष महोदय, मै और मेरी पार्टी के सदस्य बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट से बिल्कुल सहमत नही है।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी के मैबर्स बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग मे नही आते है।

डा0 सु ील इंदौराः जब हमारी यह सुनवाई नही होती तो बी0एस0सी0 की मीटिंग मे कैसे सुनवाई होगी।

श्री अध्यक्षः सुनवाईहर जगह होगी। आप सजैक ांन देगे तो जरूर इम्प्लीमैट होगे। मीटिंग मै आकर कहे कि यह बात ऐसे है, इस तरह से हाउस चलता है, यह बिजनैस आना है यह हमारी कांलिंग अटै ान मो ान है या हमारा रेजोल्यू ान है, यह हमारा ऐडजर्नमैट मो ान है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ील इंदौराः पिछले साढे तीन साल की प्रैक्टिस रही है कि जीरो आंवर मे हम बोलना चाहते है तो हम मौका नही दिया जाता।

Mr. Speaker: The leader of your party is not serious.

डा0 सु ील इंदौराः किसी रेजोल्यू ान पर हम अपने सुझाव देना चाहते है तो हमे मौका नही दिया जाता। जब इस सदन की पहली बैठक हुई थी तो मुख्यमंत्री जी ने हाउस मे कहा था कि हम लोकतांत्रिक तरीके से सदन को चलाएगे और लम्बे समय तक चलाएगे। यहा तकरीबन 90 एम0एल0ए0 है। अगर मंत्री न भी बोले तो भी यदि हर विधायक अपने हल्के की बात करे तो भी ज्यादा समय चाहिए।

Mr. Speaker: Indora Ji, use the parliamentary language. ये जो बात कर रहे है यह रिकार्ड न की जाए। आपको ऐसी बात नही कहनी चाहिए।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, बी0ए0सी0 की रिपोर्ट पर चर्चा चल रही है और माननीय सदस्य कोई और मुद्दा यहां लेकर बैठ गए है। (ाोर एवम व्यवधान) ये हर बार सदन को अपने ही तरीके से लेते है। इनके पांच वर्श के कार्यकाल मे केवल मात्र सदन की 66 सिटिंग हुई थी ये यहा बात करते है।

डा0 सु ील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, यह बात बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट मे रखी जानी चाहिए। सवैधानिक मुद्दो पर सदन मे चर्चा होनी चाहिए। मै बी0ए0सी0 की मीटिंग के बारे मे कहना चाहता हू। आज बी0पी0एल0 कार्डो का भी मुद्दा है। इन पर चर्चा होनी चाहिए।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि बी0ए0सी0 की रिपोर्ट जो सदन मे पेश की गई उसे पास कर दिया जाये।

डा0 सु ील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, किसानों की फसल बर्बाद हो गई है धान की खरीद नही हो पा रही है। इन मुद्दो पर भी सदन मे चर्चा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आपके नेता बी0ए0सी0 की मीटिंग मे तो कभी आते नही है, उन्हे बी0ए0सी0 की मीटिंग मे आना चाहिए वहां पर बताये कि बिजनैस क्या है, उसके बारे मे कोई सुझाव दे।

डा0 सु ील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, इन मुद्दो पर चर्चा होनी चाहिए।

Mr. Speaker: Indora Ji, do you have any suggestion?

डा0 सु ील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, इन मुद्दो पर सदन मे चर्चा होनी चाहिए। बी0ए0सी0 मीटिंग के अलावा कई

ऐसे मुद्दे है जिन पर हरियाणा प्रदे ा के लोगो के लोगो के हितो के लिए चर्चा होनी चाहिए।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनके नेता को बी0ए0सी0 मीटिंग मे आना चाहिए और वहां पर वे अपने सुझाव दे।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आप बात सुनिये पार्लियामैटरी अफेयर्स मिनिस्टर अपनी बात कह रहे है।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन साल से इनैलो के नेता बी0एस0सी0 की मीटिंग मे नही आ रहे है यह बात इन्दौरा साहब को मालूम है। उन्हे बी0एस0सी0 की मीटिंग मे आना चाहिए और बी0एस0सी0 मीटिंग के अलावा जो दूसरे मुद्दे है वे सदन मे किसी प्रकार उठाये जायेगे इस बारे मे बताना चाहिए। इन्हे श्री सम्पत सिंह जी से क्लास लगानी चाहिए।

डा0 सु ील इंदौराः मुझे क्लास लगाने की जरूरत नही है।

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations constained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried

वाक आउट

डा0 सु शील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, हम बी0ए0सी0 की रिपोर्ट जो सदन मे प्रस्तुत की गई है उससे सहमत नही है। अध्यक्ष महोदय, इस पर आपने हमे बोलने का पूरा समय भी नही दिया इसलिए हम सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय सदन मे उपस्थित इण्डियन ने ानल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

Mr. Speaker: Now, the Partiamentary Affairs Minister will lay the papers on the Table of the House.

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to lay the papers on the Table.

1.	The Inidan Stamp (Haryana Amendment) Ordinance, 2008 (Haryana Ordinance No. 2 of 2008)
2.	The General Administration Department Notfication No. S.O 31/H.A 3/1975/S.8/2008, dated 16th April, 2008 regarding Haryana legislative Assemble Speakers and Deputy Speaker's Allowance Rules, 1997, as required under section s(2) of the Haryana legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act, 1975.
3.	The General Administration Department Notification No. S.O. 32/11.A. 3/1970/S. 8 and 9/2008, dated the 16th April, 2008 regarding Haryana Ministers Allowances Rules, 1972, as required under section 9(2)

	of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act, 1970.
4.	The General Administration Department Notification No. S.O. 46/H.A. 9/1979/S. 8/ 2008, dated the 27th May, 2008 regarding Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Rules, 1979, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979.
5.	The Personnel Department Notification No. G.S.R.5/Const./Art. 320/2008, dated the 6th February, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.
6.	The Personnel Department Notification No. G.S.R./27/Const.Art. 318/2008, dated the 7th August, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Conditions of Service) Regulations, 1972, as required under Article 320 (5) of the Constitution of India.
7.	The Personnel Department Notification No. G.S.R. 30/Const./Art. 320/2008, dated the 18th August, 2008 regarding amendment in Haryana Public Service Commission Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the

	Constitution of India.
8.	The Town and Country Planning Department Notification No. DS-200811637, dated the 16th April, 2008 regarding amendment in Haryana Development and Regulation of Urban Areas Rules 1976, as required under section 24 of the Haryana Development and Regulation of Urban Act, 1973
9	The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 42/H.A 6/2003/S 60 2008, dated 14th May, 2008 regarding amendment in the Haryana Value Added Tax Rules 2003, as required under section 60 (4) of the Haryana Value Added Tax Act, 2003
10	The Interim Report of Third State Finance Commission Haryana, as required under Article 243-1 (4) 243-Y of the Constitution of India.
11.	TheAnnual Report of Haryana Potice Housing Corporation Limited for the year 2005-2006 as required under Article 6193-1 (4) 243-Y of the Companies Act, 1956 .
12.	The 40th Annual Report of Haryana Warehousing Corporation for the year 2006-07, as required under Article 3 (11) of the Warehousing Corporation Act, 1962

वि ोशधिकार मामलो के सबंध मे वि ोशधिकार समिति का प्रारंम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तु करना तथा अंतिम प्रतिवदेन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना।

Mr. Speaker: Now, Shri karana Singh Dalal, Chairperson, Committee of Privileges, will present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges with regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Parkash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceeding of the House unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20-3-2007 and on earlier occasions also will also move the motion for the extension of time for the presentation of the final report of the House (Noise and interruptions)

Chairperson, Privileges Committee (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to present the Third Preliminary Report, of the committee of privilege given notice of by Shri Randeep Singh Surjewala, Parliamentary Affairs Minister, Haryana against Shri Om Parkash Chautala, MLA in respect of misconduct, misbehaviour and disorderly disrupting the proceeding of the House unbecoming of a Member of the House, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege on 20-3-2007 and on earlier occasions also.

Sir, I also be to move-

That the time for the presentation of the First report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved

That the time for the presentation of the First

report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the First report to the House be extended upto the First Sitting of the next Session.

The motion was carried.

वि ोशधिकार कमेटी की वि ोश रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

Mr. Speaker: Now, Shri Karana Singh Dalal, Chairperson, Committee of privileges, will present the Special Report of the Committee of Privileges (noises and interruptions)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल जी जो रिपोर्ट सदन मे पे ा कर रहे है वह रिपोर्ट इन्दौरा साहब व इनकी पार्टी के नेता की पोल खोलने वाली रिपोर्ट है। इनके नेता यह समझते है कि ऐसा भाोर मचा कर ये हरियाणा के लोगो के आगे पर्दा डाल सकते है इसलिए ये भाोर कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिह दलाल की रिपोर्ट तो श्री ओम प्रका ा चौटाला जी के काले कारनामो की रिपोर्ट है यह इनको मालूम था कि वह रिपोर्ट सदन मे पे ा होनी वाली है इसलिए ये भाोर मचा रहे है।

श्री अध्यक्ष: इन्दौरा साहब, आप अपनी सीट पर जाकर

बैठ और रिपोर्ट को सुने की रिपोर्ट क्या आ रही है।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह रिपोर्ट ही तो इनके लिए समस्या है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आपकी पार्टी के नेता तो बहुत गैर जिम्मेदारान व्यवहार करते है जो ठीक नही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनको कहे कि अपने नेता को बुला आए और इनको बोलने के लिए पूरा समय दिया जाए। प्रिविलज कमेटी की रिपोर्ट आने दे और उस पर चर्चा करवाई जाए। ये ओमप्रका ा चौटाला जी को बुला लाए। आज नही तो कल और कल नही तो परसो बुला लाए, हम इंतजार कर लेगे और तब तक हम रिपोर्ट को डैफर कर देते है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब जी कोई बात रिकार्ड न की जाए। डा0 साहब, आपके नेता औम प्रका ा चौटाला बी0ए0सी0 के मैम्बर है। आप उनको बुला ले, हम उनको बोलने के लिए पूरा समय देगे। वे बी0ए0सी0 मे नही आए और उनका व्यवहार गैर जिम्मेदाराना रहा। उन्होने अपनी डयूटी को डयूटी नही समझा। (ाोर एवम व्यवधान) आप उनको बुला ले, मै उनको बोलने के लिए पूरा समय दूंगा। वे यहां आकर कोई सुझाव दे।(ाोर एवम

व्यवधान) यहां खिलाडियो के लिए इतना बडा रैजोल्यू ान आ रहा था। उनको इस पर बोलना चाहिए था और इस बारे मे गवर्नमैट की जो पोलिसी बनने जा रही है उस पर वे अपने सुझाव रखते। (ाोर एवम व्यवधान) आप तो लाईन से उतर गए थे। आप अपनी राजनीतिक प्रं ासा मे चले गए थे। आप उस समय बोलते मैने आपको पूरा ध्यान दिया था। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनसे पूछे कि ओम प्रका ा चौटाला सुबह भाग क्यों गए ? इनको कर्ण सिंह दलाल की रिपोर्ट से इतना डर क्यों है? अभी तो हमे भी नही मालूम कि उस रिपोर्ट मे क्या लिखा हुआ है। ओम प्रका ा चोटाला सवेरे भाग गए और अब ये भागना चाहते है। (ाोर एवम व्यवधान) ये ओम प्रका ा चौटाला को बुला ले और उनको बोलने का पूरा मौका दिया जाएगा। तब तक दलाल साहब अपनी रिपोर्ट पे ा नही करेगे। (नारेबाजी एवम ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ओम प्रका ा चौटाला जी, बी0ए0सी0 के मैम्बर है वे वहा मीटिंग मे नही आए। वे कल यहा आकर इस बारे मे सुझाव दे दे, हम उनके सुझाव मानेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। डा0 साहब, आपको सप्लीमैट्री एस्टीमेटस पर बोलने के लिए

मै पूरा टाइम दूंगा। आपके मैम्बर्ज मे से एक मैम्बर बोले, दो मैम्बर बोले या फिर तीन सदस्य बोल लेना। (ाोर एवम व्यवधान) करण सिंह दलाल जो प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट रखना चाहते है, आप उस रिपोर्ट से बचना चाहते है। आप उसको फेस करे। आपको सप्लीमैट्री एस्टीमेटस पर बोलने के लिए पूरा समय दिया जाएगा। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ाीला इंन्दौराः .....

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः डा0 साहब, आपको क्या मालूम कि दलाल साहब ने क्या रिपोर्ट दी है। उस रिपोर्ट का तो हमे भी नही पता कि उसमे क्या है। आप क्यों उस रिपोर्ट से घबरा रहे है। ये रिपोर्ट कोई करंट मारने वाली नही है। आप चिन्ता न करे। (ाोर एवम व्यवधान)

18.00 बजे

श्री अध्यक्षः इनकी बीमारी बिजनेस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट नही है। इसकी बीमारी तो दलाल साहब वाली रिपोर्ट है। (ाोर एवम व्यवधान) डाक्टर साहब, आप इस रिपोर्ट की वजह से ऐसा कर रहे हो। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ाीला इंन्दौराः .....

Mr. Speaker: Nothing is to recorded. (ाोर एवम व्यवधान) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। (ाोर एवम

व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मै आपको अलाउ करता हू आप अपनी चेयर पर जाकर बोले। आप क्या कहना चाहते है, अपनी चेयर पर जाकर कहे। (ाोर एवम व्यवधान) इस तरह से हाउस की वैल मे भाोर न मचाये (ाोर एवम व्यवधान) Please take your seat (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, जब तक रिपोर्ट वापिस नही होती। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, रिपोर्ट कहां आ गई। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, रिपोर्ट कहा है। रिपोर्ट तो अभ पे ा ही नही हुई है। (ाोर एवम व्यवधान) रिपोर्ट तो अभी है ही नही। ये इतना क्यों घबराये हुए है? (ाोर एवम व्यवधान) ये अपने नेता को भी यहा बुलाये। अभी रिपोर्ट कहा आई है? (ाोर एवम व्यवधान) अभी तो कोई रिपोर्ट पे ा ही नही हुई है। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

Mr. Speaker: Nothing is to recorded. (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

इस समय सदन मे उपस्थित इण्डियन ने ानल लोक दल के सदस्य सदन की वैल मे नारेबाजी करने लग गये।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये मर जायेगे लेकिन रिपोर्ट पे ा नही होने देगे। . (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब आप सुसाईड करने की यहां धमकी मत दो। . (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 सु ीला इंन्दौराः .....

श्री अध्यक्षः आप लडे मगर यहां सुसाईड करने की धमकी मत दो। (ाोर एवम व्यवधान) डाक्टर साहब, आप अपनी चेयर पर जाकर बोले। मै आपको अलाउ करता हू। Please take you seats. (ाोर एवम व्यवधान) दलाल साहब, आप अपनी रिपोर्ट पे ा करे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, (ाोर एवम व्यवधान)

इस समय सदन मे उपस्थित इण्डियन ने ानल लोक दल के सदस्य सदन की वैल मे नारेबाजी करने लग गये।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, कर्ण सिंह दलाल जी के

पास ऐसी कौन सी पुडिया है जिससे आप इतने ज्यादा भयभीत हो। (ाोर एवम व्यवधान) डाक्टर साहब, आप इतने भयभीत हो? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपकी रिपोर्ट को देखकर इनका लीडर तो भाग गया, आप वह रिपोर्ट इनको भी दिखा दो। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, ये लोग रिपोर्ट से घबरा रहे है। (ाोर एवम व्यवधान) इनका नेता तो सदन छोडकर पहले ही भाग चुका है और जाते वक्त वह इनको समझाकर गया है कि ज्यों ही रिपोर्ट आये भाोर मचाना भाुरू कर देना (ाोर एवम व्यवधान) Speaker Sir, I want you protection आप इनका इलाज कीजिए। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, अगर आपकी इजाजत हो तो मै सदन मे प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आप रिपोर्ट मे ऐसा क्या लिखकर ला रहे हो जो ये सारे के सारे डर हुए है ? (ाोर एवम व्यवधान) आपने इनको इतना भयभीत क्यों कर दिया है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, चोर की दाढी मे तिनका होता है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपकी रिपोर्ट से इनका लीडर भी भाग

गया है और अब ये भी भागना चाहते है। (ाोर एवम व्यवधान)

इस समय सदन मे उपस्थित इण्डियन ने ानल लोक दल के सदस्य सदन की वैल मे नारेबाजी करने लग गये।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 इन्दौरा, आप क्या कहना चाहते है ? (ाोर एवम व्यवधान) आप अपनी सीट पर जाकर बोले। I will allow you. मै आपको अलाउ करता हू। (ाोर एवम व्यवधान) जो कुछ भी आप बोलना चाहते है। वह अपनी सीट पर जाकर बोले। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आप इनकी बात मान लीजिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ज्ञान चन्द ओढ आप तो प्रिजिलेज कमेटी मे मैम्बर हो आप अपने साथियो को समझाईए।(ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इनकी बात स्पीकर कर ले यह रिपोर्ट कल तक डैफेर कर दी जाये। (ाोर एवम व्यवधान) मेरा आपसे पुन अनुरोध है कि इनकी बात मान ली जाये और प्रिविजेल कमेटी की रिपोर्ट को कल के एजेंडा मे रख लिया जाये। (ाोर एवम

व्यवधान)

Mr. Speaker: Dr. Sita Ram, I will allow you. आप अपनी सीट पर जाकर बोले। (ाोर एवम व्यवधान) चिडाना साहब, मै आपको अलाउ करता हू। आपको जो बोलने है वह आप अपनी सीट पर जाकर बोले। (ाोर एवम व्यवधान) डा0 इन्दौरा, आप क्या कहना चाहते है यह तो बताओ। (ाोर एवम व्यवधान) मै आपको भी अलाउ करता हू। आप अपनी सीट पर जाकर बोले। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह रिपोर्ट आज ने पे ा की जाये। इसे कल के एजेण्डा मे रख लिया जाये। (ाोर एवम व्यवधान) The report may be deferred uptil tomorrow. Let the Chairperson of Privillege Committee present the report tomorrow.

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the presentation of the special Report of the Committee of Privileges be deferred for tomorrows sitting i.e on 2nd September, 2008.

Voices: Yes, yes

Mr. Speaker: The presentation of the special Report of the Committee of Pavileges is deferred for tomorrow sitting i.e on 2nd September, 2008.

वर्श 1999–2000 से 2004–2005 तक की अवधि के दौरान सार्वजनिक सम्पतियो के हस्तारण/नीलामी/आंबटन

विस्तृत जांच करने के लिए सदन की समिति का प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना।

Mr. Speaker: Now, Shri Pholl Chand Mullana, Chairpersons, Committee of Haryana Vidhana Sabha to inquire into the details of Public Properties transferred/auctioned/allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005 will present the First Preliminary Report of the Committee and will also move and that the time for the presentation of final report to the House be extended upto the First Sitting of the next session.

Chairperson, Committee of Haryana Vidhan Sabha to inquire into the details of Publice Properties transferred auctioned/allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005. (Shri Phool Chand Mullana): Sir, I beg to present the fist Perliminary Report of the Committee of Haryana Vidhan Sabha to inqure into the details of Public Properties transferred/ auctioned/allotted during the year 1999-2000 to 2004-2005.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the next session

Mr. Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the

next session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the First Sitting of the next session.

The motion was carried.

वर्श 2008–2009 के लिए अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त)) प्रस्तुत करना।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the finance Minister will present the Supplementary Estimates (First Installment) for the year 2008-2009.

Finance Minister (Shri Birender Singh): Sir, I beg to present the Supplementary Estimates (First Installment) for the year 2008-2009.

प्राक्कन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now, Shri Udai Bhan, Chaiperson,Committee on Estimated will present the Report of the Committee on Estimates on Supplementary Estimates (First Installment) for the year 2008-2009.

Chairperson, Committee on Esimates (Shri Udai Bhan): Sir, I beg to present the report of the Committee on Estimates on Supplementary Estimates (First Installment) for the year 2008-2009

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till

11.00 A.M tomorrow the 2nd September, 2008.

18.16 Hrs.

(The Sabha than adjourned till 11.00 A.M Tuesday, the 2nd September, 2008.)